शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सरकार मृत है और लोगों की जरूरतों पर ध्यान देने के बजाय घोटालों में व्यस्त... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 22 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-203

बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

मेरिट पर मिलेगी नौकरी, आरक्षण पर नहीं

बांग्लादेश में आरक्षण सिस्टम खत्म, केवल 5% शेष

देश का विकास करना है तो योग्यता को तरजीह दें

भारत में आरक्षण के हिमायतियों पर करारा तमाचा

ढाका, 21 जुलाई (एजेंसियां)। इस्लामिक राष्ट्र बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने न्यायप्रियता की मिसाल कायम की है और प्रगतिशीलता का चोंगा पहन कर समाज में रूढ़िवाद, जातिवाद और संप्रदायवाद का जहर बोने वाले तत्वों को अपने फैसले से करारा तमाचा रसीद किया है। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के फैसले से भारत के सुप्रीम कोर्ट को भी सीख लेनी चाहिए। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि देश को विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ना है तो आरक्षण के बजाय योग्यता को तरजीह देनी होगी। बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण की व्यवस्था को बेसाख्ता खारिज करते हुए कहा कि सरकारी नौकरियों में 95 फीसदी मेरिट के आधार पर मेधावी यानी योग्य लोगों को ही नियुक्त किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने 1971 युद्ध के शहीदों के परिवारों का आरक्षण 30 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया है।

अहम बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को भी अवैध करार दिया है। 2018 में शेख हसीना सरकार ने कोटा सिस्टम खत्म कर दिया था, लेकिन फिर मामला हाईकोर्ट गया और इसी साल पिछले महीने हाईकोर्ट के आदेश पर आरक्षण व्यवस्था फिर से लागू हो गई। इसका विरोध किए जाने पर पूरे बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन शुरू हो गए। कई यूनिवर्सिटी बंद चल रही हैं, इंटरनेट सस्पेंड किया जा चुका है और पूरे देश में कर्फ्यू लगा है। हिंसा में बांग्लादेश के विरोधी और पाकिस्तान समर्थक तत्व शामिल हो गए, इस वजह से हिंसा नियंत्रण के बाहर चली गई। करीब 150 लोगों के मारे जाने की खबर है। खूबी यह है कि बांग्लादेश के अधिकांश छात्र आरक्षण के पक्ष में नहीं थे। सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले के बाद उन छात्रों की नाराजगी दूर होगी जो आरक्षण व्यवस्था लागू किए जाने के खिलाफ थे। सुप्रीम कोर्ट ने उसी दिशा में अपना फैसला सुनाया है।

बांग्लादेश सरकार जब हिंसा की जांच कर रही है तो पता चल रहा है कि यह विरोध प्रदर्शन अब छात्रों से ज्यादा देश विरोधी ताकतों के हाथ में आ चुका है। ऐसे इनपुट मिल रहे हैं कि बांग्लादेश में हो रहे हिंसक प्रदर्शन को और ज्यादा हवा देने का काम जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश कर रहा है। इस संगठन को लेकर लंबे समय से ही पाकिस्तान और चीन का बड़ा समर्थन माना गया है। उसका फिर ताकतवर होना भारत के लिए भी अच्छी बात नहीं है।

हिंसा के कारण बांग्लादेशियों की भारत में आमद बढ़ी

ढाका, 21 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के क्रांतिकारी फैसले का कोई असर भारत पर नहीं पड़ने वाला, लेकिन बांग्लादेश में हो रही हिंसा का असर भारत पर पड़ सकता है। इस समय बांग्लादेश से जो पलायन हो रहा है, उसका एपीसेंटर भी भारत ही बना हुआ है। असल में बांग्लादेश से बड़ी संख्या में नेपाली और भूटानी लोग भारत के मेघालय पहुंच गए हैं। उस वजह से राज्य में शरण लेने वालों की संख्या 670 से भी ज्यादा बताई जा रही है। गृह विभाग का एक आंकड़ा बताता है कि बांग्लादेश से 204 भारतीय, 158 नेपाली और एक भूटानी नागरिक मेघालय पहुंच चुके हैं। यह आंकड़ा आने वाले दिनों में और ज्यादा बढ़ सकता है। ऐसे में अस्थिर बांग्लादेश की वजह से भारत में अवैध तरह से घुसने की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

बजट सत्र के पहले सर्वदलीय बैठक की औपचारिकता पूरी

संसद सत्र में फिर ध्वनि प्रदूषण फैलाएगा विपक्ष

आंध्र प्रदेश, बिहार व ओड़ीशा के विशेष राज्य का मसला उठा

सत्र शांति से चले, इस पर न खास चर्चा हुई न सहमति बनी

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। बजट सत्र शुरू होने के पहले आज संसद के मुख्य समिति कक्ष संसदीय सौध में सर्वदलीय बैठक हुई। यह बैठक संसद की कार्यवाही के लिए सहमति बनाने के मुद्दे पर हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने की और संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने इस बैठक का आयोजन किया। केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई इस बैठक में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी शामिल नहीं हुई। पार्टी के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू को चिट्ठी लिखकर बताया था कि उनकी पार्टी का कोलकाता में कार्यक्रम है, इसलिए बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे।

सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, हमने बहुत उपयोगी चर्चा की। मैं सभी पार्टियों के फ्लोर लीडर्स को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने अच्छे सुझाव दिए। हमने संसद के सभी सदनों के नेताओं से सुचारु रूप से सुझाव लिए हैं, यह सरकार और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है। साथ ही अपील की है कि हम लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सरकार निर्धारित नियमों का पालन करते हुए संसद में किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। सर्वदलीय बैठक मानसून सत्र के दौरान संसद अच्छे से चलाने के लिए बुलाई जाती है। विपक्ष और सरकार के बीच कुछ मुद्दों को लेकर हमेशा टकराव की स्थिति बनी रहती है, ▶10पर

संसद की कार्यवाही पर हर मिनट का खर्च 2.5 लाख

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। जिस संसदीय सत्र को विपक्ष के सदस्य बेमानी शोर-शराबे और अराजकता का माहौल फैला कर बाधित कर देते हैं, उस पर आम जनता का पैसा फुंकता है। आप हैरत करेंगे कि संसद की एक मिनट की कार्यवाही पर करीब ढाई लाख रुपए खर्च होते हैं। यानी हर घंटे के हिसाब से यह रकम 1.5 करोड़ रुपए होती है। ▶10पर

गृह मंत्रालय का नया आदेश, संघ पर लगी रोक हटी

सरकारी कर्मचारी भी संघ में हो सकेंगे शामिल

कांग्रेस की सरकारों ने सरकारी कर्मियों पर लगा रखी थी रोक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सरकार के आदेश का स्वागत किया

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय ने सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों में शामिल होने पर लगा प्रतिबंध हटा लिया है। इस आदेश में केंद्र सरकारों के द्वारा 1966, 1970 और 1980 के उन आदेशों में संशोधन किया गया है, जिनमें कुछ अन्य संस्थाओं के साथ-साथ आरएसएस की शाखाओं और अन्य गतिविधियों में शामिल होने पर सरकारी कर्मचारियों पर कड़े दंडात्मक प्रावधान लागू किए गए थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस आदेश का स्वागत किया है।

पूर्व की कांग्रेस सरकारों ने समय-समय पर सरकारी कर्मचारियों की संघ के कार्यक्रमों में शामिल होने पर रोक लगा दी थी। आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर कर्मचारियों को कड़ी सजा देने तक का प्रावधान लागू किया गया था। सेवानिवृत होने के बाद पेंशन लाभ इत्यादि को ध्यान में रखते हुए भी अनेक सरकारी कर्मचारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने से बचते थे। हालांकि, इस बीच मध्यप्रदेश सहित कई राज्य सरकारों ने इस आदेश को निरस्त कर दिया था, लेकिन इसके बाद भी केंद्र सरकार के स्तर पर यह वैध बना हुआ था। इस मामले में एक वाद इंदौर की अदालत में चल रहा था, जिस पर अदालत ने केंद्र सरकार से सफाई मांगी थी। इसी पर कार्रवाई करते हुए केंद्र सरकार ने नौ जुलाई को एक ऑर्डर जारी करते हुए उक्त प्रतिबंधों को समाप्त करने की घोषणा कर दी। ▶10पर

कई बार लग चुका है आरएसएस पर बैन

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर एक बार नहीं बल्कि तीन बार प्रतिबंध लगाया जा चुका है। लेकिन आरएसएस के हौसले इससे पस्त नहीं पड़े। संघ लगातार अपने आपको आगे बढ़ाता रहा और आज विश्व के सबसे बड़े कैडर वाले संगठनों में अग्रणी बन चुका है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना केशव बलराम हेडगेवार ने की थी। ▶10पर

झारखंड में बोले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

लव जेहाद और लैंड जेहाद को बढ़ावा दे रहे सोरेन

रांची, 21 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भूमि जेहाद और लव जेहाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए उन पर तीखा हमला किया। अमित शाह ने कहा कि भूमि जेहाद और लव जेहाद राज्य में जनसांख्यिकीय परिवर्तन ला रहे हैं। अमित शाह ने रांची में भारतीय जनता पार्टी की बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, मैं आदिवासी भाइयों और बहनों से अपील करना चाहता हूं ▶10पर

जनसंख्या का बदलाव सोची समझी रणनीति का नतीजा

कोलकाता, 21 जुलाई (एजेंसियां)। बंगाल भाजपा के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने असम और झारखंड में डेमोग्राफी में बदलाव की बात कही थी। मजूमदार ने कहा कि असम और झारखंड में बायोलॉजिकल तरीके से डेमोग्राफी बदलाव नहीं हुआ है। यह बदलाव घुसपैठ का नतीजा है। उन्होंने बंगाल को भी इस समस्या से पीड़ित बताया। सुकांत मजूमदार ने कहा कि बंगाल में भी इसी तरह अवैध घुसपैठ कराकर डेमोग्राफी को बदला गया है। ऐसा सिर्फ असम, झारखंड और बंगाल में ही नहीं, बल्कि पूरे पूर्वी भारत हुआ है, खासकर सीमा से सटे राज्यों में स्वतंत्रता के 70 से 75 सालों में बड़ा डेमोग्राफिक परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि ▶10पर

हरियाणा की तरह उत्तराखंड में भी अग्निवीरों के मिलेगा आरक्षण

देहरादून, 21 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड में भी अग्निवीरों को सरकार आरक्षण देगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा की। सीएम धामी ने कहा कि सरकार ने पहले ही निर्णय लिया था कि प्रदेश के अग्निवीरों को सरकारी विभागों में नियुक्तियां दी जाएंगी। सरकार उन्हें आरक्षण भी देगी। अगर जरूरी होगा तो इसके लिए एक्ट भी बनाया जाएगा।

सीएम धामी ने कहा कि चार साल सेना की नौकरी के बाद वापस आने वाले अग्निवीर अपने सुरक्षित भविष्य को लेकर आशंकित न रहें। इसके लिए ठोस योजना तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। धामी ने कहा कि उत्तराखंड सैनिक बाहुल्य प्रदेश है। यहां के युवा बड़े पैमाने पर भारतीय सेना में भर्ती होते हैं। लिहाजा, सेना में चार साल की सेवा पूरी करने के बाद रिटायर्ड जवानों को नियोजित करने में राज्य सरकार अपनी तरफ से कोई कसर बाकी नहीं रखेगी। सैनिक कल्याण विभाग इस सम्बंध में प्रस्ताव तैयार करने में जुट गया है। कहा कि इस दिशा में हमारी सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है।

दुकानदार का नेमप्लेट लगाने पर मचे विवाद पर बोले बाबा रामदेव

रामदेव को पहचान बताने में दिक्कत नहीं तो रहमान को क्यों?

हरिद्वार, 21 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार के कांवड़ यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले होटल, ढाबों एवं दुकानों पर उसके मालिकों के नाम लिखने के आदेश का योगगुरु स्वामी रामदेव ने समर्थन किया है। स्वामी रामदेव ने कहा कि जब स्वामी रामदेव को अपना नाम छुपाने की कोई जरूरत नहीं है, अपना परिचय देने में कोई दिक्कत नहीं है तो फिर रहमान को अपना परिचय बताने में क्यों दिक्कत है। अपने नाम पर तो सबको गौरव होता है।

स्वामी रामदेव ने कहा कि अपने कार्यों को शुद्धता और प्रमाणिकता से करने की आवश्यकता है। कार्यों में अगर शुद्धता और प्रमाणिकता है तो हमारा नाम चाहे हिंदू है चाहे मुसलमान है, चाहे हम किसी वर्ग के हैं हम सब भारतीय हैं, हम सबको भारतीय होने पर और हमें अपने नाम, धर्म और जाति पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार के कांवड़ यात्रा मार्ग में दुकान और ढाबों के मालिकों की नेम प्लेट लगाने के निर्णय का स्वागत किया।

कांवड़ मेले को लेकर उन्होंने कहा कि कांवड़ के यात्री शिवत्व धारण कर ऐसा आचरण करें कि सबको लगे कि यह कांवड़िया नहीं अपितु साक्षात शिव-पार्वती का साक्षात विग्रह जा रहा है। दिल्ली में केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति बनाने को लेकर विवाद पर उन्होंने कहा कि जो हमारे देव स्थान या बड़े तीर्थ हैं, उनका कोई विकल्प नहीं हो सकता। जो भगवान के द्वारा बनाए गए धाम हैं, उन्हें कोई इन्सान नहीं बना सकता। धामी सरकार ने जो चारों धामों को पेटेंट करने का निर्णय लिया है, वह प्रशंसनीय है।

नेमप्लेट लगाने का मामला सुप्रीम कोर्ट गया

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा मार्ग में पड़ने वाले होटल-ढाबों और ठेलों पर नेम प्लेट लगाने की अनिवार्यता वाले निर्देश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स नाम की एनजीओ ने यूपी सरकार के आदेश के खिलाफ याचिका दी है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच सोमवार 22 जुलाई को सुनवाई करेगी। ▶10पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,604.65
-738.81 -0.91% ↓
एनएसई :24,530.90
-269.95 (-1.09%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 75,640/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 91,335/-
(प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29°
न्यूनतम : 21°

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गुरु कृपा प्राणी मात्र के लिए कल्याणकारी : डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कहा कि हमारे जीवन में गुरु का विशेष महत्व होता है। गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरु के प्रति समर्पण और कृतज्ञता का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में गुरु को भगवान से भी बढ़कर माना जाता है। गुरु का ज्ञान और शिक्षा ही जीवन का आधार है।

गुरु प्रकाश के वे स्तम्भ हैं जो हमारे मार्ग को प्रकाशित करते हैं। गुरु वह व्यक्ति हैं जो ज्ञान की गंगा बहाते हैं और हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। गुरु वह जो गुणों की ओर रुचि पैदा कर दे, जो गंभीर हो, उदार हो वह गुरु है। गुरु ज्ञान की विधि बताते है।

उन्होंने गुरु के तीन प्रकार भी बताए पहला पत्थर गुरु, फक्कड़ गुरु, और तीसरा लक्कड़ गुरु। जो स्वयं भी तिरते है और औरों को भी तिराते है वह लक्कड़ गुरु है। गुरु में वह ताकत है जो पत्थर को भी प्रतिमा बना दे। चार तरह से गुरु कृपा बरसती है स्पर्श, शब्द, दृष्टि और भाव से। गुरु का आशीर्वाद गुरु कृपा ही प्राणी मात्र के लिए कल्याणकारी, ज्ञानवर्धक और मंगल करने वाला होता है। गुरु सिर्फ शिक्षक ही नहीं होते, वे प्रेरणा और ज्ञान का स्रोत होते हैं। 5 से 15 वर्ष के सभी सामायिक लेने वाले बालक-बालिकाओं को राजाजीनगर युवा की ओर से प्रभावना दी गई। महावीर जैन पाठशाला के स्थापना दिवस पर श्री संघ की ओर से शुभकामनाएँ प्रेषित की गई। जाप में सहयोग प्रदान करने वाले श्रावक श्राविकाओं को धीरजकुमार, नीरजकुमार नाहर की ओर से प्रभावना दी गई। भोजनशाला में प्यारेलाल टपरावत एवं उनकी सम्पूर्ण टीम का सहयोग रहा। राजाजीनगर संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने सभी का आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

सात्विक भाव में ठहरता हैं धर्म

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन बाविस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में आयोजित प्रवचन में विनय मुनि खीचन ने गुरु पूर्णिमा प्रसंग पर अपने उपकारी गुरुदेव चंपालाल जी का स्मरण करते हुए कहा कि उनके जीवन का हर पल प्रेरणा प्रद रहता था। उनकी सादगी सरलता विनयशीलता, कर्मठता बेजोड़ थी। उनके साथ जिया हर दिन आज भी ऊर्जा प्रदान करता हैं।

आवश्यक सूत्र पर प्रवचन श्रृंखला प्रारंभ करते हुए मुनि ने कहा कि आचार के विरुद्ध जो जीवन जिया, उसके प्रायश्चित हेतु आवश्यक सूत्र हैं। हम पढ़ें, समझें और फिर आचरण करें। घर का काम स्वयं करने से अहिंसा पुष्ट होती हैं। छोटे छोटे जीवों की रक्षा हम अपने विवेक से कर सकते हैं। धर्म कम करेंगे तो चलेगा किंतु हिंसा से बचना जरूरी हैं। घर की महिलाएं घर के नींव की पत्थर समान होती हैं। इन्हें ज्यादा हिलना डुलना नहीं चाहिए। विनय मुनि जी ने कहा कि प्राकृतिक पर्यावरण के साथ आत्मीय पर्यावरण का भी महत्व है। तामसिक भाव आत्मा का पर्यावरण बिगाड़ते हैं। सात्विक भाव में धर्म ठहरता हैं। राजसी भाव अहम पैदा करता है और नरक गति का मार्ग प्रशस्त करता है। राजु सकलेचा ने संचालन करते हुए स्वागत किया।

अच्छे विचारों के बिना अच्छे शरीर का कोई मूल्य नही

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में आगम रत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी, वज्ररत्न सागरजी और बंधु त्रिपुटी मुनिराज के पावन सानिध्य में रविवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर स्थानीय महावीर गौशाला के मुक प्राणियों के लिए खाद्य सामग्री एकत्र कर गौशाला भेजी गई।

मुनि आगमरत्न सागरजी ने कहा अच्छे शरीर के बिना अच्छे कपड़ों का कोई मूल्य नही। ऐसे ही अच्छे विचारों के बिना अच्छे शरीर का कोई मूल्य नही और अच्छे आचरण के बिना अच्छे विचारों का भी कोई मूल्य नही है। मानव की पहचान उसके कार्यो से होती है। केवल उसके विचारों से नही, क्योंकि कार्य तो एक वास्तविक धरातल है। जिसमें हम उसके विचारों की असली छवी देख सकते हैं। जिस तरह माली अपने कार्य में कितना कुशल एवं उद्यमी है, इसकी पहचान उसके द्वारा निर्मित उपवन से होती है, मनुष्य जन्म लेकर हमें आत्मदर्शन का पुरुषार्थ करना चाहिए।

हम सोंचे मनुष्य जन्म लेकर हमने जीवन की व्यवस्था में तो समय नही खपाया। क्या खाना, कैसे खाना, कैसे पहनना, बैंक बैलेंस कितना है, सिर्फ इन्ही बातों की चिंता की या कभी यह भी सोचा है कि इस दुनिया में सदा के लिए रहना नही है और जो भी हमने पाया वो सब छुट जाने वाला है।

अतः इन सारी चीजों के सदुपयोग का पुरुषार्थ कर लेना चाहिए। इस अवसर पर संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़, दलिचंद कवाड़, गौतम खिवेसरा, मीना भंसाली, नीतु बागरेचा, रिंकी जैन आदि सदस्य उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर दादागुरुदेव की पूजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों द्वारा मुनिराज श्री मलयप्रभ सागर जी की पावन निश्रा में श्री जिनकुशल सूरि जैन आराधना भवन बसवंगुड़ी के पावन प्रांगण में गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर दादागुरुदेव की पूजा विधि विधान के साथ की गई। लाभार्थी प्रेमलता देवी, सज्जनसिंह खटोड़ परिवार के सौजन्य से पूजा हुई। पूजन में लाभार्थी परिवार सहित बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु उपस्थित थी। परिषद की अध्यक्ष आरती जैन ने पूजन में पधारे सभी भाग्यशालियों एवं लाभार्थी परिवार का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। यह जानकारी परमेश्वरी संखलेचा ने दी।

सरकार मध्याह्न भोजन कर्मियों को सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में एकमुश्त राशि देने के लिए तैयार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक सरकार ने राज्य भर में 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होने वाले मध्याह्न भोजन कर्मियों को न्यूनतम 15 वर्ष तक काम करने के बाद 40,000 रुपये की एकमुश्त राशि प्रदान करने का निर्णय लिया है। पांच वर्ष से अधिक लेकिन 15 वर्ष से कम समय तक काम करने वालों के लिए यह राशि 30,000 रुपये होगी। सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में मध्याह्न भोजन कर्मी लंबे समय से सेवानिवृत्ति लाभ की मांग कर रहे हैं। वित्त विभाग ने सरकार के प्रस्ताव की जांच करने के बाद 16 जुलाई को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना (मध्याह्न भोजन योजना) के तहत नियुक्त मध्याह्न भोजन कर्मियों को एकमुश्त राशि के भुगतान पर सहमति व्यक्त की है। वित्त विभाग

के अवर सचिव प्रजीत के.एम. नांबियार ने आदेश में कहा कि मध्याह्न भोजन कर्मी, जिन्होंने कम से कम पांच वर्ष की सेवा पूरी नहीं की है, वे लाभ के हकदार नहीं होंगे। मिड-डे मील योजना के तहत राज्य भर के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में 1.19 लाख से अधिक कर्मचारी काम कर रहे हैं, जो नियमित रूप से 55 लाख से अधिक बच्चों को भोजन तैयार कर परोस रहे हैं। हालांकि, चूंकि मिड-डे मील कर्मचारी सरकारी कर्मचारी नहीं हैं, इसलिए उन्हें 60 साल की सेवा पूरी करने पर अब तक कोई सेवानिवृत्ति लाभ या ग्रेच्युटी नहीं मिली है। इसलिए, कर्मचारी कई वर्षों से 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्ति पर 1 लाख के भुगतान सहित अन्य लाभों की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। वे 16 जुलाई, 2024 से बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए थे। इसके बाद, राज्य सरकार ने सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में एकमुश्त राशि प्रदान करने का निर्णय लिया है। सरकार के इस कदम का मिड डे मील वर्कर्स ने स्वागत किया है। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीआईटीयू) की राज्य अध्यक्ष एस. वरलक्ष्मी ने कहा यह कई सालों के संघर्ष का नतीजा है। हम राज्य सरकार के इस फैसले का स्वागत करते हैं। देश में पहली बार मिड डे मील वर्कर्स को एकमुश्त राशि देने की व्यवस्था कर्नाटक में लागू की जा रही है। इससे कई गरीब महिलाओं को फायदा होगा।

गुरु पूर्णिमा पर गुरु प्रसादी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों ने मुनिराज श्री मलयप्रभ सागरजी एवं गुरुवर्या श्री प्रिय स्वर्णजनाश्री जी की पावन प्रेरणा से गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर दादागुरु देव इक्तीसा सामुहिक पाठ एवं गुरु प्रसादी का आयोजन श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर मागड़ी रोड में विधि विधान के साथ किया। युवा परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना ने सुमतिनाथ ट्रस्ट मंडल एवं लाभार्थी परिवार व सामूहिक गुरु इक्तीसा में पधारे सभी गुरुभक्तों का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। मंत्री विकाश खटोड़ ने बताया कि बसवनगुड़ी में चातुर्मास हेतु विराजित मुनिराज श्री मलयप्रभ सागर जी एवं गुरुवर्या श्री प्रिय स्वर्णजनाजी के सामुहिक दर्शन वंदन कर मंगल आशीर्वाद लिया गया।

कार्यक्रम की सम्पूर्ण व्यवस्था विकाश पारख, हेमंत गोलेच्छा ने संभाली।

कोर्ट ने पीड़िता से विवाह के बाद एक व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो मामला किया खारिज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक उच्च न्यायालय ने विवाह प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के बाद मैसूरु के एक 23 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को खारिज कर दिया है, जिसने कथित तौर पर 18 वर्षीय लड़की का यौन उत्पीड़न किया था, जब वह नाबालिग थी। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने जोर देकर कहा कि यदि आरोपी मामले के बंद होने के बाद लड़की और उनके बच्चे को छोड़ देता है तो यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) मामले को पुनर्जीवित किया जा सकता है। अदालत ने पहले पीड़िता के साथ विवाह (उसके 18 वर्ष की आयु

प्राप्त करने के बाद) की सुविधा के लिए आरोपी को अंतरिम जमानत दी थी, जिसमें उसे विवाह प्रमाण पत्र के साथ जेल लौटने की आवश्यकता थी। आरोपी ने इसका अनुपालन किया। अदालत ने फैसला सुनाया है कि कार्यवाही जारी रखने से माँ और बच्चे पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, जिससे सामाजिक कलंक लगेगा। यह घटना 2 फरवरी, 2023 को हुई, जब आरोपी स्कूल जाने वाली लड़की को एक सुनसान जगह पर ले गया और कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न किया।

लड़की ने बाद में अपने बच्चे को जन्म दिया। दोनों पक्षों - आरोपी और पीड़िता - ने अपने कानूनी प्रतिनिधियों के माध्यम से प्रस्तुत किया कि वे प्यार में थे, लेकिन माता-पिता के विरोध का सामना करना पड़ा। उन्होंने पीड़िता से शादी करने की आरोपी की इच्छा को ध्यान में रखते हुए कार्यवाही को बंद करने की मांग की थी। अदालत का फैसला बच्चे के जैविक माता-पिता की पुष्टि करने वाली डीएनए रिपोर्ट से भी प्रभावित था।

मंत्र दीक्षा कार्यक्रम आयोजित

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद् हासन द्वारा मंत्र दीक्षा कार्यक्रम तेरापंथ सभा भवन में रखा गया। नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। ज्ञानशाल प्रशिक्षिकाओं ने मंगलाचरण किया। युवक परिषद ने विजय गीत का संगान किया। युवक परिषद् के अध्यक्ष नितेश सुराणा ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन ममता कोठरी ने किया। ज्ञानशाला के बच्चों को मंत्रदीक्षा का संकल्प दिलाया एवं मंत्रों की परिभाषा, नवकार मंत्र की महिमा पर कहानी सुनाकर बच्चों को समझाया गया। साथ ही गुरु पूर्णिमा और 265वां तेरापंथ स्थापना दिवस भी मनाया गया। श्रावकों को श्रावक निष्ठा पत्र के नियमों का संकल्प दिलाया गया। अंत में युवक परिषद के मंत्री मनीष तातेड़ ने आभार व्यक्त किया। युवक परिषद् ने ज्ञानशाला के बच्चों में पुरस्कार का वितरण किया।

सीएम ने बारिश से क्षतिग्रस्त इलाकों का किया दौरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने रविवार को उत्तर कन्नड़ जिले के विभिन्न हिस्सों में बारिश से क्षतिग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण किया। बताया गया कि रविवार की छुट्टी के दिन भी सीएम बिना आराम किये जिले के दौरे पर निकल गये। पिछले दस दिनों से लगातार बारिश हो रही है और दक्षिण कन्नड़, उत्तर कन्नड़, उडुपी, मैसूरु, कोडागु समेत कई इलाकों में तूफानी मौसम बन गया है। विधानमंडल का सत्र चलने के कारण कैबिनेट मंत्री, विधायक और मुख्यमंत्री बेंगलूरु में ही रहे। इस बीच, उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला तालुक में शिरूर में भूस्खलन से भारी नुकसान हुआ है। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने यहां का दौरा किया। इसके बाद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया रविवार सुबह एक विशेष विमान से गोवा के लिए रवाना हुए और वहां से सड़क मार्ग से शिरूर का दौरा किया। बारिश के कारण पीड़ित परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त की। बाद में, उन्होंने जिला प्रशासन, नौसेना, कर्नाटक पावर जेनरेशन कॉरपोरेशन, नेशनल पावर जेनरेशन कॉरपोरेशन-कैगा के अधिकारियों के साथ बैठक की और राजमार्ग के निर्माण में खामियों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने स्वयं वहां का दौरा किया और एक बैठक की क्योंकि इस बात पर आपत्ति थी कि नौसेना और कैगा जैसे राष्ट्रीय संगठन राज्य सरकार के अधिकारियों, विधायकों और मंत्रियों की बातों को श्रेय नहीं दे रहे हैं।

केआरएस से पानी का बहाव 50,000 क्यूसेक तक बढ़ा, बाढ़ की चेतावनी जारी

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।
कावेरी नदी पर बने कृष्णराज सागर (केआरएस) बांध से पानी का बहाव 50,000 क्यूसेक तक बढ़ा दिया गया है, जबकि रविवार को जलाशय में पानी का बहाव 70,000 क्यूसेक के आसपास था। जलाशय का स्तर 122.70 फीट था, जबकि इसका पूर्ण स्तर 124.80 फीट है और आने वाले समय में इसके अधिकतम जलाशय स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है। इस बीच, कावेरी नीरवरी निगम लिमिटेड (सीएनएनएल) ने बाढ़ की चेतावनी जारी

करते हुए कहा है कि बहाव और बढ़ सकता है। जलाशय के निचले इलाकों और नदी के किनारे रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने और अपने जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए सभी एहतियाती उपाय करने की चेतावनी दी गई है। श्रीरंगपट्टन के विधायक रमेश बंदीसिद्देगौड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, मांड्या जिले के प्रभारी मंत्री एन. चेलुवयास्वामी और अन्य 27 जुलाई को केआरएस में पारंपरिक धन्यवाद ज्ञापन या बगिना पेश करेंगे। उन्होंने कहा बांध के प्रवाह की मौजूदा दर को देखते हुए तब तक 124.80 के एफआरएल तक पहुंचने की उम्मीद है। पिछले साल बगिना परंपरा को खत्म कर दिया गया था क्योंकि केआरएस अधिकतम स्तर तक नहीं पहुंचा था। पिछले साल इसी दिन जलाशय का स्तर 90.10 फीट था। जलाशय में वर्तमान भंडारण 49.45 टीएमसी फीट की सकल क्षमता के मुकाबले 46.56 टीएमसी फीट है। पिछले साल इसी दिन जलाशय का भंडारण 16 टीएमसी फीट था।

सरकार मृत है और लोगों की जरूरतों पर ध्यान देने के बजाय घोटालों में व्यस्त: आर अशोक

बारिश प्रभावितों को राहत देने के लिए सरकार पर निशाना साधा

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में विपक्षी भाजपा और जद (एस) ने रविवार को सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर भारी मानसून की बारिश के कारण राज्य के कई हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक और केंद्रीय मंत्री और जद (एस) नेता एच डी कुमारस्वामी ने रविवार को एक साथ जिलों में बारिश और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया, खासकर सकलेशपुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर। जहां अशोक ने दावा किया कि सरकार मृत है और लोगों की जरूरतों पर ध्यान देने के बजाय घोटालों में व्यस्त है, वहीं कुमारस्वामी ने मुख्यमंत्री और उनके कैबिनेट सहयोगियों द्वारा अब तक प्रभावित क्षेत्रों का दौरा न करने पर सवाल उठाया। जून से कर्नाटक में मानसून की बारिश सामान्य से 22 प्रतिशत अधिक रही है और बाढ़ और भूस्खलन का कारण बना है, खासकर राज्य के तटीय और मलनाड जिलों में। अशोक ने कहा इस साल अधिक बारिश के कारण भूस्खलन और विनाश की घटनाएं हुई हैं, यहां तक कि मौतें भी हुई हैं। सरकार को तत्काल राहत उपाय करने चाहिए थे, लेकिन लगता है कि वह अभी तक नहीं जागी है। पिछली बार (भाजपा शासन के दौरान) अगर घर जलमग्न हो गए थे तो तत्काल राहत के तौर पर 10,000 रुपये और क्षतिग्रस्त घरों के लिए 5 लाख रुपये दिए गए थे, मेरी जानकारी के अनुसार तत्काल राहत नहीं दी जा रही है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने मौजूदा सरकार से पिछली सरकार द्वारा दी गई राहत को जारी रखने का आग्रह किया। वास्तव में मूल्य वृद्धि और अन्य कारकों को देखते हुए और अधिक दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा पर्याप्त सुविधाओं के साथ देखभाल केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए, लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता। सरकार (स्थिति का जवाब देने में) देर कर रही है, मंत्रियों और मुख्यमंत्री को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि वह तेजी से काम करे, तत्काल राहत प्रदान करे और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आए। अशोक ने दावा किया कि सरकार घोटालों में फंसी हुई है और इससे बाहर नहीं आ पा रही है। उन्होंने कहा कि वे प्रभावित लोगों की मदद करने के बजाय इसी में व्यस्त हैं। राहत अभी भी प्रभावित लोगों तक नहीं पहुंची है। उन्होंने कहा केंद्र ने आपदा प्रबंधन के तहत जो देना था, दे दिया है, लेकिन राज्य सरकार को अपना हिस्सा जोड़कर इसे दोगुना करना होगा, जैसा कि पहले किया गया है। राज्य सरकार को भी बराबर अनुदान देना चाहिए। लेकिन ऐसा लगता है कि राज्य सरकार के खजाने में कोई पैसा नहीं है, ऐसा लगता है कि वह दिवालिया होने की कगार पर है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के कुमारस्वामी के प्रभावित क्षेत्रों के दौरे के बारे में कथित बयान पर निशाना साधते हुए - जिसमें कहा गया है कि यह अब काम का नहीं है, अशोक ने कहा पहले उन्हें (शिवकुमार) आने दें, वे आते नहीं हैं और केंद्रीय मंत्री के दौरे के बारे में नकारात्मक टिप्पणी करते हैं। राहत केंद्र द्वारा दी जा रही है, कुमारस्वामी को दौरा करने का पूरा अधिकार है, हम संघीय व्यवस्था में हैं। उन्होंने कहा यह सरकार जीवित नहीं है, यह मर चुकी है। यह घोटालों में डूबी हुई है, लोग देख रहे हैं। पहले वे दिखाएं कि सरकार जीवित है। जेडीएस नेता और केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि एक तरफ बारिश के कारण बांधों के भर जाने से कुछ राहत मिली है, लेकिन इससे जान-माल को जो नुकसान हुआ है, वह दुखद है और राज्य सरकार को तुरंत कार्रवाई कर राहत पहुंचानी चाहिए। उन्होंने कहा मैं कर्नाटक सरकार से कहना चाहता हूं कि राज्य के मंत्रियों को मौके पर जाकर निरीक्षण करना चाहिए, प्रभावित लोगों में विश्वास पैदा करना सरकार का कर्तव्य है। शिवकुमार के अपने दौरे पर दिए गए कथित बयानों और बचाव एवं राहत कार्य के लिए उन्हें (कुमारस्वामी को) सेना बुलानी चाहिए, पर कटाक्ष करते हुए पूर्व सीएम ने कहा संभवतः उन्होंने अपनी सरकार के तहत राज्य में हो रहे घोटाले और लूट को रोकने के लिए सेना मांगी है। एनडीआरएफ यहां काम कर रही है, यह किसके अधीन आती है? शिवकुमार सुझाव दे रहे हैं कि कुमारस्वामी को राज्य में नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा हो सकता है, अगर मैं कर्नाटक आऊं तो उनके हाथ-पैर कांपने लगें। कुमारस्वामी ने कहा कि वह केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैज्ञानिक कार्य के कारण हुए विनाश के बारे में चर्चा करेंगे, जिसके कारण भूस्खलन हुआ है। यदि संभव हुआ तो वह मौके पर जाकर निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति और अधिक नुकसान से बचने के लिए वैज्ञानिक तरीके से कार्य किया जाना चाहिए।

भूस्खलन में जान गंवाने वाले परिवारों के साथ खड़ा होना चाहिए

इससे पहले कुमारस्वामी ने कारवार जिले के अंकोला में उस स्थान का दौरा कर निरीक्षण किया था जहां राष्ट्रीय राजमार्ग पर शिरूर गांव के पास पहाड़ी गिरने से सात लोगों की मौत हो गई थी। केंद्रीय मंत्री शनिवार सुबह दिल्ली से हुब्बल्ली होते हुए सड़क मार्ग से शिरूर गुड्डा पहुंचे और जिला कलेक्टर और अन्य अधिकारियों से हादसे के बारे में जानकारी ली। मंत्री ने अधिकारियों से पहाड़ी ढहने, राहत कार्य, प्रभावितों को सहायता, हाईवे पर कीचड़ हटाने, गंगावली नदी में बाढ़ और बारिश की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मिट्टी निकासी एवं अन्य सुधारात्मक कार्यों के संबंध में जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा किये गये उपायों पर संतोष व्यक्त किया। केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार को भूस्खलन में जान गंवाने वाले परिवारों के साथ खड़ा होना चाहिए। राहत कार्य में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। केंद्र सरकार राहत कार्य में जुटी हुई है। राज्य सरकार को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। राजनीति बेकार है। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को बड़ी मात्रा में मुआवजा दिया जाना चाहिए और जिन लोगों ने अपना घर खो दिया है उन्हें दोबारा आवास मुहैया कराया जाना चाहिए। यह बेहद दर्दनाक है कि इस त्रासदी में एक ही परिवार के पांच, दो और लोगों की जान चली गई।

आरएसएस शिक्षा व्यवस्था में सड़ांध पैदा कर रहा: प्रियांक खड़गे

सीयूके में हिंदू संगठन की बैठक की निंदा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मंत्री और कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने रविवार को कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूके) में हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की बैठक पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे भगवाकरण का प्रयास बताया, जिससे देश में शिक्षा व्यवस्था बिगड़ रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खड़गे ने लिखा कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना मल्लिकार्जुन खड़गे ने कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के छात्रों की शैक्षिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए की थी। हालांकि, गुणवत्ता-पूर्ण शिक्षा प्रदान करने के बजाय, सीयूके आरएसएस शाखा में बदल गया है। खड़गे ने बैठक का वीडियो ट्वीट करते हुए कहा इस पर रोक लगाने की सख्त जरूरत है। पिछले एक दशक में सरकारी संस्थानों में प्रचारकों की घुसपैठ व्यापक रही है, जिससे व्यवस्था पूरी तरह से खराब और सड़ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह बैठक 18 जुलाई को हुई लेकिन बाद में प्रकाश में आई। इस बैठक में लगभग 100 छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया था। उप-स्थित लोगों में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार आर आर बिरादर, संपर्क अधिकारी बसवराज एम सोमनमराडी और संकाय सदस्य बसवराज डोनूर, वेंकटरमण डोडी और रोहिनाक्ष शिरलालू आदि शामिल थे। विश्वविद्यालय के बाहर से भी कुछ आरएसएस पदाधिकारी इस बैठक में शामिल हुए। सोशल मीडिया पर चल रही इस बैठक का एक वीडियो, जिसमें बैठक में शामिल संकाय सदस्य और छात्र नमस्ते सदा वत्सले गाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो देश भर में आरएसएस शाख-ाओं में नियमित रूप से गाया जाने वाला एक गान है। जहां कुछ प्रतिभागियों ने कहा कि सितंबर में आरएसएस के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में यह बैठक आयोजित की गई थी, वहीं अन्य ने इस बैठक को निंदनीय बताया। हालांकि, सीयूके के कुलपति बट्टू सत्यनारायण ने बैठक की अनुमति देने के फैसले को उचित ठहराते हुए कहा, सीयूके में अलग-अलग विचारधारा वाले छात्र और संकाय सदस्य हैं। हम कुछ को अनुमति नहीं दे सकते और दूसरों को कार्यक्रम आयोजित करने का अवसर नहीं दे सकते। हमने एससी-एसटी कर्मचारी संघ को बैठक करने की अनुमति दी। हमने बिहार के छात्रों को बिहारी दिवस मनाने की अनुमति दी। हमने इसी तरह की बैठक की अनुमति दी। बैठक में कोई बाहरी व्यक्ति नहीं था। बैठक में केवल सीयूके के संकाय सदस्य और छात्र ही शामिल हुए। आरएसएस प्रतिबंधित संगठन नहीं है। मेरा ध्यान शैक्षणिक गतिविधियों और विश्वविद्यालय में शिक्षण और शोध के उच्च मानक को बनाए रखने पर है। मैं इन चीजों से विचलित नहीं होता।

सड़क संपर्क टूट जाने के कारण

ग्रामीणों ने बीमार महिला को 10 किमी तक पैदल चलाया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

खानपुर तालुक के भीमगढ़ वन क्षेत्र के आमागांव गांव के निवासियों ने एक बीमार महिला को इलाज के लिए 10 किलोमीटर तक पैदल चलाया ताकि उसका इलाज खानपुर में कराया जा सके।

घने जंगल से घिरा यह गांव हर मानसून में भारी बारिश के कारण सड़क संपर्क खो देता है। शुक्रवार को 38 वर्षीय हर्षदा हरिश्चंद्र घाडी ने दिल में दर्द और चक्कर आने की शिकायत की। सड़क संपर्क टूट जाने के कारण गांव में रहने वाले एक शिक्षक ने 108 एंबुलेंस को फोन किया और उन्हें नदी किनारे इंतजार करने को कहा। इसके बाद गांव के 20 से अधिक निवासियों ने बारी-बारी से बीमार महिला को लकड़ी के स्ट्रेचर पर लगभग 10 किलोमीटर तक उस स्थान तक पहुंचाया जहां एंबुलेंस इंतजार कर रही थी। इसके बाद महिला को एंबुलेंस में खानपुर के तालुक अस्पताल ले जाया गया। हालांकि उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसे तुरंत आगे के इलाज के लिए बेलगावी जिला अस्पताल भेज दिया गया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

मैं विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर प्रभावित लोगों को मुआवजा प्रदान करूंगी: मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले की प्रभारी मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और समुद्री कटाव से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर पीड़ितों में हर संभव मदद का भरोसा जगाया। लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा मैं विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करूंगी और प्रभावित लोगों को मुआवजा प्रदान करूंगी। बाढ़ के बावजूद उडुपी न जाने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा मैं उडुपी में घर बनाने और रहने के लिए तैयार हूं, लेकिन मेरे पास कई जिम्मेदारियां हैं। विधानसभा का सत्र चल रहा है। हालांकि रविवार को छुट्टी है, लेकिन मैं जिले का दौरा करने आई हूं। जब भी जरूरत होगी, मैं उडुपी आऊंगी। सरकार और जिला प्रशासन सतर्क है। हमने जानमाल के नुकसान को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाए हैं। पच्चीस दिन पहले जिला स्तरीय बैठक हुई थी।

वन विभाग को निर्देश दिए गए थे। 500 से 600 से अधिक पेड़ काटे गए हैं। बैठक से पहले मेस्कॉम को स्कूलों के पास से तार हटाने के निर्देश दिए गए थे। उडुपी शहर में बंद नालों की सफाई कर दी गई है। प्रशासन ने पैदल पुलों के कारण किसी तरह की परेशानी न हो, इसका ध्यान रखा है। जिला प्रशासन ने हेल्पलाइन भी शुरू कर दी है। समुद्र कटाव के लिए 5 करोड़ रुपए का अनुदान जारी न किए जाने के सवाल पर लक्ष्मी ने कहा पुराने बकाया को चुकाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। तत्काल राहत के लिए 5 करोड़ रुपए मांगे गए हैं। जल्द ही यह जारी कर दिया जाएगा। मुआवजे में भेदभाव के विषय पर मंत्री ने कहा बारिश से हुए नुकसान की मुआवजा राशि को लेकर कुछ संशय है। पिछले साल हमने पूरी तरह से नष्ट हो चुके घरों के लिए 5 लाख रुपए दिए थे। इस साल अभी तक कोई स्पष्टता नहीं है। मैं कोई अव्यवस्था नहीं फैलाऊंगा। मानसून आए कितने दिन हो गए हैं? मैं इस मामले में सरकार के स्तर पर स्पष्टीकरण प्राप्त करूंगी और आपको सूचित करूंगी। हम भाजपा को जवाब देने में सक्षम हैं। सिद्धरामैया एक सक्षम नेता हैं और भाजपा नेता हताश हैं, इसलिए वे कुछ भी कहते रहते हैं। कोटा श्रीनिवास पुजारी के पत्र के बारे में हेब्बालकर ने कहा इस प्रश्न का उत्तर आपको स्वयं सीएम से लेना होगा।

उन्होंने सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी का नाम उद्धृत किया है। सिद्धरामैया ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो राजनीतिक लाभ के लिए बयान देते हैं। वे एक जिम्मेदार पद पर हैं। उन्होंने 15 बार बजट पेश किया है। वे राजनीतिक कारणों से किसी पर आरोप नहीं लगाएंगे। वे तभी आरोप लगाते हैं जब उनके पास वास्तविक सबूत होते हैं। वे सही जवाब देंगे। मंत्री के साथ उडुपी की डिप्टी कमिश्नर डॉ. विद्या कुमारी और अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद थे।

हेब्बालकर ने दूर से सोमेश्वर पहाड़ी के भूस्खलन का किया निरीक्षण, जिससे ग्रामीण भड़क गए

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी प्रभारी मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने रविवार को पहाड़ी के तल पर एकत्र हुए ग्रामीणों से सीधे बातचीत किए बिना दूर से भूस्खलन का निरीक्षण किया। उडुपी जिले में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे के दौरान लक्ष्मी हेब्बालकर ने सोमेश्वर पहाड़ी पर हाल ही में हुए भूस्खलन के स्थल का निरीक्षण करने के लिए बिंदूर का दौरा किया। लक्ष्मी हेब्बालकर ने तटीय क्षेत्र से पहाड़ी का निरीक्षण किया, जिससे स्थानीय निवासियों में निराशा फैल गई। ग्रामीणों ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए सवाल किया कि क्या वे पहाड़ी देखने आए थी या पास के समुद्र तट मंदिर में दर्शन करने आई थी। सोमेश्वर पहाड़ी पर भूस्खलन पिछले चार दिनों से हो रहा है, कथित तौर पर एक निजी रिसॉर्ट के निर्माण के कारण अस्थिरता पैदा हो रही है। ग्रामीण चल रहे भूस्खलन को रोकने और आगे के नुकसान को रोकने के लिए तत्काल समाधान की मांग कर रहे हैं।

कुमारस्वामी कन्नड़ लोगों के पक्ष में नहीं हैं: कांग्रेस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस ने रविवार को कावेरी जल विवाद पर बैठक में शामिल न होने के लिए जेडीएस प्रमुख एच डी कुमारस्वामी की आल-ोचना की और आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री को कन्नड़ लोगों की कोई परवाह नहीं है। कांग्रेस ने एक्स पर कन्नड़ में एक पोस्ट में लिखा क्या यह उम्मीद करना संभव है कि कुमारस्वामी जो अपने घर से बाहर नहीं निकले, लोगों की समस्याओं को नहीं सुना, लोगों के दर्द को नहीं छुआ, वे राज्य और राज्य के लोगों का भला करेंगे? कावेरी मुद्दे पर बैठक में अनुपस्थित रहने वाले कुमारस्वामी कन्नड़ लोगों के पक्ष में नहीं हैं। इससे पहले कुमारस्वामी ने कांग्रेस पर राज्य की पिछली भाजपा सरकार पर कई घोटालों का आरोप लगाकर अपनी विफलताओं को छिपाने का प्रयास करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा सिद्धरामैया अब कह रहे हैं कि 2010 से भाजपा शासन में घोटाले हुए हैं, लेकिन सत्ता में रहते हुए उन्होंने जांच के आदेश क्यों नहीं दिए। अगर कोई मंत्री महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम घोटाले में शामिल नहीं था, तो उसका नाम एक अधिकारी की मौत की सूचना में क्यों लिखा गया? सीएम को इतना गैरजिम्मेदार नहीं होना चाहिए। अपनी कमजोरी के कारण इस सरकार ने अधिकारियों पर भी नियंत्रण खो दिया है। कुमारस्वामी ने कहा कि इस सरकार के तहत अनियमितताओं के कारण, सिद्धरामैया ने अपनी नैतिक प्रतिष्ठा खो दी है और वह जनता के सामने अपना चेहरा दिखाने की स्थिति में नहीं हैं। एचडीके और कांग्रेस के बीच यह बहस ऐसे समय में हुई है जब राज्य सरकार राज्य में घोटालों को लेकर विभिन्न हलकों से आलोचनाओं का सामना कर रही है।

परिवहन विभाग की चेतावनी

बस चालक रील्स बनाते पाए गए तो होगी कार्रवाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

परिवहन विभाग ने चेतावनी जारी की है कि यदि परिवहन बसों के चालक या परिचालक अनावश्यक रूप से मोबाइल फोन और रील का उपयोग करते हैं तो उन्हें सेवा से निलंबित कर दिया जाएगा। केएसआरटीसी, बीएमटीसी, नॉर्थ वेस्टर्न ट्रांसपोर्ट, कल्याण ट्रांसपोर्ट कॉम्प्लेक्स के कर्मचारियों ने हाल ही में प्रसिद्धि के लिए रीलें बनाई हैं। केएसअ-ारटीसी के एक ड्राइवर ने बारिश

होने के दौरान छाता पकड़कर बस चलाई और रीलों का फिल्मांकन किया। इस वीडियो को लेकर विपक्ष के नेताओं ने सरकार पर हमला बोला था। सत्ता में आने के बाद से सिद्धरामैया सरकार पंचखत्री परियोजनाओं पर काफी पैसा खर्च कर रही है। परिवहन सहित अन्य नागरिक सुविधाएं उपेक्षित हैं। उन्होंने शिकायत की कि बसें लीक कर रही हैं। इस बारे में चेतावनी दिए जाने के बाद भी कई ड्राइवरों ने गाड़ी चलाते समय रील बनाई। हीरोगिरी दिखाने वाले चालक-परिचालकों की मनमर्जी से यात्री भयभीत रहते हैं। इस संबंध में कई शिकायतें और आपत्तियां प्रस्तुत की गईं। इसे गंभीरता से लेते हुए परिवहन विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि परिवहन एजेंसी के कर्मचारी ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग और अवांछित रील्स करते पाए गए तो आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रबल पराक्रम के पुरोधा थे आचार्य श्री भिक्षु: साध्वी उदितयशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वी उदितयशाजी के सानिध्य में तेरापंथ स्थापना दिवस का आयोजन तथा अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में मंत्र दीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम से पूर्व साध्वीजी के मंगल पाठ से अनुशासन रैली का आयोजन किया गया। यह रैली जैन धर्म, तेरापंथ धर्म एवं आचार्य भिक्षु से महाश्रमणजी के अवदानों का उदघोष करती हुई फ्रीडम पार्क, गांधीनगर मुख्य चौराहे होते हुए पुनः गांधीनगर तेरापंथ भवन में पहुंची। जिसमें ज्ञानशाला के साथ सम्पूर्ण तेरापंथ श्रावक समाज की सहभागिता रही। साध्वी संगीतप्रभाजी, भव्ययशाजी एवं शिक्षाप्रभाजी ने सुमधुर गीत का संगान किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रज्ञा संगीत सुधा के मंगलाचरण से हुई। बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। साध्वी उदितयशाजी ने कहा आचार्य भिक्षु एक महान साधक व सत्य के पूजारी थे। उनका नाम स्वयं एक मंत्र बन गया। भूलने वाले को भी अमर नाम याद हैं। हम सभी उनके सिद्धांतों पर अमल करें। आपने ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों को नमस्कार महामंत्र का महत्व बताते हुए उनको मंत्र दीक्षा प्रदान की तथा कुछ अमूल्य संकल्प प्रदान किए। अभिभावकों को आह्वान किया कि वह अपने बच्चों को ज्ञानशाला में अवश्य भेजें और प्रशिक्षकों के श्रम को सार्थक करें। ज्ञानशाला के 400 बच्चों ने उत्साह से कार्यक्रम में भाग लिया। मंत्र दीक्षा कार्यक्रम के प्रायोजक प्रकाश कुंडलिया तथा सुरेश कोठारी का परिषद द्वारा अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन तेयुप मंत्री राकेश चोरड़िया ने किया तथा सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने आगामी कार्यक्रमों की सूचना दी। मंत्र दीक्षा का सफल संयोजन एवं सबका आभार मनोज पोखरना ने व्यक्त किया।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुदेव की पूजा और भक्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा पर्व पर गुरुदेव के प्रति अटूट श्रद्धा और समर्पण का भाव झलका। पूज्य मुनिराज मलयप्रभ सागर जी और साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अखिल भारतीय खरतर-गच्छ महिला परिषद् द्वारा पढाई गई गुरुदेव की पूजा के दौरान बहुत ही सुन्दर भक्ति गीतों से उपस्थित जनसमूह को मंत्र मुग्ध कर दिया। अनेकों श्रद्धालु भक्ति से सराबोर होकर गुरुदेव के प्रति समर्पण भाव से भाव विह्वल होकर गुरुदेव के समक्ष नृत्य करने लगे। इसके पूर्व प्रवचन में मुनिराज ने कहा कि गुरु हमें नॉलेज के साथ विस्डम (प्रज्ञा) तक की यात्रा करवाते हैं। जब व्यक्ति को ज्ञान के साथ बुद्धि विवेक की प्राप्ति होती है तो वह विनय की प्रतिमूर्ति बन जाता है। हमारी आत्मा की विकास यात्रा अभी तक जारी है, क्योंकि अभी तक हम जड पुद्गल पदार्थों में उलझे हुए हैं और उन्हीं जड़ पदार्थों से हमें बाहर निकालने का कार्य सद्गुरु करते हैं। जैन दर्शन पूर्णतः अहिंसा वादी है, लेकिन देव गुरु और धर्म पर आंच भी नहीं आनी चाहिए। गुरु दूज के बढ़ते हुए चांद के जैसे होते हैं जो निरंतर स्वयं बढ़ते हुए अपने शिष्यों को भी बढ़ाते रहते हैं। गुरु के ऊपर अटूटश्रद्धा और समर्पण की परिकाष्ठा से ही चमत्कार घटित होते हैं। जिस तरह हम सभी का फैमिली डॉक्टर होता हि, उसी तरह हमारे एक फैमिली गुरु भी होने चाहिए, जो हमें संसार की हर तकलीफ से बाहर निकाल सके। साध्वी सूत्रांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि महावीर, बुद्ध, राम और कृष्ण की जन्मभूमि विश्वगुरु भारत की संस्कृति में गुरु को सर्वोच्च स्थान दिया है। गुरु ही हमारे जीवन में अज्ञानता को दूर करने वाले होते हैं। गुरु हमें जीवन की राह दिखाते हैं, और हमारे जीवन से अज्ञान के अंधकार को मिटाते हैं। हमारी आत्मा के रोग, कषायों को दूर करने के लिए गुरु ही मार्ग दिखाते हैं। हमारे जीवन में जब तक कोई सच्चे गुरु नहीं होते हैं तब तक सही मायनों में हमारा जीवन शुरू नहीं होता है। गुरु के स्वयं का जीवन तो रोशनीमय होता है वैसे ही शिष्य का जीवन भी गुरु उज्जवल बनाते हैं। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अर्पिता चोपड़ा, श्वेता बोहरा, मधु कवाड़, सरिता पारख, तेजस छाजेड़ और पंकज बाफना ने गुरु के प्रति अपने समर्पण भाव प्रस्तुत किए।

नमस्कार मंत्र प्रभावी एवं शक्तिशाली मंत्र: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विजयनगर स्थित अर्हम भवन में रविवार को अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्व-ावधान में आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी सिद्ध प्रभा जी के सान्निध्य में मंत्र दीक्षा कार्यशाला का आयोजन तेयुप विजयनगर और आरआर नगर ने संयुक्त रूप से किया। साध्वी सिद्ध प्रभा जी ने 9 वर्ष में प्रवेश कर रहे ज्ञानार्थी बच्चों को मंत्र दीक्षा का संकल्प करवाया। साध्वी ने सरलता से नमस्कार महामंत्र की महिमा पर प्रवचन देते हुए बताया कि नमस्कार महामंत्र में सद्गुणों को वंदन किया गया है। नमस्कार महामंत्र महाचमत्कारी मंत्र है। मंत्र दीक्षा ले रहे सभी को 21 बार रोज जप करने का संकल्प करवाया। संस्कारित जीवन जीने के लिए मंत्र दीक्षा के अन्य संकल्प भी करवाए और समझाएं। साध्वी जी ने उपस्थित सभी अभिभावक जन से अपने बच्चों को संस्कारित करने के लिए ज्ञानशाला भेजने के लिए प्रेरित किया। साध्वी सिद्ध प्रभा जी ने तेरापंथ स्थापना दिवस पर आचार्य भिक्षु के सिद्धांतों पर विचार रखें। साध्वी मलय यशा जी, साध्वी आस्था प्रभा जी, दीक्षा प्रभा जी ने गीत का संगान किया।

265वें तेरापंथ स्थापना दिवस पर सभा द्वारा रैली का आयोजन किया गया। रैली आरपीसी लेआउट स्थित 87 बस स्टैंड से प्रारंभ होकर अर्हम भवन पहुंच कर सभा में परिवर्तित हो गई। अर्हम भवन में कार्यक्रम की शुरुआत साध्वी द्वारा नमस्कार मंत्र के सामुहिक उच्चारण से हुई। इसके पश्चात विजय स्वर संगम और तुलसी संगीत सुधा ने विजय गीत का संगान किया। ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया।

श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन अणुव्रत विश्व भारती के संगठन मंत्री राजेश चावत ने किया। तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, आरआर नगर अध्यक्ष बिकास छाजेड़ ने स्वागत अभिनंदन किया। ज्ञानशाला आंचलिक प्रभारी माणक संचेती ने शुभकामना प्रेषित की। विजयनगर, कामाक्षीपाल्या, डिविनीटी, आरआर नगर, केंगेरी ज्ञानशाला के बच्चों ने रोचक प्रस्तुति दी। नवकार मंत्र पर आधारित गीत का बच्चों ने सामुहिक रूप से संगान किया। इस अवसर पर अभातेयुप परामर्शक और पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया, अभातेयुप परिवार, विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, आरआर नगर सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़, विजयनगर महिलामंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, आरआर नगर अध्यक्षा सुमन पटावरी, तेयुप विजयनगर निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा, उपाध्यक्ष विकास बांठिया, अशोक मारू, सह मंत्री पवन बैद, कमलेश दक, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, आरआर नगर सहमंत्री सरल पटावरी, संगठन मंत्री संदीप बैद, निवर्तमान अध्यक्ष विकास छाजेड़, समेत अन्य लोग मौजूद थे।

गुरु का कर्ज चुकाना असंभव : राजेश मुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शांतिनगर स्थानक में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्री राजेश मुनि ने विशेष प्रवचन में कहा कि व्यक्ति को एक मां संसार में लाती है, ताकि हम अपने जीवन को संवार सकें और दूसरी मां प्रवचन मां है, जो हमें संसार सागर से पार कर सिद्ध, बुद्ध और मुक्त बनाने वाली होती है। यह गुरु के माध्यम से ही होता है। हम अपने जीवन की डोर अगर सद्गुरु के हाथ सौंप दें तो हमें हीरे सा तराशकर सबसे ऊंचे सिद्ध अवस्था में पहुंचा सकते हैं। इसके लिए पूर्ण समर्पण और श्रद्धा चाहिए। इस लिए तो संसार में लाने वाली मां, संसार के कार्य क्षेत्र में कार्य सिखाने वाले गुरु और अंत में संसार सागर से पार करवाने वाले गुरु का कर्जा हम मरते दम तक चुका नहीं सकते। हम अपनी चमड़ी से जूते बनाकर भी क्यों ना पहना दें, इनका कर्ज चुकाना संभव नहीं है। जीवन में गुरु का अत्यंत महत्व होता है। जब हम सच्चे शिष्य बनने में सफल होंगे तभी हम एक सच्चे गुरु बन सकते है। पहले हमें पूर्ण अभिमान, रहित बनकर पूर्ण समर्पण के साथ सच्चा शिष्य बनना है। अतः हमें अपने अभिमान, अहंकार को गुरु की झोली में डाल देना है तो हमारी झोली स्वतः सर्वगुणों से भर जाएगी। मुनि ने कहा कि अहिंसा, संयम और तप ही सबसे बड़ा धर्म है। प्रत्येक श्रद्धालु को गुरु के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित होने का आहवान किया।

मोतिहारी में महिला सिपाही ने मेजर के ऊपर लगाए गंभीर आरोप

महिला डीएसपी करेंगी मामले की जांच

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतिहारी में एक महिला सिपाही ने अपने ही डिपार्टमेंट के डीएसपी पर मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया है। महिला सिपाही पूनम कुमारी ने आरोप लगाया कि मोतिहारी के पुलिस लाइन में उसकी पिटाई की गई है, जिससे वह जख्मी हो गई है। महिला सिपाही ने पुलिस लाइन के मेजर सहित अन्य पर पिटाई करने का आरोप लगाया है।

मोतिहारी सदर अस्पताल में इलाज कराने आई महिला सिपाही के अनुसार उसका वेतन भी 2021 से बंद है। इसको लेकर कल पुलिस लाइन के मेजर का फोन आया था, जिसमें उन्होंने हमें पुलिस लाइन बुलाया। वहीं, पुलिस लाइन में मेजर के पास मौजूद सिपाही समेत सभी ने मेरे ऊपर लात-घूंसों से हमला कर दिया। महिला सिपाही ने आरोप लगाया कि मेजर समेत सबने मिलकर जान से मारने की साजिश की थी। और बाद में बोलते कि महिला सिपाही ने खुदकुशी कर ली है।

बहरहाल, महिला सिपाही के आरोप को लेकर नगर थाने में एक सनहा दर्ज हुआ है। महिला सिपाही के पिटाई मामले को लेकर एसपी ने महिला डीएसपी को जांच करने का जिम्मा दिया है। वहीं, पुलिस लाइन के मेजर ने बताया कि महिला सिपाही का वेतन जारी हो चुका है। महिला सिपाही ड्यूटी नहीं करना चाहती है और हमेशा ऊल-जलूल के आरोप लगाती रहती है। घटना की सच्चाई पुलिस लाइन के सीसीटीवी कैमरे में कैद है। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखने के बाद ही मामले की सही जानकारी हो पाएगी।

चिराग पासवान ने नीतीश सरकार से पूछा

बिहारी इतना आगे है तो बिहार इतना पीछे क्यों

हाजीपुर (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने बिहार सरकार से अपराध और हाल ही में पुल ढहने की घटनाओं के मामलों पर सवाल उठाते हुए सख्त कार्रवाई करके मिसाल कायम करने को कहा है। उन्होंने कहा कि राज्य को विकास की सीढ़ी पर आगे बढ़ने के लिए एक विजन (नजरिये) की जरूरत है। कभी बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू अध्यक्ष (नीतीश कुमार) के तीखे आलोचक रहे पासवान ने कहा कि सत्तारूढ़ राजग अगला विधानसभा चुनाव नीतीश के नेतृत्व में लड़ेगा। लेकिन उन्होंने कई ऐसे मुद्दे उठाए, जिनके कारण राज्य का विकास बाधित हुआ है। बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 के अंत में होने हैं।

चिराग पासवान ने कहा कि बिहारी इतना आगे है तो बिहार इतना पीछे क्यों है? हमें इस सवाल का जवाब तलाशने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि किस तरह से राज्य के लोग अलग-अलग क्षेत्रों में, सरकारी

नौकरियों से लेकर निजी क्षेत्र में, पलायन के बाद अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समस्या यह है कि एक विजन होना चाहिए और उसे लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य से पलायन को रोकने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

23 जुलाई को केंद्रीय बजट पेश किए जाने से पहले पासवान ने कहा कि वह बिहार के लिए विशेष श्रेणी के दर्जे की मांग का समर्थन करते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि नीति आयोग की सिफारिशें मांग को स्वीकार करने के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि राज्य को विशेष पैकेज जैसा विकल्प दिया जाना चाहिए।

हाल के महीनों में बिहार में लगभग 15 पुलों के ढहने के मामले पर भी पासवान ने अपनी प्रतिक्रिया दी। दरअसल, पुल गिरने-ढहने के मामले ने विकास कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए और राज्य को सोशल मीडिया पर चुटकुलों और मीम्स का केंद्र बना दिया। इसे लेकर चिराग पासवान ने कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है। उन्होंने कहा कि इससे निश्चित रूप से पता चलता है कि कहीं न कहीं भ्रष्टाचार हुआ है। समझौते किए गए। मैं इस राजनीति में नहीं पड़ना चाहता कि उस समय सरकार में कौन था। हम अब सरकार में हैं। यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि यह फिर न हो। जो भी जिम्मेदार है, उसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और दंडित किया जाना चाहिए ताकि भविष्य के लिए एक मिसाल कायम हो।

नीतीश कुमार पर उनके रुख में आए बदलाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अगर वह गठबंधन का हिस्सा हैं, तो उन्हें पूरे दिल से वहां रहना चाहिए। पासवान ने कहा कि मैं गठबंधन का हिस्सा नहीं हो सकता और मुझे आशंकाएं भी हैं, क्योंकि इससे गठबंधन को नुकसान हो सकता था और हमारा प्रदर्शन प्रभावित हो सकता था। एनडीए ने राज्य की 40 लोकसभा सीटों में से 30 पर जीत हासिल की, जिसमें पासवान की पार्टी ने सभी पांच सीटों पर जीत हासिल करके 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट हासिल किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार ने पिछली राजद सरकारों के तहत राज्य को चलाने के तरीके की तुलना में 'वास्तव में अच्छा' प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि हमेशा सुधार की गुंजाइश होती है।

वहीं, चिराग ने कहा कि अपराध दर पर अंकुश लगाने से राज्य में पर्यटन, खासकर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है, क्योंकि लोगों को बिहार आने से पहले सुरक्षित महसूस करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भगवान राम की पत्नी सीता के लिए सीतामढ़ी में एक भव्य मंदिर और शहर को अयोध्या (जहां श्रद्धालुओं का मानना है कि उनका जन्म हुआ था) से जोड़ना पर्यटन को बहुत बढ़ावा दे सकता है।इसके इतर चिराग पासवान ने बिहार के शहरों में शिक्षा के बुनियादी ढांचे की कमी पर अफसोस जताया। उन्होंने कहा कि राज्य के बड़ी संख्या में छात्र कोटा के कोचिंग सेंटरों में दाखिला लेते हैं, जिनमें से कई बिहारियों के स्वामित्व में हैं। पासवान ने कहा कि वहां काफी संख्या में शिक्षक भी बिहार से हैं। उन्होंने आश्चर्य जताया कि ऐसा मॉडल पटना, मुजफ्फरपुर या भागलपुर में क्यों नहीं दोहराया जा सकता। इसके साथ ही हाजीपुर के सांसद ने नदियों को आपस में जोड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य नियमित रूप से सूखे और बाढ़ से पीड़ित रहता है।

फोरलेन पर बीडीओ की गाड़ी सहित चार अन्य वाहनों का हुआ एक्सीडेंट

पटना (एजेंसियां)।

पटना में प्रखंड विकास पदाधिकारी की गाड़ी सहित चार अन्य वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गये। इस घटना में प्रखंड विकास पदाधिकारी और उनकी पत्नी चोटिल हो गई।

घटना मोकामा थाना क्षेत्र के पटना-मोकामा फोरलेन की है। बीडीओ की पहचान बलिया अनुमंडल क्षेत्र के अंतर्गत डंडारी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत कुमार के रूप में हुई है।

घटना के संबंध में प्रशांत कुमार ने बताया कि वह प्रशिक्षण के लिए सपरिवार पटना गए हुए थे। शनिवार की रात को वह वापस लौट रहे थे। तभी मोकामा के पास मोकामा फोरलेन पर सड़क निर्माण कार्य के लिए सड़क पर ही मिटटी का ढेर रखा था, जिसे वह अँधेरा होने के कारण नहीं देख सके। और इसी क्रम में उनकी गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। उन्होंने बताया कि उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन अच्छी बात यह रही कि उस कार में सवार प्रशांत कुमार एवं उनकी पत्नी और अन्य सभी लोगों की जान बच गई। इस घटना में कोई घायल नहीं हुए हैं।

डंडारी के प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत कुमार ने बताया कि घटना के दौरान किसी महिला की नजर उनपर पड़ी। महिला ने शोर-गुल कर आसपास के लोगों को घटनास्थल पर बुलाया। फिर स्थानीय थाना को भी घटना की जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही मोकामा थानाध्यक्ष महेश्वर प्रसाद तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और आनफानन में सभी को मोकामा अस्पताल ले गये, जहां प्राथमिक उपचार के बाद वह फिर लखीसराय के लिए निकल गये। दरअसल वह मूल रूपसे लखीसराय के रहने वाले हैं और वर्तमान में बलिया के डंडारी में प्रखंड विकास पदाधिकारी हैं।

पुणे में भाजपा नेताओं को अमित शाह ने संबोधित किया

देश में भ्रष्टाचार के सरगना हैं शरद पवार

औरंगजेब फैन्स क्लब के अध्यक्ष हैं उद्धव ठाकरे

पुणे, 21 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के पुणे में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने दावा किया कि आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी बड़ी जीत हासिल करेगी। शाह ने कहा, मैं आज कहने आया हूं कि 60 वर्ष के बाद पहली बार देश में किसी नेता को तीसरी बार प्रधानमंत्री की शपथ लेने का यश मिला है, तो वे नरेंद्र मोदी हैं। हमने 2024 में महाराष्ट्र में बड़ी जीत हासिल करनी है। विपक्ष ने देश में भ्रांति फैलाने का काम किया है। अमित शाह ने उद्धव ठाकरे को लेकर भी कटाक्ष किया कि उद्धव ठाकरे औरंगजेब फैन्स क्लब के अध्यक्ष हैं।

अमित शाह ने कहा, मैंने राजनीतिक जीवन में कई जय-पराजय देखे। परंतु, मैंने यह भी देखा कि कई लोग जीतने के बाद अहंकारी हो जाते हैं। जीतने के बाद अंहकार आने के सैकड़ों उदाहरण आपको दुनियाभर की राजनीति में मिल जाएंगे। लेकिन एक अनूठा उदाहरण राहुल गांधी दुनिया को दे रहे हैं। वो हारने के बाद अहंकारी हो गए हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटें में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 300 सीटें मिलीं और विपक्षी गठबंधन इंडिया को एकजुट होकर भी 240 सीटें नहीं मिलीं हैं। इस चुनाव में देश की जनता ने नरेंद्र मोदी के 10 वर्ष के शासन पर मुहर लगाई है।

इस दौरान अमित शाह ने कहा, हमारे कार्यकर्ताओं ने जोर शोर से काम किया लेकिन मन में एक कसक रह गई है। कसक रह गई है तो सिर पकड़कर नहीं बैठते हैं। नए लक्ष्य तय करते हैं और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर इस कसक को पूरा करने का काम करेंगे। ये याद रखें कि लोकसभा चुनाव में तीसरी बार हमारा गठबंधन पूर्ण बहुमत लेकर निकला है। कार्यकर्ता को हताश होने की जरूरत नहीं है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का परिणाम सुनिश्चित है। इस विधानसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी विजय हासिल करेगी।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि आज हमें संकल्प लेना होगा कि हम किस पार्टी के कार्यकर्ता हैं। हम सत्ता प्राप्त करने के लक्ष्य के लिए निकले हुए लोग नहीं हैं। हम एक विचारधारा को लेकर राजनीति के मैदान में आए हैं। बीते दस वर्षों में विचारधारा के क्षेत्र में हमने क्या प्राप्त किया? हमारी विचारधारा थी कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे। कई लोग कहते थे कि कश्मीर में अनुच्छेद 370 नहीं हटनी चाहिए। भाजपा ने दस वर्षों के शासन में यह कर दिखाया और कश्मीर को हमेशा के लिए भारत में जोड़ दिया। कोई नहीं मानता था कि रामजन्म भूमि में भव्य मंदिर बनेगा। इन दस वर्षों में हमने धड़ल्ले के साथ रामलला को प्राण प्रतिष्ठा के साथ राम मंदिर में स्थापित किया।

कांग्रेस पार्टी के नेता देश में भ्रम फैला रहे हैं कि वे दलितों, गरीबों का कल्याण करेंगे। मैं पूछना चाहता हूं कि 58 वर्ष तक आपने गरीबों के लिए क्या किया? बीते दस वर्षों में हमने गरीबों का कल्याण किया। विपक्षी नेताओं ने भ्रम फैलाया कि भारतीय जनता पार्टी आरक्षण समाप्त कर देगी। हम जवाब देने में कहीं कहीं संकोच करने लगे तो लोगों के मन में भ्रांति पैदा हुई मैं कहना चाहता हूं पूर्ण बहुमत होने के बाद भी पीएम मोदी ने आरक्षण को बल देने का काम किया है। विपक्षी नेताओं ने संविधान को लेकर भी भ्रांति फैलाई।

अमित शाह ने इस दौरान इंडी गठबंधन के नेता शरद पवार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, अब महाराष्ट्र में चुनाव है और विपक्षी नेता शरद पवार नए नए प्रकार की भ्रांतियां फैला रहे हैं। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि जब जब भाजपा महाराष्ट्र में आती है, तो मराठा समुदाय को आरक्षण दिया जाता है। जब शरद पवार की सरकार आती है तो मराठा आरक्षण गायब हो जाता है। 2014 में महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आया और मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया। तब राज्य में भाजपा सरकार थी और देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री थे। इसके बाद शरद पवार की सरकार आई और मराठा आरक्षण गायब हो गया। हम फिर से आए और आरक्षण देने का काम किया। अगर शरद पवार की सरकार आएगी तो आरक्षण फिर से हटा दिया जाएगा। भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा सरगना अगर कोई है, तो वे शरद पवार हैं। मैं शरद पवार से कहना चाहता हूं कि दस वर्ष तक महाराष्ट्र और केंद्र में आपकी सरकार थी तो आपने क्या किया?

अमित शाह ने शिवसेना-यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने खुद को तुष्टीकरण की राजनीति से दूर रखा। देश की सुरक्षा को औरंगजेब फैन क्लब नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी सुनिश्चित करेगी। उद्धव ठाकरे औरंगजेब फैन क्लब के नेता हैं। खुद को बाला साहेब का वारिस बताने वाले उद्धव ठाकरे, कसाब को बिरयानी खिलाने वाले लोगों के साथ बैठे हैं। वे याकूब को छोड़ने की गुहार लगाने वाले के साथ बैठे, जाकिर नाइक को शांतिदूत बताने वालों के साथ आप बैठे और संभाजीनगर का विरोध करने वाले की गोदी में आप बैठे हो। ये औरंगजेब फैन क्लब महाराष्ट्र की सुरक्षा को सुनिश्चित कर सकता है क्या? ये भारतीय जनता पार्टी है, जो महाराष्ट्र और देश की सुरक्षा को सुनिश्चित करेगी।

उपचुनाव जीते निर्दलीय विधायक मिलेंगे सीएम नीतीश से

बिहार विधानसभा में एनडीए सरकार का समर्थन बढ़ेगा

पटना, 21 जुलाई (एजेंसियां)। रूपौली विधानसभा उपचुनाव में जनता दल यूनाइटेड और राष्ट्रीय जनता दल के प्रत्याशी को हरा कर निर्दलीय विधायक बने शंकर सिंह आज फिर से सुर्खियों में हैं। चर्चा है कि शंकर सिंह नीतीश सरकार को अपना समर्थन दे सकते हैं। हालांकि, इस मामले में अब तक शंकर सिंह ने स्पष्ट नहीं किया है। इधर, पटना में सीएम नीतीश कुमार के करीबी विधान परिषद सदस्य संजय सिंह के आवास पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान शंकर सिंह ने सीएम नीतीश कुमार की नीतियों की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कामकाज से वह काफी प्रभावित हैं। बिहार के विकास के लिए उन्होंने अच्छा काम किया है। उनकी नीतियों का समर्थन करता हूं। विधानसभा में मानसून सत्र के दौरान किस ओर बैठेंगे इस सवाल पर शंकर सिंह ने कहा कि कुर्सी बहुत लगी हुई है। सारी कुर्सी विधायकों के लिए ही है। मैं सर्वदलीय जीता हूं और सर्वदलीय ही रहूंगा। सीएम नीतीश के विकास पर सवाल पर उन्होंने 2005 से पहले बिहार में अपराध चरम पर था। सीएम नीतीश कुमार जब मुख्यमंत्री बने तो अपराध पर अंकुश लगा और विकास भी हुआ। इसे आप झुठला नहीं सकते हैं।

एक समय में नॉर्थ बिहार लिबरेशन आर्मी के अध्यक्ष रह चुके शंकर सिंह जदयू के संजय सिंह और पूर्व सांसद आनंद मोहन के काफी करीबी हैं। इसलिए कयास लगाया जा रहा है कि अपने करीबी वरीय नेताओं के कहने पर शंकर सिंह नीतीश सरकार को अपना समर्थन दें। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की पार्टी के बागी शंकर सिंह ने 19 साल बाद जीत का स्वाद चखा है। शंकर सिंह ने जदयू के कलाधर मंडल को 8211 वोटों से हराया था। उन्हें 67779 वोट मिले थे।

शहीदी दिवस पर हुई टीएमसी की रैली में बोलीं ममता

महिलाओं को आरक्षण देने में टीएमसी अव्वल

जल्द गिर जाएगी एनडीए सरकार : अखिलेश

कोलकाता, 21 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की शहीद दिवस पर चल रही रैली में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसकी 38 फीसदी महिलाएं सांसद हैं। चुनाव से पहले भाजपा ने महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने का दावा किया था, लेकिन ऐसा नहीं कर सके। धर्मतला में चल रही रैली में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार जल्द ही गिर जाएगी।

ममता बनर्जी ने कहा कि अखिलेश यादव मेरे निमंत्रण पर कार्यक्रम में शामिल होने आए, मैं उनका धन्यवाद देती हूं। मैं चाहती हूं कि पूरे देश के साथ बंगाल के रिश्ते बेहतर हों। यूपी में अखिलेश यादव ने जो खेल दिखाया, उसके बाद भाजपा को इस्तीफा दे देना चाहिए था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भारत को सांप्रदायिक आधार पर बांटने की साजिश रचने वाली ताकतों को अस्थायी सफलता मिल सकती है, लेकिन अंततः उनकी पराजय होगी। केंद्र में भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी, यह जल्द ही गिर जाएगी।

रैली में टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भाजपा ने बंगाल के सभी फंड रोक दिए हैं। भाजपा बंगाल को बदनाम कर रही है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने फर्जी कहानी बनाकर संदेशखली को हथियार बनाकर बंगाल को बदनाम करने की साजिश की। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भाजपा अबकी बार 400 पार का नारा दिया, लेकिन 240 पर रुक गए। टीएमसी के खिलाफ ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल किया मगर जीत नहीं मिली। पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि 21 जुलाई 2022 को ईडी ने पार्थ चटर्जी के घर छापा मारा और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। हम गलती करने वाले किसी व्यक्ति को नहीं बचाते। हम अन्याय करने की अनुमति भी नहीं देते हैं। अगर एसएससी-टीईटी घोटाले में पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया जा सकता है, नीट घोटाले में धर्मेंद्र प्रधान को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? यह भेदभाव क्यों किया जा रहा है?

21 जुलाई 1993 को ममता बनर्जी के नेतृत्व में राइटर्स अभियान के दौरान 13 लोगों की जान चली गई थी। उस दौरान ममता बनर्जी युवा कांग्रेस अध्यक्ष थीं, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के गठन के बाद ममता बनर्जी हर साल 21 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में मनाती रही हैं।

जम्मू संभाग में आतंकवाद खत्म करने के मॉडल पर उठे सवाल

आखिर आतंकवाद पनपने ही क्यों दिया?

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 21 जुलाई।

जम्मू संभाग में आतंकवाद के खात्मे को कश्मीर-मॉडल अपनाने की जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा की घोषणा से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। इसमें यक्ष प्रश्न यह सामने आ रहा है कि आखिर जम्मू संभाग में आतंकवाद को फिर से पनपने ही क्यों दिया गया? क्यों जम्मू की सुरक्षा को दांव पर लगाते हुए सैनिकों को वहां से हटाया गया? और सबसे बड़ा सवाल आखिर आतंकवाद को कुचने का कश्मीर मॉडल है क्या?

जम्मू संभाग के लगभग प्रत्येक जिले को तीन सालों से निशाना बना रहे आतंकियों से निपटने को अब आतंकवाद को जड़ से उखाड़ने की जो तैयारियां की गई हैं उनमें सबसे प्रमुख कश्मीर मॉडल है। यह सबसे बड़ा सीक्रेट है जिसके प्रति किसी को कोई जानकारी नहीं है कि आखिर यह मॉडल क्या है। यह शब्द उप राज्यपाल ने पहली बार इस्तेमाल कर सबको चौंकाया है। हालांकि केंद्र सरकार के निर्देशों पर सभी सुरक्षाबलों ने संयुक्त रूप से अब जम्मू संभाग में आतंकवादियों पर प्रहार करने को हजारों जवान, खासकर स्पेशल फोर्स के गुरिल्ला वार में निपुण सैनिकों को तैनात करना आरंभ किया है लेकिन इन जवानों की तैनाती उस संख्या को पूरा नहीं कर पाएगी जो जून 2021 के उपरांत जम्मू संभाग से हटा कर चीन से निपटने को लद्दाख सेक्टर में भेज दिए गए थे।

रक्षा अधिकारियों ने इसे माना है कि पाकिस्तान ने इसी परिस्थिति का लाभ उठाया है और उसने अपने जहां ताजा प्रशिक्षित आतंकियों को जम्मू संभाग को निशाना बनाने के निर्देश देते हुए उन्हें भारी संख्या में इस ओर धकेला है।

स्थिति तो यह है कि पिछले तीन सालों में कितने आतंकी जम्मू संभाग में घुस आए सब एजेंसियों के अपने अपने आंकड़े हैं। अगर इन सबको सच मान लिया जाए तो जम्मू संभाग में आतंकियों की संख्या 300 को भी पार कर जाती है।

अब जबकि सरकार ने जम्मू संभाग को एक बार फिर आतंकवाद मुक्त करने के लिए कड़े कदम उठाने के साथ ही बड़ी संख्या में फौज तैनात कर आतंकियों के खिलाफ बड़े ऑपरेशन आरंभ करने की घोषणा की है पर आम जम्मूवासी प्रशासन की लापरवाही से नाराज है। जम्मूवासियों का कहना था कि आखिर जम्मू संभाग की कीमत पर सैनिकों को हटा अन्य स्थान पर तैनात कर जम्मू में आतंकवाद को फिर से क्यों पनपने दिया गया। जानकारी के लिए तीन साल के अरसे में आतंकी जम्मू संभाग में 52 सुरक्षाकर्मियों की जानें ले चुके हैं। राजनीतिक पंडितों के बकौल, प्रशासन और सुरक्षा अधिकारी पाकिस्तान की रणनीति को समझ पाने में नाकाम रहे थे जिस कारण जम्मू संभाग में शांति लौट आने के उनके दावे झूठे साबित हुए हैं।

रिकार्ड तोड़ रही है अमरनाथ के श्रद्धालुओं की संख्या

22 दिनों में 4 लाख, 8 लाख पार होने की उम्मीद

जम्मू, 21 जुलाई (ब्यूरो)। अमरनाथ यात्रा के 22वें दिन गुफा के दर्शन करने वालों की संख्या 4 लाख को छूने लगी थी। यह अब पिछले साल के रिकार्ड को पार करने जा रही है जब 62 दिनों की यात्रा में लाख श्रद्धालु इसमें शामिल हुए थे। श्रद्धालुओं की रफ्तार को देखते हुए अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड को उम्मीद है कि इस बार यह आंकड़ा 8 लाख को पार कर सकता है। हालांकि सरकारी रिकार्ड 2011 की यात्रा में 6.35 लाख के शिरकत करने का है।

2007 से लेकर 2019 तक के आंकड़ों में इस साल के 22 दिनों के आंकड़े ने पिछले चार साल का रिकार्ड जरूर तोड़ दिया है। जबकि अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के अधिकारियों को उम्मीद थी कि अगर सब सकुशलता से चलता रहा तो इस बार यात्रा एक नया रिकार्ड बनाएगी। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2007 से 2018 के बीच क्रमशः 2.63, 5.50, 3.75, 4.59, 6.35, 6.20, 3.53, 3.72, 2.20, 2.60 तथा 2.85 लाख श्रद्धालुओं ने शिरकत की थी।

अमरनाथ यात्रा में शिरकत करने वाले श्रद्धालु अब राहत महसूस कर रहे हैं, जिन्हें स्वास्थ्य समस्याएं आ रही हैं क्योंकि स्वास्थ्य विभाग ने यात्रा मार्ग पर पोनी अर्थात खच्चरों पर एम्बुलेंस स्थापित किए हैं जो कुछ ही देर में पीड़ितों के पास पहुंच कर उन्हें राहत दे रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक, यात्रा के दौरान करीब 6000 तीर्थयात्रियों को सांस लेने में तकलीफ हुई थी जिन्हें चिकित्सा सहायता दी गई है। तीर्थ यात्रियों को यात्रा के दौरान कोई समस्या न आए इसलिए जिन हजारों जवानों को यात्रा मार्ग में तैनात किया गया है उन्हें इस बार विशेष तौर पर बेसिक पैरा मेडिकल की ट्रेनिंग भी दी गई है। इस तरह की ट्रेनिंग देने का मुख्य उद्देश्य यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की मदद करना है।

वैसे अमरनाथ यात्रा का प्रतीक हिमलिंग यात्रा के पहले ही सप्ताह में ही पूरी तरह से पिघल गया था पर बावजूद इसके इसमें शामिल होने वालों की संख्या में कोई कमी नहीं आई है। 30 जून को हिमलिंग की ऊंचाई 18 से 20 फीट के बीच थी। श्राइन बोर्ड के अधिकारी कहते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग हिमलिंग को प्रभावित कर रही है। वे इससे इंकार करते हैं कि गुफा में क्षमता से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

वर्ष 1996 के अमरनाथ हादसे के बाद नीतिन सेन गुप्ता कमेटी की सिफारिश थी कि 75 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को यात्रा में शामिल न होने दिया जाए। पर ऐसा कभी नहीं हो पाया। इस बार 22 दिनों में चार लाख श्रद्धालु गुफा में पहुंचे हैं। इस पर पर्यावरणविद खफा हैं। वे कहते हैं कि यात्रियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि न सिर्फ हिमलिंग को पिघलाने में अहम भूमिका निभा रही है, यात्रा मार्ग के पहाड़ों के पर्यावरण को भी जबरदस्त क्षति पहुंचा रही है।

साल 2016 में भी भक्तों की ज्यादा भीड़ के अमरनाथ पहुंचने से हिमलिंग तेजी से पिघल गया था। आंकड़ों के मुताबिक उस वर्ष यात्रा के महज 10 दिन में ही हिमलिंग पिघलकर डेढ़ फीट के रह गए थे। तब तक महज 40 हजार भक्तों ने ही दर्शन किए थे। साल 2016 में प्राकृतिक बर्फ से बनने वाला हिमलिंग 10 फीट का था। जो अमरनाथ यात्रा के शुरुआती सप्ताह में ही आधे से ज्यादा पिघल गया था। ऐसे में यात्रा के शेष 15 दिनों में दर्शन करने वाले श्रद्धालु हिमलिंग के साक्षात दर्शन नहीं कर सके थे। जबकि साल 2013 में भी अमरनाथ यात्रा के दौरान हिमलिंग की ऊंचाई कम थी। उस वर्ष हिमलिंग महज 14 फुट के थे। लगातार बढ़ते तापमान के चलते वे अमरनाथ यात्रा के पूरे होने से पहले ही अंतरध्यान हो गए थे। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार साल 2013 में हिमलिंग के तेजी से पिघलने का कारण तापमान में वृद्धि था। उस वक्त पारा 34 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था।

देश की नामचीन 8 कंपनियां युवाओं को देंगी रोजगार

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मिशन रोजगार के तहत प्रदेश के युवाओं को सरकारी नौकरी के साथ स्वरोजगार से जोड़ रहे हैं। ऐसे में प्रदेश भर में मिशन रोजगार के तहत समय-समय पर युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत राजधानी लखनऊ स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज में सोमवार को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसमें आठ कंपनियां भाग ले रहीं हैं, जो 857 पदों पर अभ्यर्थियों का चयन करेंगी।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरुप संस्थान के परिसर में समय-समय पर मिशन रोजगार के तहत रोजगार मेले का आयोजन किया जाता है। इसी के तहत सोमवार को संस्थान में रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसमें आठ कंपनियां द्वारा हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईआईटी, डिप्लोमा या स्नातकधारक अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। इन सभी अभ्यर्थियों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष होनी चाहिये। कंपनियों द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को 10 हजार से लेकर 22 हजार रुपये प्रति माह वेतन के साथ अन्य सुविधाएं दी जाएंगी। ट्रेनिंग काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर एमए खां ने बताया कि मेले में महिला और पुरुष दोनों अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। इसके लिए सभी अभ्यर्थियों को सुबह 10 बजे बायोडाटा और सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों के साथ राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्लेसमेंट हॉल में उपस्थित होना होगा।

गुरु पूर्णिमा पर सीएम योगी ने किया गुरु गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन

गोरखपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर रविवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ का नाथपंथ की परंपरा के अनुसार विशिष्ट पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ, दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ समेत नाथपंथ के सभी गुरुजन का भी पूजन-अर्चन कर श्रद्धा निवेदित की और लोक कल्याण के पथ पर मार्गदर्शन के लिए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। साथ ही गुरु पूर्णिमा पर गुरुजन को समर्पित रुद्राभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से लोकमंगल की प्रार्थना की और गोवंश की सेवा कर उन्हें गुड़ खिलाया। गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा का विशेष अनुष्ठान तड़के ही प्रारंभ हो गया और सामूहिक आरती के साथ अनुष्ठान की पूर्णता हुई। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

यूं तो गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं, गुरु गोरखनाथ तथा नाथपंथ के गुरुजन का दर्शन-पूजन उनकी दिनचर्या का हिस्सा होता है। पर, गुरु पूर्णिमा का अवसर गोरखनाथ मंदिर में विशिष्ट पूजा का होता है। रविवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं सीएम योगी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महायोगी गोरखनाथ, मंदिर परिसर में मौजूद सभी देव विग्रहों और नाथपंथ के गुरुओं की प्रतिमाओं के समक्ष विधि विधान के साथ पूजन किया।

आनुष्ठानिक कार्यक्रमों के क्रम में उन्होंने सबसे पहले नाथपंथ के आदिगुरु भगवान गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनकी पूजा की। वह परिसर में मौजूद सभी देव-विग्रहों के पास पहुंचे और उनका पूजन किया। उसके बाद वह बारी-बारी से बाबा गंभीरनाथ, अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ समेत ब्रह्मलीन गुरुओं की समाधि पर गए। सभी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन कर आशीर्वाद लिया। गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने गुरु गोरखनाथ को रोट का महाप्रसाद अर्पित किया। पूजा-अर्चना की आनुष्ठानिक प्रक्रिया सम्पन्न होने के बाद गुरु पूर्णिमा पर होने वाली परंपरागत सामूहिक महाआरती हुई तथा सभी गुरुओं के प्रति आस्था निवेदित की गई।

गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धा और आस्था का उल्लास देखते ही बनता है। इस अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ द्वारा विशेष अनुष्ठान पूर्ण किए जाने के साथ गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत योगी मिथिलेशनाथ समेत सभी नाथ योगियों ने भी गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ को नाथपंथ की परंपरा के अनुसार उन्हें तिलक लगाया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु पूर्णिमा के पवित्र पर्व पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर की शक्तिपीठ में भगवान भोलेनाथ का विधि विधान से रुद्राभिषेक किया। रुद्राभिषेक पूर्ण होने पर उन्होंने देवाधिदेव महादेव शिव शंकर से चराचर जगत के कल्याण और सभी नागरिकों के सुखमय, समृद्धमय और शांतिमय जीवन की कामना की।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमेशा की तरह मंदिर की गोशाला भी गए। यहां उन्होंने गोवंश को उनके नाम से पुकारा और उनके पास आने पर खूब दुलारा। अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया। योगी का दुलार पाकर गोवंश भाव विह्वल नजर आए। साथ ही सुबह मंदिर प्रांगण में टहलने के दौरान बच्चों को भी दुलार किया। सीएम ने बच्चों को चॉकलेट भी दिया और उनके माता-पिता का हाल चाल भी जाना।

ड्रोन के जरिए रिहंद डैम की मैपिंग और सर्वे कराएगी योगी सरकार

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार जल्द ही सोनभद्र के पिपरी स्थित रिहंद डैम की क्रैक्स मैपिंग और आइडेंटिफिकेशन सर्वे कराने जा रही है। बांध के अबव वॉटर व अंडर वॉटर क्रैक्स के आंकलन और चिन्हांकन की प्रक्रिया को रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल (आरएवी) व ड्रोन (अंडर वॉटर यूएवी) के जरिए पूरा किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन लिमिटेड के अंतर्गत उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लिमिटेड द्वारा एजेंसी निर्धारण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि इस पूरी प्रक्रिया द्वारा रिवर बेड के 35 हजीर स्क्वेयर मीटर की वीडियोग्राफी कराई जाएगी और 2डी व 3डी डाटा कैप्चरिंग तकनीक के जरिए आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। अपस्ट्रीम सर्फेस को मैप करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी और इसी के आधार पर डैम की स्थिति को लेकर एक डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया को एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन के उपरांत 3 महीने की समयावधि में पूरा किया जाएगा तथा इस मद में 76.50 लाख रुपए का व्यय किया जाएगा।

अपनी अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य के लिए न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि बिहार व मध्य प्रदेश के पर्यटकों में प्रसिद्ध रिहंद डैम में क्रैक्स आइडेंटिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए जिस आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल होगा उसे स्टेट ऑफ द आर्ट फैसिलिटी की संज्ञा दी जाती है। रिहंद बांध की अपस्ट्रीम दीवार पर पानी के ऊपर और पानी के नीचे वीडियोग्राफी आयोजित कर इसके माप (लंबाई, चौड़ाई और गहराई), निर्माण सामग्री के नुकसान और गिरावट जैसे मानकों की पहचान की जा सके। निरीक्षण किया जाने वाला क्षेत्र जलाशय तल तक पानी के स्तर से नीचे (लगभग 35,000 वर्ग मीटर क्षेत्र) और पानी के ऊपर (लगभग 10,000 वर्ग मीटर क्षेत्र) है। यह निरीक्षण कार्य आरओवी (रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल) का उपयोग करके किया जाएगा, जिसमें डाटा कैप्चरिंग उपकरण, कम रोशनी वाले एचडी कैमरे, डेप्थ सेंसर, अल्टीमीटर, पानी के अंदर के लिए लेजर और यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) के 2डी, 3डी डाटा कैप्चरिंग की जाएगी।

सर्वे द्वारा जुटाए गए डाटा में से सॉफ्टवेयर का उपयोग करके दोषों को चिह्नित किया जाएगा और दोषों के विवरण को निर्धारित करने के लिए पानी के ऊपर के लिए माप की रिपोर्ट की जाएगी। बांध के मुख पर मार्किंग ग्रिड के संदर्भ में बांध के शीर्ष पर प्रत्येक फ्रेम और डिस्प्ले स्क्रीन की पोजिशनिंग/जियोटैगिंग की जाएगी। निरीक्षण के बाद रॉ डाटा का विजुअल एनालिसिस प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें गहराई के अंकन के साथ प्रत्येक फ्रेम की जियो टैगिंग कर दरारों, गड्ढों, क्षति, निर्माण सामग्री की गिरावट आदि सहित किसी भी दृश्यमान चिंताजनक बिंदुओं की पहचान की जाएगी। इसके बाद डीडेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाई जाएगी जिसे सॉफ्ट कॉपी के साथ ही पेन-ड्राइव में संसाधित एचडी वीडियो प्रस्तुत करने के साथ एजेंसी द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा

सपा नेता अब्दुल नईम के अवैध मैरिज हॉल पर चला बुलडोजर

मैनपुरी, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

करहल नगर पंचायत के अध्यक्ष सपा नेता चौधरी अब्दुल नईम के मैरिज हॉल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश के बाद ध्वस्त कर दिया गया। यह मैरिज हॉल सरकारी तालाब को कब्जा कर बनाया गया था। 2022 में अखिलेश यादव करहल विधानसभा से ही विधायक बने थे, लेकिन कन्नौज से सांसद सांसद चुने जाने के बाद उन्होंने ये सीट छोड़ दी है, यहां अब उपचुनाव होगा।

ध्वस्त किए गए आयजा मैरिज हॉल का निर्माण चौधरी अब्दुल नईम ने अपनी बीवी फरजाना बेगम के नाम पर करवाया था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान पीएसी की 4 कंपनियां और साथ-साथ जिले की पुलिस फोर्स को लगाया गया था। कई पुलिस इंस्पेक्टर, थाना प्रभारी और एसडीएम इस दौरान मौजूद थे। रविवार को सुबह 10 बजे कार्रवाई शुरू की गई। तालाब की जमीन को घेर कर बनाए गए मैरिज हॉल को भूमिसात कर दिया गया।

इस मामले में संजीव यादव ने शिकायती पत्र सौंपा था, जो नगर पंचायत अध्यक्ष रहे हैं। इसमें आरोप लगाया गया है कि नोटरी स्टाम्प पर चौधरी अब्दुल नईम ने कई लोगों को प्लॉट बेचा है। उन्होंने खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इसकी शिकायत की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से जिलाधिकारी को इस मामले की जांच कर कार्रवाई का निर्देश दिया गया था। पुलिस ने कार्रवाई से पहले मैरिज हॉल की तरफ जाने वाले रास्तों पर पहरा बिठा दिया था। इस मैरिज हॉल से 300 मीटर की दूरी तक किसी को प्रवेश नहीं दिया जा रहा था। आसपास की छतों पर भी किसी को तमाशबीन बनने की अनुमति नहीं थी। मैरिज होम का मेन गेट, 8 फीट ऊंची बाउंड्री और बाथरूम को ध्वस्त किया गया। इसके बाद ऊपरी कमरों को तोड़ा गया। सामान पहले ही निकलवा दिया गया था। इस मामले में दिसंबर 2022 में ही शिकायत दर्ज कराई गई थी। एक सप्ताह पहले तहसीलदार की तरफ से नोटिस जारी किया गया। 0.283 हेक्टेयर जमीन घेर कर कब्जाया गया था, जो ढाई करोड़ रुपए की है। न्यायालय में सपा नेता अब्दुल नईम की

बरेली के गोपेश्वरनाथ मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियां तोड़ीं

बरेली, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

सावन माह शुरू होने से पहले फिर बरेली का माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। संदिग्ध युवक ने बाबा गोपेश्वरनाथ मंदिर में घुसकर देवी-देवताओं की मूर्तियां तोड़ दीं। विरोध पर उसने पुजारी व उनकी पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया। लोगों ने मौके से पकड़े गए अकरम नामक युवक को पीटकर पुलिस के हवाले कर दिया। हमलावर उत्तराखंड के खटीमा का निवासी बताया गया है। अफसरों ने भीड़ को समझा-बुझाकर शांत किया और आनन-फानन में मंदिर की क्षतिग्रस्त मूर्तियां बदलवाने का काम शुरू करा दिया है। घटना के सिलसिले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। हिन्दू संगठनों ने इसके पीछे गहरी साजिश की आशंका जताई है।

बरेली के थाना इज्जतनगर क्षेत्र में डेलापीर मंडी स्थित बाबा गोपेश्वरनाथ मंदिर में काफी लोग पूजा-अर्चना करते हैं। कल सोमवार से पवित्र सावन माह शुरू हो रहा है। उससे पहले ही हर तरफ आस्था का माहौल दिखाई दे रहा है। अचानक मंडी के मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियां क्षतिग्रस्त किए जाने की खबर जैसे ही शहर में फैली, लोग गुस्से में नजर आने लगे। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि सुबह के समय मंदिर के पुजारी वहां पहुंचे तो एक युवक हाथ में ईट लिए मूर्तियों को तोड़ रहा था। पुजारी विरोध किया तो हमलावर ने उन पर चाकू से हमला करने की कोशिश की। पुजारी किसी तरह हमले से बच सके। पुजारी की पत्नी पर भी हमला किया गया। शोरगुल सुनकर आसपास के लोग जुट गए और हमलावर को दबोच लिया।

पकड़े जाने पर हमलावर यह कहते हुए सुना गया कि वह हिंदुओं का दुश्मन है। पता होते ही भाजपा, विहिप, हिन्दू जागरण मंच, बजरंग दल के कार्यकर्ता वहां पहुंच गए। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पकड़े गए शख्स को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अकरम बताया है। वह खटीमा, उत्तराखंड का रहने वाला है। उसके पास से विदेशी मुद्रा भी मिली है। पुलिस ने दो अन्य संदिग्धों को भी हिरासत में लिया है। भीड़ के हत्थे चढ़े व्यक्ति को चोटें आ गईं। पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल भिजवा दिया है। हिन्दू संगठनों ने घटना के पीछे गहरी साजिश होने की आशंका जताई है। एसएसपी अनुराग आर्य ने मीडिया को बताया कि एसओजी ने पकड़े गए युवक से पूछताछ की है। वह खुद को डिप्रेशन का मरीज बता रहा है। किसी डॉक्टर से इलाज कराने की भी उसने बात कही है। मामले की पुष्ट करने के लिए उसके रिश्तेदारों को बरेली बुलवाया गया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज भी देखी है, जिसमें वह युवक मंदिर में अकेले जाते दिखा है। पूरे मामले की गहराई से छानबीन कराई जा रही है।

छात्रावासों के कायाकल्प के लिए सरकार ने जारी किया बजट

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

छात्रावासों में छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिलें और वो इसका लाभ उठाकर अपने करियर में मुकाम हासिल कर सकें, इसके लिए योगी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सीएम योगी के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग की ओर से फतेहपुर में संचालित राजकीय कॉलेजों में अनुसूचित जाति छात्रावासों में सुविधाओं को और बेहतर करने के लिए विभाग ने 243.77 लाख रुपए जारी किया है। जारी धनराशि से छात्रावासों की सुविधाओं को और बेहतर किया जाएगा, ताकि वहां रहने वाले विद्यार्थियों को किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में समाज कल्याण विभाग शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए लगातार प्रयासरत है ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवार के बच्चों तक तकनीक आधारित आधुनिक शिक्षा का लाभ पहुंच सके। इसके लिए योग्य शिक्षकों की नियुक्ति के साथ छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधाएं भी प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में जनपद फतेहपुर में संचालित राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास, महिला डिग्री कालेज, फतेहपुर में छात्रावास मुख्य भवन के मरम्मत का कार्य, आन्तरिक जलमल कार्य, वाह्य जलमल कार्य, स्थल विकास, इलेक्ट्रिक कार्य, बोरिंग का कार्य, बाउंड्रीवाल गेट सहित, सीसी रोड़ एवं कैम्पस में लाइटिंग का कार्य कराने के लिए 124.41 लाख रुपए प्रदान किया गया है।

अयोध्या, मथुरा और काशी में धरातल पर उतरी 6.5 हजार करोड़ की परियोजनाएं

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

भगवान राम की नगरी अयोध्या, श्रीकृष्ण का जन्मस्थान मथुरा और भगवान शिव का धाम काशी (वाराणसी) देश की आस्था के साथ-साथ अब निवेश के बड़े गंतव्य का भी प्रतीक बन गया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इसी वर्ष फरवरी माह में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) के माध्यम से इन धार्मिक स्थलों में जिन निवेश की परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया था, 5 माह के अंदर उनमें से 6.5 हजार करोड़ की परियोजनाएं शुरू हो चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि जीबीसी 4.0 के दौरान इन तीनों धार्मिक स्थलों के लिए पीएम मोदी ने करीब 50 हजार करोड़ रुपए की 11 हजार परियोजनाओं का शुभारंभ किया था। इनमें से योगी सरकार 5 माह के अंदर अब तक 6578 करोड़ रुपए की 277 परियोजनाओं को धरातल पर उतरने में सफल रही है। यह शुभारंभ हुईं कुल परियोजनाओं का 13 प्रतिशत से ज्यादा है।

अयोध्या, काशी और मथुरा, ये तीनों स्थल न सिर्फ उत्तर प्रदेश में बल्कि देश भर में हिंदु समाज के आस्था के सबसे बड़े केंद्र के रूप में देखे जाते हैं। ऐसे में योगी सरकार यहां पर्यटन से लेकर नागरिक सुविधाओं में बड़े पैमाने पर इजाफा कर रही है। इसी क्रम में यहां व्यापक स्तर पर विकास परियोजनाओं को शुरू किया जा रहा है, जिसके लिए देश-विदेश की बड़ी-बड़ी कंपनियों ने योगी सरकार के साथ एमओयू किया है। 5 माह पूर्व फरवरी में पीएम मोदी ने इन परियोजनाओं का शुभारंभ किया और 5 माह में ही इन तीनों स्थलों पर 6578 करोड़ रुपए की परियोजनाएं मूर्त रूप ले चुकी हैं, जबकि शेष परियोजनाएं भी तेजी से प्रगति कर रही हैं और जल्द ही ये भी साकार होंगी जिससे बड़े पैमाने पर यहां युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा और वे दूसरे जनपदों या राज्यों में नहीं भटकेंगे। इन तीनों ही स्थलों पर खासतौर पर टूरिस्ट्स फैसिलिटी सेंटर, वेलनेस सेंटर और होटल्स की शुरुआत हो रही है, जिसमें व्यापक स्तर पर लोगों को रोजगार के साधन भी उपलब्ध होंगे।

भगवान राम की नगरी अयोध्या की बात करें तो योगी सरकार ने यहां बड़े पैमाने पर विकास किया है। 22 जनवरी 2024 को यहां भगवान राम के नव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा से पहले और बाद में यहां लगातार विकास कार्य प्रगति पर है।

चौड़ी चौड़ी सड़कें, ब्रिज, एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन समेत इंफ्रास्ट्रक्चर में हुए महत्वपूर्ण बदलावों ने निवेशकों को अयोध्या में अपनी परियोजनाएं शुरू करने के लिए आकर्षित किया है। जीबीसी 4.0 के दौरान यहां 13,421 करोड़ की 376 परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया था, जिसमें से अब तक 993 करोड़ रुपए की 88 परियोजनाओं ने मूर्त रूप ले लिया है। बाकी परियोजनाओं का भी इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन जल्द शुरू होने की संभावना है। अयोध्या में खासतौर पर हॉस्पिटैलिटी सेक्टर ने निवेश में अपनी रुचि दिखाई थी, जिनमें अभिनंदन लोढ़ा हाउस, पीकेएच वेंचर्स लि.,पक्का लिमिटेड, द इनोवेटर्स डिजिटल एड्स प्राइवेट लिमिटेड और क्रेसकेंडो इंटीरियर्स जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान मथुरा की बात करें तो योगी सरकार के लिए यह भी महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है, जहां लाखों पर्यटकों की आवाजाही रहती है। जीबीसी 4.0 में यहां 16,948 करोड़ रुपए की 428 परियोजनाओं को पीएम मोदी ने हरी झंडी दिखाई थी और 5 माह में यहां 3837 करोड़ की 120 परियोजनाओं को मूर्त रूप दे दिया गया है। जीबीसी के दौरान के आंकड़ों को देखें तो मथुरा में शीर्ष 5 प्रोजेक्ट्स से ही 11 हजार से अधिक नौकरियां मिलने की संभावना जताई गई थी। इसके अनुसार, एयर लिक्विड नॉर्थ इंडिया प्रा. लि., द बेनिसन, केशव पब्लिकेशन प्रा. लि., आईएफपी पेट्रो प्रोडक्ट्स और अवदी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने बड़ी परियोजनाएं शुरू करने के लिए सरकार से हाथ मिलाया है।

इसी तरह, बाबा विश्वनाथ की धरती वाराणसी का विकास भी योगी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में है। पीएम मोदी का संसदीय क्षेत्र होने के कारण इस जनपद का विकास और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, जिसे देखते हुए यहां कई बड़ी कंपनियों ने निवेश की इच्छा जाहिर की है। जीबीसी 4.0 में वाराणसी के लिए 19,295 करोड़ रुपए की 279 परियोजनाओं का श्रीगणेश हुआ था। 5 माह में वाराणसी में 1748 करोड़ रुपए की 69 परियोजनाएं ने कार्य शुरू कर दिया है और जल्द ही शेष परियोजनाएं भी धरातल पर उतरती नजर आएंगी जिनसे हजारों लोगों को लाभ होगा। यहां भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल), रोमा बिल्डर्स और प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड, अंश निर्माण प्राइवेट लिमिटेड और जेएस रेजिडेंसी प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियां अपनी परियोजनाओं को मूर्त रूप दे रही हैं।

संपादकीय

कम हो राजनीतिक कड़वाहट

राजनीतिक कड़वाहट कितना भयंकर रूप धारण कर सकती है, उसका नवीनतम उदाहरण है अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला। अमेरिका में कम्युनिस्ट धड़े ने डॉनल्ड ट्रंप को लेकर इतना अधिक नकारात्मक वातावरण बना दिया है कि बात राजनीतिक सहमति-असहमति से कहीं अधिक आगे बढ़कर नफरत की हद तक बढ़ गई है। उसी का परिणाम है कि राष्ट्रपति पद के चुनाव प्रचार के दौरान एक व्यक्ति ने उन पर राइफल से गोली चला दी। ईश्वर की कृपा रही कि डॉनल्ड ट्रंप की जान बच गई। अमेरिका में हुए इस हमले के बाद से भारत में भी एक बहस खड़ी हो गई है। दरअसल, पिछले 10 वर्ष में कांग्रेस और उसकी पीठ पर सवाल कम्युनिस्टों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के प्रति हद दर्जे का नकारात्मक विमर्श खड़ा करने का काम किया है। जेएनयू, जाधवपुर एवं हैदराबाद विश्वविद्यालयों में प्रदर्शन, शाहीनबाग के प्रदर्शन, दिल्ली दंगे, तथाकथित किसान आंदोलन जैसे कई प्रसंगों में नकारात्मक विमर्श के कारण उत्पन्न नफरत खुलकर दिखायी दी है। जहाँ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय विचार के संगठनों की कब्र खोदने से लेकर भारत के टुकड़े-टुकड़े जैसे अतिवादी एवं हिंसक विचार अभिव्यक्त हुए। सार्वजनिक सभाओं में प्रधानमंत्री मोदी की बोटी-बोटी काटने के आह्वान किए गए। दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसा भाषण करनेवालों को कांग्रेस ने अपना नेता बनाया और उन्हें चुनाव में टिकट दिया। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने भी भारत के प्रधानमंत्री मोदी को लेकर अत्यधिक अतिवादी बयान दिए हैं। यहाँ तक कहा गया कि 'युवा प्रधानमंत्री मोदी को डंडे से मारेंगे'। इसी नफरती वातावरण के प्रभाव में आकर जब एक व्यक्ति ने काशी में प्रधानमंत्री मोदी की ओर चप्पल उछाली तब भी कांग्रेस के नेताओं की ओर से उस घटना पर प्रसन्नता जाहिर की गई। अपने प्रतिद्वंद्वी राजनेता एवं विचार के प्रति यदि इस प्रकार की घृणा, नफरत और द्वेष का वातावरण बनाया जाएगा, तब उसका प्रभाव लोगों पर भी पड़ता है। संपूर्ण देश में कांग्रेस का एक बड़ा जनाधार है। पार्टी के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या है। जब पार्टी का शीर्ष नेतृत्व प्रतिद्वंद्वी नेता एवं पार्टी के विरुद्ध असहिष्णुता के विचार को बढ़ावा देता है, तब समर्पित कार्यकर्ता भी उसी लाइन पर चलता है। कहना होगा कि कार्यकर्ता और अधिक गहरायी से उस विचार का अनुसरण करता है। राजनीतक नफरत का परिणाम अमेरिका ने कई बार भोगा है। अमेरिका में चार राष्ट्रपति और एक राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी हमलों में जान गंवा चुके हैं। पिछले चार-पांच दशकों की बात करें तो रोनाल्ड रीगन, बिल क्लिंटन और जॉर्ज डब्ल्यू बुश जैसे चर्चित राष्ट्रपति हमलों का निशाना बन चुके हैं। भारत ने भी अपने प्रधानमंत्रियों को खोया है। हालांकि उसका कारण राजनीतिक कड़वाहट कम अपितु अन्य मुद्दे अधिक रहे हैं। भारत ने तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी और राजीव गांधी को हमलों में खोया है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मृत्यु का प्रमुख कारण भी राजनीतिक एवं वैचारिक नफरत को ही माना जाता है। बहरहाल, अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप पर हुए हमले और वहाँ बने नकारात्मक राजनीतिक वातावरण से भारत को सबक लेना चाहिए। राजनीतिक कड़वाहट को कम करने के लिए भारत के सभी राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं को गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। हमें अपने लोकतंत्र को 'बुलेट तंत्र' में नहीं अपितु 'बैलेट तंत्र' के रूप में ही विकसित करना है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला। अमेरिका में कम्युनिस्ट धड़े ने डॉनल्ड ट्रंप को लेकर इतना अधिक नकारात्मक वातावरण बना दिया है कि बात राजनीतिक सहमति-असहमति से कहीं अधिक आगे बढ़कर नफरत की हद तक बढ़ गई है। उसी का परिणाम है कि राष्ट्रपति पद के चुनाव प्रचार के दौरान एक व्यक्ति ने उन पर राइफल से गोली चला दी। ईश्वर की कृपा रही कि डॉनल्ड ट्रंप की जान बच गई। अमेरिका में हुए इस हमले के बाद से भारत में भी एक बहस खड़ी हो गई है। दरअसल, पिछले 10 वर्ष में कांग्रेस और उसकी पीठ पर सवाल कम्युनिस्टों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के प्रति हद दर्जे का नकारात्मक विमर्श खड़ा करने का काम किया है। जेएनयू, जाधवपुर एवं हैदराबाद विश्वविद्यालयों में प्रदर्शन, शाहीनबाग के प्रदर्शन, दिल्ली दंगे, तथाकथित किसान आंदोलन जैसे कई प्रसंगों में नकारात्मक विमर्श के कारण उत्पन्न नफरत खुलकर दिखायी दी है। जहाँ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय विचार के संगठनों की कब्र खोदने से लेकर भारत के टुकड़े-टुकड़े जैसे अतिवादी एवं हिंसक विचार अभिव्यक्त हुए।सार्वजनिक सभाओं में प्रधानमंत्री मोदी की बोटी-बोटी काटने के आह्वान किए गए। दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसा भाषण करनेवालों को कांग्रेस ने अपना नेता बनाया और उन्हें चुनाव में टिकट दिया। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने भी भारत के प्रधानमंत्री मोदी को लेकर अत्यधिक अतिवादी बयान दिए हैं।

उच्चतम न्यायालय ने तब शाहबानो के पति मोहम्मद अहमद खान को धारा 125 के अंतर्गत गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था

मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता अधिकार पर न्यायालय का फैसला ऐतिहासिक

अवधेश कुमार

महिलाओं के गुजारे भत्ते के संदर्भ में दिए फैसले पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड सहित कई मुस्लिम संस्थाओं और व्यक्तियों की प्रतिक्रिया ठीक वैसी ही है जैसे एक साथ तीन तलाक संबंधी फैसला पर थी। तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत पति से गुजारा भत्ता मांग सकती हैं। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 तथा अब भारतीय न्याय संहिता धारा 144 में गुजारा भत्ता प्राप्त करने का प्रावधान है जो सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होती है।

उच्चतम न्यायालय द्वारा मुस्लिम महिलाओं के गुजारे भत्ते के संदर्भ में दिए फैसले पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड सहित कई मुस्लिम संस्थाओं और व्यक्तियों की प्रतिक्रिया ठीक वैसी ही है जैसे एक साथ तीन तलाक संबंधी फैसला पर थी। तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत पति से गुजारा भत्ता मांग सकती हैं। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 तथा अब भारतीय न्याय संहिता धारा 144 में गुजारा भत्ता प्राप्त करने का प्रावधान है जो सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होती है। निश्चित रूप से इस फैसले ने 1985 में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए शाहबानो मामले के फैसले की स्मृतियां ताजा कर दी है जब इसी तरह के फैसले के विरुद्ध देश भर में मुस्लिम संस्थाओं और संगठनों ने सड़कों पर विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। सबका एक ही स्वर था कि न्यायालय हमारे मजहबी मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। हमारे परिवार, शादी विवाह, तलाक, संपत्ति आदि मामले शरिया कानून के अनुसार चलेंगे और उसमें न्यायालय का हस्तक्षेप हमें स्वीकार नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने तब शाहबानो के पति मोहम्मद अहमद खान को धारा 125 के अंतर्गत गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। उसके बाद राजीव गांधी सरकार ने सन 1986 में मुस्लिम महिला तलाक पर (अधिकारों का संरक्षण)कानून पारित कर इस फैसले को पलट दिया। उसमें इद्दत की अवधि, जो 90 दिन की होती है, के अलावा पतियों को गुजारा भत्ता देने की कानूनी अनिवार्यता से मुक्त कर दिया गया था। अब इन संगठनों और संस्थाओं की आक्रामकता में काफी कमी है, भाव लगभग वही है। क्या यह मान लिया जाए कि ये जो प्रतिक्रिया दे रहे हैं वही सही है? बिल्कुल नहीं। वर्तमान फैसला 1986 के उसे कानून को भी कटघरे में खड़ा करने वाला है। वैसे वर्तमान फैसले में न्यायालय ने उसे कानून की भी व्याख्या की है। इस फैसले में 2019 में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा एक साथ तीन तलाक रोकने के लिए बनाए कानून मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण अधिनियम के तहत दिए गए गैर कानूनी तलाक की पीड़िता के गुजारा भत्ते के बारे में भी

व्यवस्था दी गई है। वास्तव में इस कानून के पीछे भी धारणा यही थी कि मुस्लिम महिलाएं मजहब की आड़ में शोषित और पीड़ित न हों। न्यायालय की यह टिप्पणी ध्यान देने योग्य है कि गुजारा भत्ता खैरात नहीं है बल्कि महिलाओं का अधिकार है। वास्तव में इस फैसले से मुस्लिम विवाहित महिला विशेष कर तलाकशुदा मुस्लिम महिला के गुजारा भत्ता प्राप्त करने के कानूनी अधिकार पर इस फैसले से स्थिति स्पष्ट हो गई है। हालांकि न्यायालय ने इस संबंध में कोई पहला फैसला नहीं दिया है। मुस्लिम महिला को भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 में गुजारा भत्ता प्राप्त करने के अधिकार पर पहले भी मुहर लगाई थी। इस फैसले में धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता प्राप्त करने और शाहबानो फैसले के बाद आए 1986 के कानून पर तुलनात्मक विचार किया गया है जो पहले नहीं हुआ था। तो इसका कानूनी दृष्टि से महत्व यह है कि तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के धारा 125 में गुजारा भत्ता प्राप्त करने को लेकर मौजूद कानूनी भ्रम खत्म हो गया है। मुस्लिम पुरुष इसी धारा की आड़ लेकर अपना बचाव करते थे। वर्तमान मामले में तेलंगाना के मोहम्मद अब्दुल समद ने भी इसी धारा की आड़ लेकर अपनी तलाकशुदा पत्नी को गुजारा भत्ता देने से बचने की कानूनी रणनीति अपनाई थी। वैसे 2001 में डेनियल लतीफी बनाम भारत संघ मामले में भी उच्चतम न्यायालय ने 1986 के कानून की व्याख्या करते हुए कहा था कि महिलाओं के अधिकार इद्दत की अवधि के आगे भी रहते हैं। उस फैसले के बाद ही अधिनियम में लागू की गई रोक एक तरह से अप्रभावी हो गई। ध्यान रखिए डेनियल लतीफी ने ही उच्चतम न्यायालय में शाहबानो के पक्ष में वकालत किया था। उच्चतम न्यायालय ने शाहबानो मामले में 1985 के फैसले में कहा था कि धारा 125 में मुस्लिम महिला भी पति से भरण पोषण पाने की हकदार है। जब 2017 के सायराबानो मामलों में उच्चतम न्यायालय ने एक साथ तीन तलाक को असंवैधानिक और अवैध करार दे दिया था तो अब महिलाओं के विरुद्ध फैसला आने का कोई प्रश्न नहीं था। 2009 में भी उच्चतम न्यायालय ने मौलाना अब्दुल कादिर मदनी मामले में कहा था कि रीलिजन का पालन करने के अधिकार में दूसरों के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करने का अधिकार शामिल नहीं है। लैंगिक समानता के परिप्रेक्ष्य में उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया था कि पर्सनल लॉ संवैधानिक अधिकारों के अनुरूप होना चाहिए। 2014 के शमीम बानो बनाम अशरफ खान मामले में उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि मुस्लिम महिला तलाक के बाद भी अपने पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है और मजिस्ट्रेट के न्यायालय के समक्ष इसके लिए आवेदन कर सकती है। अब किसी महिला को तलाक के बाद मुस्लिम पति से गुजारा भत्ता लेने के लिए न्यायालय के समक्ष न इतने चक्कर काटने पड़ेंगे और न उन्हें इस तरह शरिया कानून से लेकर कानूनों की लंबी चौड़ी व्याख्या करनी होगी। 1986 के कानून के रहते हुए भी मुस्लिम महिला को अब समस्या नहीं आएगी। 2019 के तीन तलाक विरोधी कानून तथा वर्तमान फैसला आगे से ऐसे सभी मामलों में न्यायिक फैसले का आधार बनेगा। यह मामला तेलंगाना से जुड़ा हुआ था। उच्च न्यायालय ने 13 दिसंबर, 2023 को मुस्लिम महिला को धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। मोहम्मद अब्दुल समद ने उसे फैसले के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की थी। हालांकि अभी अब्दुल समद के पास बड़ी पीठ में जाने का रास्ता बचा हुआ है किंतु वहां भी अलग कुछ होगा यह मानने का कोई कारण नहीं है। न्यायालय ने इसमें पहले के कई कानून और फैसलों की नए सिरे से व्याख्या कर दी है।

दृष्टि कोण

नस्लभेद व रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक नेल्सन मंडेला

आज दक्षिण अप्रीका में पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को जेल की सजा के विरोध में हिसा और अशांति का माहौल है। इस अशांति का लाभ उठाकर वुछ उपद्रवियों ने भारतीयों को निशाना बनाया है। दक्षिण अप्रीका में करीब 14 लाख भारतीय रहते हैं। उनका योगदान देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण भी है। ऐसे में नेल्सन मंडेला के देश में हम उनके विचारों के अनुवूल शांति की कामना करते हैं। नेल्सन मंडेला की जयंती पर विशेष नेल्सन मंडेला अरुण वुमार वैहरबा असमानता व भेदभाव ने दुनिया की बड़ी आबादी के आगे बढ़ने के अवसरों को अवरुद्ध किया है। वहीं से समानता व न्याय के लिए आंदोलन भी हुए हैं। कितनी ही ऐसी शख्सियतें हुईं हैं, जिन्होंने भेदभाव व बुराइयों के विरुद्ध अथक संघर्ष किया। दक्षिण अप्रीका के पहले राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला भी ऐसे ही प्रेरक व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने नस्लभेद व रंगभेद के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष किया। उन्हें व्रूर सत्ता का दमन सहना पड़ा। कईं सालों तक उन्होंने कठोर कारावास के दौरान अनेक प्रकार की यातनाएं सही। जेल की सजा काटते हुए ही वे दुनियाभर में मानवाधिकार व रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक के रूप में प्रसिद्ध हुए। आजादी के बाद वे चुनावों में दक्षिण अप्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने। देश के पुर्ननिमाण में अपना योगदान दिया। नेल्सन रोहिल्हाला मंडेला का जन्म 18 जुलाईं, 1918 को इस्टर्न केप के म्वेजो में गेडला हेनरी म्फाकेनिस्वा और उनकी तीसरी पत्नी नेक्यूफी नोसकेनी के घर हुआ था। वे अपने पिता की वुल 13 संतानों में तीसरे नंबर पर थे। मंडेला के पिता हेनरी म्वेजो कस्बे के जनजातीय सरदार थे। स्थानीय भाषा में सरदार के बेटे को मंडेला कहा जाता था, जिससे उन्हें अपना उपनाम मिला। पिता ने मंडेला को रोहिल्हाला नाम दिया। जिसका अर्थ होता है-पेड़ की डालियों को तोड़ने वाला प्यारा और शैतान बच्चा। 12 साल की उम्र में मंडेला के पिता चल बसे। मंडेला को बचपन में ही रंगभेद का सामना करना पड़ा। स्वूल में भी उन्हें काला रंग होने के कारण भेदभावकारी नियमों की पालना करने के लिए कहा जाता था। सड़क पर चलते हुए सीना तान कर चलने तक पर पाबंदी थी। यदि कोईं काला व्यक्ति ऐसा करता था तो उन्हें जेल में भेजा जा सकता था। ऐसी स्थितियों में मंडेला सोचने को विवश हुए और उनके अंदर व्रांतिकारी जन्म लेने लगा, जो भेदभाव, शोषण व दमन पर आधारित व्यवस्था को बदल देना चाहता है। स्वूली शिक्षा के बाद हेल्डटाउन में मंडेला की आगामी शिक्षा हुईं। यहां एक ऐसा कॉलेज था जोकि काले लोगों के लिए ही बनाया गया था। यहीं पर मंडेला की मुलाकात ऑलिवर टांबो से हुईं और दोनों ने मिलकर रंगभेद के विरुद्ध व्रांतिकारी गतिविधियों की शुरुआत कर दी। कॉलेज प्रशासन को इस बात का पता चल गया तो दोनों को कॉलेज से निकाल दिया गया और परिसर में उनके प्रवेश करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। इस स्थिति में मंडेला अपने घर आ गए। उनके व्रांतिकारी विचारों को देखकर घर वाले भी परेशान हो गए। नजदीकी लोगों ने पारिवारिक जिम्मेदारियों के बोझ तले लाकर उन्हें सुधारने की कोशिश की। एक अच्छी सी लडकी देखकर शादी की तैयारियां शुरू हो गईं। लेकिन मंडेला ने अपने निजी जीवन पर सार्वजनिक जीवन को तरजीह दी। वे भाग कर जोहांसबर्ग आ गए। जोहांसबर्ग में उन्होंने एक खादान में चौकीदार की नौकरी की। वे अलेक्सेंडरा नाम की एक छोटी सी बस्ती में रहने लगे। बाद में उनकी मां भी उनके साथ आ गईं। यहां पर वॉल्टर सिसुलू और वॉल्टर एल्बरटाइन के विचारों से मंडेला खासे प्रभावित हुए। हर तरह के भेदभाव के विरुद्ध स्वतंत्रता, समानता व बंधुत्व के विचारों से जुड़ते हुए राजनीतिक सरगर्मियां भी बढ़ने लगी। मंडेला ने एक कानूनी फर्म में क्लर्व की नौकरी शुरू कर दी। अपने संघर्षो के दौरान ही वे पढ़ भी रहे थे। उन्होंने वकालत की शिक्षा पूरी की। 1944 में वे अप्रीकन नेशनल कांग्रेस में शामिल हो गए और कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे रंगभेद के विरुद्ध सांगठनिक आंदोलन से जुड़ गए। इस पाटा के अपने साथियों के साथ मिलकर उन्होंने अप्रीकन नेशनल कांग्रेस यूथ लीग की स्थापना की। 1947 में वे यूथ लीग के सचिव चुने गए। वे व्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़ गए थे। अल्जीरिया में जाकर उन्होंने सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया। वे रंगभेद विरोधी सरकार को अपने देश उखाड़ पेंकना चाहते थे। 1961 में उन्होंने नेशनल कांग्रेस उम्खोतों वे सिजवे नाम से सशस्त्र शाखा की शुरुआत की और वे इसके कमांडर इन चीफ थे। उन्होंने अंग्रेजी गोरों लोगों के नस्लवाद और रंगभेद की नीतियों को समाप्त करने और लोगों को संगठित करने के लिए देशभर में यात्राएं की। अश्वेतों के साथ भेदभाव करने वाले कानूनों को बदलने के लिए उन्होंने आवाज बुलंद की। वे सरकार के विरुद्ध हथियार उठाने के लिए लोगों को तैयार कर रहे थे। 12 जुलाईं, 1962 को इन्हीं संघर्षो के कारण उन्हें आजीवन कारावास की सजा दे दी गईं। रॉबेन द्वीप की जेल में उन्होंने 27 साल बिताए। यहां पर उन्हें अनेक प्रकार की यातनाएं दी जाती थी। जेल की सजा के दौरान उन्हें काफी वुछ पढ़ने का मौका मिला। वे गांधी जी के विचारों से खासे प्रभावित हुए। गांधी जी के सत्य और अहिसा के विचारों को उन्होंने अपना लिया। 11 फरवरी, 1990 में उनकी रिहाईं हुईं। जेल में रहते हुए ही वे मानवाधिकार की मुखर आवाज के रूप में पूरी दुनिया में पहचाने जाने लगे थे। जेल से रिहाईं के बाद उन्होंने समझौते और संधि की नीति अपनाईं और एक लोकतांत्रिक व बहुजातीय अप्रीका की नींव रखी।

कुछ अलग

आस्था जगत के नाथ और पालनहार भगवान जगन्नाथ

उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर से भारत के चारों धाम में से एक धाम जगन्नाथ पुरी पास ही पड़ता है। हिदू धर्म के आदि गुरु शंकराचार्यं ने प्राचीन जंबूद्वीप (भारत) में चारों कोनों में चार धर्मपीठ स्थापित किए थे। जो कालांतर में हिदुओं के प्रमुख धरमिक स्थल एवं तीर्थ स्थान बन गए। उन्हीं में से एक जगन्नाथपुरी है। बहुत बड़ा ताज्जुब का यह विषय है कि उड़ीसा में वुछ वर्ष पूर्व नवम्बर माह में आग एवं भीषण चावाती तूफान में पुरी क्या किसी भी स्थान के मंदिरों को रत्ती भर भी नुकसान नहीं पहुँचा था। जबकि बड़े बड़े विशाल वृक्ष एवं बिल्डगे धाराशायी हो गये। पर किसी भी मंदिर को वुछ भी नुकसान नहीं हुआ। यहाँ तक कि उनके गुंबज पर फहरा रहे झंडे का भी तूफान वुछ नहीं कर सका। सोचने की यह बात है कि जहाँ सैकड़ों मनुष्य काल कवलित हो गये, अरबों रुपयों का नुकसान हो गया। पचासों गाँव तूफान एवं बाढ़ में डूबकर बर्बाद हो गए पर इन मंदिरों को वुछ भी नुकसान नहीं हुआ। यह दैवीय चमत्कार नहीं है तो क्या हो सकता है। पुरी के सुप्रसिद्ध मंदिर श्री जगन्नाथ मंदिर की ऊंचाईं 214 फीट 8 इंच है। इसे तूफान न तो डगमगा सका और न ही तेज वर्षा और समुद्र के पानी से यह जल प्लावित हो सका। धरमिक विश्वास है कि जिस दिन समुद्र का पानी श्री जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश करेगा, उसी दिन पलय हो जायेगा। पुरी पहुँचने के बाद सबसे अधिक आतुरता जगन्नाथ पुरी मंदिर को देखने की होती है। यह मंदिर नगर के मध्य में बना है। जो काले पत्थरों को तराश कर बनाया गया है। मंदिर में प्रमुख प्रतिमा जगन्नाथ जी की है। इसके साथ साथ बलभद्र और सुभद्रा की मरूतियां भी प्रतिष्ठ हैं। इन प्रतिमाओं की विशेषता यह है कि ये प्रतिमायें चंदन की लकड़ी से बनी हैं, पर इन्हें हीरे-जवाहरात और बहुमूल्य रत्नों में सजाया गया है। जगन्नाथ की मरूति के भीतर एक अस्थि मंजूषा बताईं जाती है, जिसे प्रति बारह वर्ष में बदलकर नयी मरूति में प्रतिष्ठित कर दिया जाता है। कहा जाता है कि ये अस्थि अवशेष भगवान श्रीवृष्ण के हैं, किंतु भारतीय हिन्दू इतिहास में अस्थि संरक्षण की ऐसी कोईं अन्य उदाहरण देखने को नहीं मिलती है। बौद्ध मत में जरुर अस्थि आदि विशिष्ट अंगों के संरक्षण की परंपरा मिलती है। शायद इसी कारण पात्य विद्वान इन मरूतियों पर बौद्ध प्रभाव मानते हैं। और तीनों मरूतियों को बौद्धों के त्रिरत्नों, बुद्ध, संघ और धर्म का प्रतीक बताते हैं। ऐतिहासिक प्रमाणों से प्रमाणित होता है कि जहाँ आज यह विशाल मंदिर बना है, वहाँ पहले एक बौद्ध स्तूप था ऐतिहासिक दृष्टि से मंदिर का जो भी इतिहास हो, पर आज शैलिक दृष्टि से यह मंदिर अत्यंत आकर्षक और महत्वपूर्ण है। जगन्नाथ जी का मंदिर बेहद विशाल है और दो परकोटों के भीतर है। इसमें चारों ओर चार महाद्वार हैं। पूरब का सिह द्वार सबसे सुंदर है। जिसके दोनों ओर दो सिह मरूतियाँ सजीव सी लगती है। सिह मरूतियों के सामने काले पत्थर का सुंदर गरुड़ स्तम्भ है, जिस पर कोणार्व से लाकर स्थापित किया हुआ उच्च अरुणा स्तम्भ है। इसकी प्रदक्षिणा तथा सिहद्वार को प्रणाम करके द्वार में प्रवेश करने पर दाहिनी ओर भगवान जगन्नाथ जी के श्री विग्रह दिखाईं पड़ने लगते हैं। मंदिर के दक्षिण में अरब द्वार उत्तर में हाथी द्वार और पामि में बाघ द्वार है। द्वारों का यह नामकरण उनके निकट स्थित जानवरों की मरूतियों के नाम पर किया गया है। मुख्य मंदिर के अंदर पामि की ओर एक रत्न वेदी पर सुदर्शनचक शोभायमान है।

देश दुनिया से

उप्र जनसंख्या नियंत्रण विधेयक 2021 एक साहसिक व सराहनीय कदम

हर आलोचक पिछले 10-15 वर्षो की आवश्यक वस्तुओं की तुलना आज की चीजों की कीमत से कर रहा है और यह सही भी है कि आज पेट्रोल के दाम 100 रुपए से ऊपर और सरसों के तेल समेत सभी खाद्य तेल 200 रुपए से ऊपर पहुंच गया है। हर आम-खास को यही चिन्ता सता रही है कि एक ओर कोरोना के कारण आर्थिक गतिविधियां ठप हैं और बढ़ती हुई महंगाईं हमारा जीना दूभर किए जा रही है। इस समस्या के लिए सरकार या प्रशासन को कोसने के बजाय हमें इस समस्या की जड़ में जाने की आवश्यकता है। वह है देश में जनसंख्या का विस्फोट और हमारी जनसंख्या इसी तरह बढ़ती रही तो हम एक दशक के पात इस मामले में चीन को भी पीछे छोड़ देंगे।

पिछले वुछ दिनों से बढ़ती हुई महंगाईं, वस्तुओं की कमी, पेट्रोल की बढ़ती हुईं कीमतों पर सरकार को लगातार घेरने की कोशिश की जा रही है। हर आलोचक पिछले 10-15 वर्षो की आवश्यक वस्तुओं की तुलना आज की चीजों की कीमत से कर रहा है और यह सही भी है कि आज पेट्रोल के दाम 100 रुपए से ऊपर और सरसों के तेल समेत सभी खाद्य तेल 200 रुपए से ऊपर पहुंच गया है। हर आम-खास को यही चिन्ता सता रही है कि एक ओर कोरोना के कारण आर्थिक गतिविधियां ठप हैं और बढ़ती हुईं महंगाईं हमारा जीना दूभर किए जा रही है। इस समस्या के लिए सरकार या प्राशासन को कोसने के बजाय हमें इस समस्या की जड़ में जाने की आवश्यकता है। वह है देश में जनसंख्या का विस्फोट और हमारी जनसंख्या इसी तरह बढ़ती रही तो हम एक दशक के पात इस मामले में चीन को भी पीछे छोड़ देंगे। कभी-कभी हमारे बड़े बुजुर्ग प्रायः यह कहते रहते हैं कि हमारे जमाने में चीजें बड़ी सस्ती होती थीं परन्तु विगत वुछ दशकों में हमारी जनसंख्या 130 करोड़ से ऊपर हो चुकी है। बढ़ती हुईं जनसंख्या की आवश्यकता की आपूर्ति हमारे प्रावृतिक संसाधनों का दोहन करके भी पूरी नहीं की जा सकती। अब तो हम ऑक्सीजन की उपलब्धता के लिए भी जद्दोजहद कर रहे हैं। जमीन के नीचे का जलस्तर दिनोंदिन नीचे जा रहा है और गर्मियां आते ही नलवूपों और पानी पीने के हैंडपंप सूख जाते हैं। इन सब समस्याओं से निजात पाने का एक ही रास्ता है जनसंख्या पर नियंत्रण, अगर यह नहीं किया गया तो स्थिति निाति तौर पर हाथ से निकल जाएगी। अब तो सरकार के पास एक ही विकल्प है कि जनसंख्या नियंत्रण परन्तु 70 के दशक से ही आबादी की वृद्धि पर सरकार को यह समझ में आ गया था और इसलिए सरकार द्वारा परिवार नियोजन कार्यंव्राम चलाए जाने लगे थे और उस समय हम दो हमारे दो का नारा हर दीवार पर लिखा होता था। उसके पात 1975 में आपातकाल के दौरान श्री संजय गांधी की पहल पर नसबंदी अभियान चलाया गया। यद्यापि यह अच्छी पहल थी परन्तु वुछ स्वाथा लोगों द्वारा श्री संजय गांधी और उनके सहयोगियों को खुश करने के उद्देश्य से छोटे बच्चों और बुजुर्गो की जबरदस्ती नसबंदी ने इस अभियान के उद्देश्य को ही समाप्त कर दिया। उसके बाद जो भी सरकारें आईं उन्होंने परिवार नियोजन के चलाने का प्रायास किया। संसद में इस विषय पर कईं बार चर्चाएं हुईं परन्तु सरकार इन कार्यंव्रामों की जानकारी और इसके लाभ को पिछड़े और आदिवासी क्षेत्रों में नहीं पहुंचा पाईं जिसका परिणाम यह हुआ कि ग्रामीण भारत के अशिक्षित क्षेत्रों के लोग बच्चों को ईश्वर की देन मानकर दर्जनों बच्चे पैदा करते रहे और कहीं-कहीं तो बेटी की आस में कईं बेटियां पैदा होती रहीं, यह सब अशिक्षा और अंधविश्वास के कारण ही होता रहा। एक बार सन 1989 में श्री विश्वनाथ प्रताप सिह जी की सरकार के समय जनसंख्या नियंत्रण पर चर्चा चल रही थी इस पर किसी विपक्षी ने तंज किया कि सरकार में दर्जनों मंत्री ऐसे हैं जिनके छह-छह बच्चे हैं और इस सरकार के समर्थन वाले दलों में कईं ऐसे सांसद हैं जिनके नौ से अधिक बच्चे हैं। ऐसे में हम अशिक्षित और गरीब जनता को परिवार नियोजन और सीमित परिवार के लाभ के विषय में वैसे समझा सकते हैं। इन परिस्थितियों में उप्रा की योगी जी की सरकार का उप्रा जनसंख्या नियंत्रण विधेयक का पैसला जनसंख्या नियंत्रण में काफी परिणामदायक हो सकता है। उप्र सरकार का जनसंख्या नियंत्रण (स्थिरीकरण और कल्याण) विधेयक 2021 का पैसला स्वागत योग्य है। यदि दो बच्चों से ज्यादा बच्चे होने पर स्थानीय निकायों के चुनाव लड़ने पर प्रातिबंध लगाया जा सकता है तो इसे विधानसभा और लोकसभा पर भी लागू किया जाना चाहिए। लेकिन हमारे नेता अच्छी तरह से जानते हैं कि यदि इसे विधानसभा चुनावों पर लागू कर दिया जाए तो 50 प्रातिशत विधायक चुनाव लड़ने के अयोग्य हो जाएंगे और यही दो बच्चों की नीति पर सरकारी सुविधाओं को आधार बनाया जाए तो हमारे 186 सांसद इस दायरे में आ सकते हैं। इसलिए दो बच्चों की नीति पर जो भी नियम बनाए जाएं उस पर कोईं अपवाद नहीं होना चाहिए। वुछ लोग अपनी धार्मिक मान्यताओं और पर्सनल लॉ की आड़ में जनसंख्या नियंत्रण कानून का विरोध कर सकते हैं पर ऐसे में वेंद्र सरकार को इस विषय में आगे आना चाहिए और विवाह, तलाक आदि मामलों में हिन्दुस्तान में रहने वाले सभी धर्मो के अनुयायियों के लिए कॉमन सिविल कोड लाना चाहिए जैसा कि सर्वोच्च न्यायालय सहित विभिन्न न्यायालय भी सामान नागरिक संहिता की बात कर चुके हैं क्योंकि सभी नागरिकों के लिए सामान नागरिक संहिता न सिर्प बच्चों और महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण सुनिाति करेगी और देश में बढ़ती हुईं जनसंख्या पर नियंत्रण भी करेगी बल्कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को अच्छी शिक्षा, अच्छा स्वास्थ्य और सबको समुचित रोजगार दे सवेंगे।

आप का नजरिया

सब स्वीकार करें भोजशाला का सच

राजा भोज द्वारा निर्मित धार की भोजशाला पर लंबे समय से विवाद की स्थितियां बनी हुई हैं। अकसर यह विवाद सांप्रदायिक तनाव का स्वरूप ले लेता है। इसलिए आवश्यक है कि भोजशाला को लेकर स्थिति स्पष्ट हो। हिन्दुओं के लिए यह स्थान माँ सरस्वती का मंदिर है। वहीं, मुस्लिम इस स्थान को कमाल मौलाना से जोड़कर देखते हैं। हालांकि, प्रमाण इसी बात की गवाही देते हैं कि यह हिन्दुओं का पवित्र स्थान है। जैसा कि अन्य स्थानों पर आक्रांताओं ने हिन्दुओं का अपमान करने की दृष्टि से मंदिरों को तोड़कर उसके ही अवशेषों से तथाकथित मस्जिदें बना दी थीं, वैसा ही घटनाक्रम भोजशाला में हुआ जान पड़ता है। केंद्रीय पुरातत्व विभाग ने भोजशाला परिसर का वैज्ञानिक पद्धति से सर्वेक्षण करके, 2000 पन्नों की एक विस्तृत रिपोर्ट उच्च न्यायालय को सौंप दी है। तीन महीने से अधिक समय तक चले वैज्ञानिक सर्वेक्षण के दौरान ही बहुत सारे प्रमाण देश के सामने आ चुके हैं, जो बताते हैं कि भोजशाला का निर्माण राजा भोज ने कराया था और यह एक प्राचीन हिन्दू मंदिर है। सर्वेक्षण के दौरान 94 पौराणिक मूर्तियां मिली हैं। खंभों पर हिन्दू देवताओं की आकृतियां दिखायी देती हैं। खुदाई में हिन्दू भगवान गणेश, ब्रह्मा, नरसिंह और भैरव सहित अन्य देवताओं की मूर्तियां मिली हैं। इसके साथ ही पौराणिक काल के सिक्के भी सर्वे के दौरान मिले हैं। कुल मिलाकर 1700 से अधिक अवशेष और ठोस प्रमाण मिले हैं, जो भोजशाला पर हिन्दुओं के दावे को मजबूत करते हैं। किसी मस्जिद या दरगाह में से हिन्दू देवी-देवताओं के अवशेष क्यों निकलेंगे भला? ये अवशेष तो भोजशाला की हिन्दू कहानी को ही सुना रहे हैं। इतने सब प्रमाण सामने आने के बाद होना तो यह चाहिए कि मुस्लिम समुदाय भोजशाला पर अपना जबरन का दावा छोड़ दे। यदि मुस्लिम समुदाय प्रमाणों के सामने आने के बाद भी जोर-जबरदस्ती करता हुआ दिखायी देगा तो उससे यही संदेश जाएगा कि आज भी भारत का मुसलमान आक्रांताओं के साथ अपने संबंध जोड़ता है। सांप्रदायिक सद्भाव की दिशा में मुस्लिम समुदाय को भी उदारता एवं समझदारी दिखानी चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि काशी से लेकर अयोध्या तक मुस्लिम समाज ने कभी भी उदारता का प्रदर्शन नहीं किया। हैरानी है कि खुला सच होने के बाद भी मुस्लिम समुदाय उसे स्वीकार क्यों नहीं करता है? कोई सामान्य व्यक्ति भी भोजशाला को प्रथम दृष्टया देखकर बता सकता है कि यह एक हिन्दू मंदिर है लेकिन इस सामान्य बात को मुस्लिम समुदाय स्वीकार करने को तैयार नहीं है। केंद्रीय पुरातत्व विभाग की रिपोर्ट में विस्तार से भोजशाला से प्राप्त प्रमाणों का उल्लेख है। इसलिए अनुमान है कि न्यायालय का निर्णय हिन्दुओं के पक्ष में ही आएगा। यह अंदाजा मुस्लिम पक्षकारों को भी है इसलिए उसकी ओर से मामले को सर्वोच्च न्यायालय तक लेकर जाने के संकेत दिए जा रहे हैं। मुस्लिम पक्षकारों को यह बात ध्यान रखना चाहिए कि ऐसा करके मामले को कुछ दिन और खींचा जा सकता है लेकिन सत्य को नहीं बदला जा सकता है। सच को जितनी जल्दी स्वीकार कर लिया जाए, उतना ही अच्छा है।

प्रधानमंत्री ओली के विश्वास मत की परीक्षा तीन पार्टियां विरोध में करेंगी मतदान

काठमांडू , 21 जुलई (एजेंसियां) ।

नेपाल में हाल ही में पीएम पद की शपथ लेने वाले केपी शर्मा ओली संसद में विश्वास मत पेश करेंगे। उनके विरुद्ध तीन पार्टियां मतदान करेंगी। इनमें कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-माओवादी सेंटर (सीपीएन-एमसी), राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड सोशलिस्ट शामिल हैं। हालांकि प्रचंड की पार्टी से नाता तोड़कर ओली ने नेपाली कांग्रेस से हाथ मिलाया है जिसके साथवह पूर्ण बहुमत में हैं, अत: उनकी जीत तय है। प्रचंड की पार्टी से समर्थन वापस लेकर नेपाली कांग्रेस से मिलाया हाथ पिछले सप्ताह नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-माओवादी सेंटर से ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) ने समर्थन वापस ले लिया था। इसके बाद ओली ने नेपाली संसद में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस से हाथ मिला लिया। इसके चलते प्रचंड संसद में विश्वास मत हार गए थे। इसके बाद कम्युनिस्ट नेता केपी शर्मा ओली ने चौथी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उनको भी संसद में विश्वास मत हासिल करना है। सुप्रीम कोर्ट में भी होगी सुनवाई एक ओर जहां ओली संसद में शक्ति परीक्षण करा रहे होंगे तो दूसरी ओर उनकी नियुक्ति को लेकर दायर की गई याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। कोर्ट में डाली गई याचिका में ओली की नियुक्ति को असंवैधानिक बताते हुए रद्द करने की मांग की गई थी। वहीं मामले में तीन अधिवक्ताओं ने रिट दायर कर कहा था कि अगर गठित सरकार शक्ति परीक्षण में विफल रहती है तो राष्ट्रपति को नई सरकार के गठन के लिए दूसरे गठबंधन को बुलाना चाहिए। मामले में कोर्ट 21 जुलाई को सुनवाई करेगी। ओली के विश्वास मत जीतने की संभावना नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली संसद में विश्वास मत जीत सकते हैं। उन्होंने 21 मंत्रिमंडल सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। नेपाल संविधान के मुताबिक ओली को प्रधानमंत्री बनने के 30 दिन में संसद में विश्वास मत हासिल करना है। जिसे वह आसानी से हासिल कर लेंगे। 275 सदस्यों वाली नेपाल की संसद में सरकार बनाने के लिए 138 सदस्यों का बहुमत चाहिए। नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल के पास 167 सदस्य हैं।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप पर गोली चलाने वाले शूटर के स्कूल ने किए कई खुलासे, कहा- उसके साथ कभी कोई दुर्व्यवहार नहीं हुआ

वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप गोली चलाने वाले 10वीं के छात्र थॉमस मैथ्यू क्रुक्स की मौत के बाद कई चौंकाने वाले दावे सामने आ रहे हैं। उनके स्कूल ने उनके राइफल टीम में शामिल होने समेत कई दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने पिछली सारी रिपोर्टों का खंडन कर दिया है। 13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया में डोनाल्ड ट्रंप की रैली के दौरान 20 साल के थॉमस मैथ्यू क्रुक्स ने ट्रंप पर जानलेवा हमला किया था, लेकिन इस हमले में ट्रंप बाल-बाल बच गए थे और गोली उनके कान को छूकर निकल गई थी। बाद में सीक्रेट सर्विस एजेंट्स की जवाबी कार्रवाई में हमलावर क्रुक्स को मौके पर ही ढेर कर दिया गया था। ट्रंप पर हमले के बाद जब पुलिस ने थॉमस क्रुक्स के घर के घर छापा मारा तो उन्हें तलाशी में क्रुक्स की कार से विस्फोटक डिवाइस भी प्राप्त हुई। साथ ही उसके घर पर दर्जनभर हथियार भी बरामद हुए। जांच में ये भी पता चला है कि हमले से पहले हमलावर ने डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन के बारे में ऑनलाइन सर्च किया था। हमलावर ने पेंसिल्वेनिया में ट्रंप की रैली की तारीख भी सर्च की थी। साथ ही अगस्त में होने वाले डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के बारे में भी सर्च किया था। जांच में ये भी पता चला है कि हमलावर ने हमले से कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। सोशल मीडिया मंच स्टीम पर साझा पोस्ट में हमलावर ने लिखा था कि 13 जुलाई को उसका भी प्रीमियर है और देखते हैं कि क्या होता है। हाईस्कूल में पढ़ने वाले शूटर थॉमस मैथ्यू क्रुक्स ने पेंसिल्वेनिया रैली शूटिंग के बाद चौंकाने वाले दावे किए गए। लेकिन बेथेल पार्क हाईस्कूल ने उन दावों से इंकार किया कि क्रूक्स ने स्कल की राइफल टीम के लिए प्रयास किया था, उसे धमकाया गया था। स्कूल ने दावा किया कि उसके पास क्रूक्स के राइफल टीम के लिए प्रयास करने का कोई रिकॉर्ड ही नहीं है। यहां तक कि कोच को तक याद नहीं है, कि वे कभी उससे मिले हैं। उन्होंने कहा कि यह हो सकता है कि क्रूक्स अनौपचारिक रूप से अभ्यास में शामिल हुआ हो, शॉट लिया हो और फिर कभी वापस नहीं लौटा। स्कूल ने बताया कि हमारे पास उसके यहां आने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। स्कूल ने यह भी दावा किया कि उसके साथ स्कूल में किसी प्रकार की कोई घटना नहीं हुई।

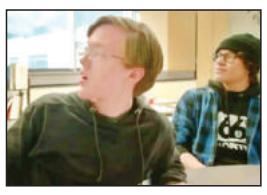

ताइवान पर चीनी हमले का खतरा बढ़ा, 60 प्रतिशत ताइवानी हैं ड्रैगन से खौफजदा

ताइपे । मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एकेडेमिया सिनिका के यूरोपीय और अमेरिकी अध्ययन संस्थान के सहायक अनुसंधान फेलो जेम्स ली ने कहा, सर्वेक्षण में इस बात पर चर्चा की गई कि संयुक्त राज्य अमेरिका की विश्वसनीयता और समय के साथ इसमें किस तरह का बदलाव आया है और चीन का खतरा कितना बढ़ा है। एक सर्वेक्षण में खुलासा हुआ है कि ताइवान पर चीन के हमले का खतरा बढ़ गया है। ताइवान के लोगों ने खुद ये बात स्वीकार की है। ताइवान स्थित एकेडेमिया सिनिका द्वारा किए गए सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि ताइवान के लगभग 60 प्रतिशत निवासियों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में ताइवान के विरुद्ध चीन का खतरा बढ़ गया है। 80 फीसदी लोग ताइवान और चीन को एक देश नहीं मानते मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एकेडेमिया सिनिका के यूरोपीय और अमेरिकी अध्ययन संस्थान के सहायक अनुसंधान फेलो जेम्स ली ने कहा, सर्वेक्षण में इस बात पर चर्चा की गई कि संयुक्त राज्य अमेरिका की विश्वसनीयता और समय के साथ इसमें किस तरह का बदलाव आया है और चीन का खतरा कितना बढ़ा है, साथ ही ताइवान के लोग अमेरिकी और चीनी संकेतों को किस तरह देखते हैं। खास बात ये है कि 80 फीसदी ताइवान के लोग मानते हैं कि चीन और ताइवान एक देश नहीं हैं। वहीं 13 फीसदी लोगों का मानना है कि चीन और ताइवान एक ही देश हैं। ताइवान में अमेरिका की विश्वसनीयता बढ़ी सर्वेक्षण रिपोर्ट में अमेरिकी विश्वसनीयता में 7.2 प्रतिशत अंकों की वृद्धि देखी गई है, जो साल 2023 के 34 प्रतिशत से बढ़कर इस साल 41 प्रतिशत हो गई है। ताइवान के लोग इस बात पर भी एकमत नहीं हैं कि अगर ट्रंप, अमेरिका के राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो फिर अमेरिका ताइवान का बचाव करेगा या नहीं। यह सर्वेक्षण ऐसे समय हुआ है, जब चीन और ताइवान के बीच तनाव बढ़ रहा है। हाल ही में भी ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के 22 पीएलए विमानों और 8 पीएलएएन जहाजों ने ताइवान की सीमा का उल्लंघन किया। ताइवान की सेना भी वार्षिक हान कुआंग सैन्य अभ्यास कर रही है। ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हाल के वर्षों में ताइवान के लिए सैन्य खतरा बढ़ा है।

पिछले एक सप्ताह में चीन में भारी बारिश के कारण बाढ़, अब तक 20 की मौत, 60 से अधिक लापता

बीजिंग, 21 जुलई (एजेंसियां) ।

उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी चीन में अचानक बाढ़ आने से लगभग 20 लोगों की मौत हो गई, कई लोग लापता हैं। पिछले सप्ताह हुई भारी बारिश के कारण यहां बाढ़ आई है, यही नहीं एक दिन पहले पुल ढहने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। चीन में अचानक बाढ़ आने से स्थिति गंभीर हो गई है। बाढ़ से 20 लोगों की मौत की खबर आ रही है। वहीं दर्जनों लोग लापता हो गए हैं। वहीं बीते रोज बाढ़ के कारण एक पुल भी ढह गया था। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि वह पुल के पास पहुंच गया था, लेकिन अन्य वाहन चालकों के चिल्लाने की आवाज आई वे मुझे ब्रेक लगाने और कार रोकने के लिए कह रहे थे। उपनाम मेंग ने बताया कि मेरे सामने एक ट्रक नहीं रुका और पानी में गिर गया। वहीं मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने लापता लोगों को ढूंढने के लिए बचाव और राहत प्रयास करने का आग्रह किया है। इसी बीच दक्षिण-पश्चिमी सिचुआन प्रांत के याआन कस्बे में रातभर भयंकर तूफान के कारण आई बाढ़ के बाद 30 से अधिक लोग लापता बताए हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आठ शव बरामद कर लिए गए थे, जबकि चार लोगों को बिना गंभीर चोट के बचा लिया गया। वहीं शांक्सी के बाओजी शहर में बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन के कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और आठ लापता हो गए। मीडिया रिपोर्ट में कीचड़ भरे पानी से पूरी तरह घिरे इलाकों की तस्वीरें प्रसारित की गई। जहां खुदाई करने वाले और निवासी नुकसान को साफ करने का प्रयास कर रहे हैं। मध्य चीन में शांक्सी के पड़ोसी अर्ध-रेगिस्तानी प्रांत गांसू और हेनान भी इस सप्ताह भारी बारिश से प्रभावित हुए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन इस समय अत्यधिक गर्मी का सामना कर रहा है, जहां पूर्व और दक्षिण में भारी बारिश हो रही है, जबकि उत्तर का अधिकांश भाग लगातार गर्म लहरों की चपेट में है। जलवायु परिवर्तन के कारण पहले भी हुए हादसे जलवायु परिवर्तन, जिसके बारे में वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण यह और भी अधिक गंभीर हो गया है, ऐसी चरम मौसमी घटनाओं को अधिक बार-बार तथा अधिक तीव्र बना रहा है। मई में, दक्षिणी चीन में कई दिनों की बारिश के बाद एक राजमार्ग ध्वस्त हो गया, जिसमें 48 लोग मारे गये। वहीं इस माह, पूर्वी चीन के एक कस्बे से एक बवंडर गुजरा, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, 79 घायल हो गए तथा भारी क्षति हुई। दस्तक दे सकता है उष्णकटिबंधीय तूफान इस सप्ताह दो उष्णकटिबंधीय चक्रवात चीन के पूर्वी समुद्र तट पर तूफान और भारी वर्षा लेकर आएंगे, जिनमें से पहला भूस्खलन करेगा, जबकि सप्ताहांत में देश के आंतरिक भागों में घातक बाढ़ आई थी। राष्ट्रीय पूर्वानुमानकर्ताओं ने इसका नाम प्रपिरून रखा है। एक शक्तिशाली उष्णकटिबंधीय तूफान के रूप में चीन के सुदूर दक्षिणी द्वीप प्रांत हैनान में दस्तक देगा। यह इस वर्ष चीन में आने वाला पहला उष्णकटिबंधीय चक्रवात होगा। फिलीपींस की राजधानी मनीला से लगभग 530 किमी. (330 मील) उत्तर-पूर्व में था, के ताइवान के उत्तरी सिरे से गुजरने तथा उसके बाद 50 मीटर प्रति सेकंड (180 किमी. प्रति घंटे) की गति से हवा चलने के कारण तूफान के रूप में चीन में दस्तक देने की संभावना है।

यमन के बंदरगाह पर हमले के बाद नेतन्याहू की दुश्मनों को चेतावनी- नुकसान पहुंचाया तो कीमत चुकानी होगी

जेरूसलम। इजराइल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने देश की ओर आंख उठाने वालों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि इजराइल के दुश्मन हमारे अपने देश की हर हाल मे रक्षा के संकल्प पर संदेह न करें। हमें नुकसान पहुंचाने वालों को इसकी भारी कीमत चुरानी पड़ सकती है। दरअसल तेल अवीव की सड़कों पर हुए विस्फोट में एक इजराइली नागरिक मारा गया। यह हमला ईरान समर्थित विद्रोहियों द्वारा ड्रोन द्वारा किया गया था। इसके बाद इजराइल ने जवाब में लड़ाकू विमान से यमनी बंदरगाह पर हमला कर तीन लोगों को मार डाला। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा जिस बंदरगाह को निशाना बनाया गया वह कोई निर्दोष बंदरगाह नहीं था। उन्होंने बताया कि इस बंदरगाह का इस्तेमाल ईरान द्वारा अपने हूती आतंकवादियों को आपूर्ति किए जाने वाले हथियारों के प्रवेश द्वार के रूप में किया जाता था। हूती विद्रोहियों ने इन हथियारों का इस्तेमाल इजराइल पर हमला करने, क्षेत्र के अरब देशों पर हमला करने और कई अन्य पर हमला करने के लिए किया। नेतन्याहू ने कहा कि यह हमला तेल अवीव में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास से सौ गज की दूरी पर हुए जानलेवा ड्रोन हमले के सीधे जवाब में किया। इसमें एक की मौत और कई अन्य घायल हो गए। पिछले आठ महीनों में हूती विद्रोहियों इजराइल के खिलाफ सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और ड्रोन दागे। उन्होंने कहा कि इन हमलों में अधिक जनहानि इसलिए नहीं हुई क्योंकि इजराइल और उनके सहयोगियों ने रक्षात्मक उपाय किए हुए हैं। उन्होंने बताया, लेकिन इजराइल पर हुआ ड्रोन हमला दिखाता है कि हूती विद्रोही को रोकने के लिए रक्षात्मक कार्रवाई से कहीं ज्यादा आक्रामक कार्रवाई की भी जरूरत है। ईरान के आतंकी संगठनों को उनकी बेशर्मी भरी आक्रामकता की कीमत चुकानी पड़े। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और अंतरराष्ट्रीय समुद्री गठबंधन के अन्य सदस्यों को धन्यवाद दिया। जिनका गठन हूती हमलों को रोकने के लिए किया गया था।

बांग्लादेश से 5000 से ज्यादा विदेशी छात्र भारत पहुंचे, इनमें साढ़े चार हजार भारतीय

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के कारण अब तक करीब साढ़े चार हज़ार भारतीय छात्र स्वदेश लौट आए हैं तथा नेपाल, भूटान और मालदीव के लगभग साढ़े पांच सौ अन्य छात्र भी भारत आये हैं। विदेश मंत्रालय ने रविवार को यहां एक बयान में बताया कि पिछले दो दिनों से ढाका में भारतीय उच्चायोग और चटगांव, राजशाही, सिलहट और खुलना में सहायक उच्चायोग बंगलादेश में हालिया घटनाक्रम के बाद भारतीय नागरिकों की घर वापसी में सहायता कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय भारतीय नागरिकों के लिए भूमि-सीमा पारगमन केंद्रों और हवाई अड्डों पर सुगम मार्ग सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ भी समन्वय कर रहा है।चयनित भूमि सीमा पारगमन केंद्रों के माध्यम से स्वदेश वापसी के दौरान सड़क मार्ग से उनकी यात्रा के लिए, जहां आवश्यक है, सुरक्षा एस्कॉर्ट की भी व्यवस्था की गई है। ढाका में उच्चायोग भारत और बंगलादेश के बीच उड़ान सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बंगलादेश के नागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारियों और वाणिज्यिक एयरलाइनों के साथ भी समन्वय कर रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार अब तक 4500 से अधिक भारतीय छात्र भारत लौट चुके हैं। नेपाल के 500, भूटान के 38 और मालदीव का एक छात्र भी भारत पहुंचे हैं। भारतीय उच्चायोग और सहायक उच्चायोग भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ नियमित संपर्क में बने हुए हैं। वे बंगलादेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में शेष छात्रों और उनके कल्याण और सहायता के लिए भारतीय नागरिकों के साथ भी नियमित संपर्क में हैं। बयान के मुताबिक ढाका में भारतीय उच्चायोग और बंगलादेश में भारत के सहायक उच्चायोग नीचे सूचीबद्ध आपातकालीन संपर्क नंबरों के माध्यम से भारतीय नागरिकों द्वारा आवश्यक किसी भी सहायता के लिए उपलब्ध हैं। भारतीय उच्चायोग, ढाका +880-1937400591, भारतीय सहायक उच्चायोग, चटगांव +880-1814654797 / +880-1814654799, भारतीय सहायक उच्चायोग, राजशाही +880-1788148696, भारतीय सहायक उच्चायोग, सिलहट +880-1313076411/ +880-1313076417 भारतीय सहायक उच्चायोग, खुलना +880-1812817799.

पाकिस्तान ने इजराइली प्रधानमंत्री को बताया आतंकवादी यहूदी देश के उत्पादों पर भी लगाया प्रतिबंध

इस्लामाबाद, 21 जुलई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान की सरकार ने कहा है कि वह इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को आतंकवादी मानती है। पाकिस्तान ने मांग की कि फलस्तीनियों के खिलाफ युद्ध अपराध के लिए नेतन्याहू को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के राजनीति और सार्वजनिक मामलों पर सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा कि नेतन्याहू एक आतंकवादी हैं और युद्ध अपराध के दोषी हैं।

तहरीक ए लब्बैक पार्टी के हजारों समर्थकों ने किया विरोध प्रदर्शन

राणा सनाउल्लाह ने कहा कि पाकिस्तान में ऐसी कंपनियों और उत्पादों की पहचान के लिए एक समिति भी गठित की गई है, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इजराइल या फलस्तीनियों के खिलाफ युद्ध अपराध करने वाली ताकतों को बढ़ावा दे रही हैं। पाकिस्तान की धार्मिक और राजनीतिक पार्टी तहरीक ए लब्बैक पाकिस्तान के हजारों समर्थकों ने इस्लामाबाद में गाजा युद्ध के खिलाफ सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध कार्यक्रम में राणा सनाउल्लाह

भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने गाजा में तत्काल युद्ध विराम की मांग की और पाकिस्तानी सरकार से इजराइली प्रधानमंत्री को आतंकवादी घोषित करने की अपील की।

गाजा में राहत सामग्री भेजेगी पाकिस्तान सरकार

पाकिस्तान और इजराइल के बीच सीधा कोई व्यापारिक संबंध नहीं है, लेकिन कई पश्चिमी ब्रांड इजराइली उत्पाद पाकिस्तान में बेचते हैं। राणा सनाउल्लाह ने कहा कि हम न केवल इजराइल का बहिष्कार करेंगे बल्कि इससे संबंधित सभी उत्पादों और उन कंपनियों का भी बहिष्कार करेंगे, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से क्रूर ताकतों की मदद कर रही हैं।

सॉफ्टवेयर ने 85 लाख कंप्यूटर प्रभावित किए, भारत में हवाईअड्डों पर विमानन प्रणालियां हुईं सामान्य

वाशिंगटन डीसी, 21 जुलई (एजेंसियां) ।

वैश्विक आईटी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि साइबर सिक्यूरिटी फर्म क्राउडस्ट्राइक की ओर से दोषपूर्ण सॉफ्टवेयर अपडेट किए जाने से उसके 85 लाख कंप्यूटर प्रभावित हुए। माइक्रोसॉफ्ट ने एक ब्लॉग में कहा, वर्तमान में हमारा अनुमान है कि क्राउडस्ट्राइक के अपडेट ने 85 लाख विंडोज उपकरणों या सभी विंडोज मशीनों के एक प्रतिशत से भी कम को प्रभावित किया है। कंपनी ने कहा कि क्राउडस्ट्राइक ने एक मापनीय समाधान विकसित करने में मदद की है जो माइक्रोसॉफ्ट के एज्योर इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से ठीक करने में मदद करेगा। भारत के हवाईअड्डों पर परिचालन सामान्य माइक्रोसॉफ्ट के कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के अपडेट में तकनीकी खामी से आए वैश्विक आईटी व्यवधान से प्रभावित हुए हवाई अड्डों पर विमानन कंपनियों का परिचालन सामान्य हो गया। टिकट बुकिंग से लेकर आरक्षण और बोर्डिंग पास जारी करने तक की सभी सेवाएं पूरी तरह से ऑनलाइन हो गईं। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू ने यह जानकारी दी। नायडू ने कहा, देश के सभी हवाई

अड्डों पर विमानना प्रणालियां सामान्य ढंग से काम कर रही हैं। उड़ानों का संचालन भी बिना व्यवधान के हो रहा है। मंत्रालय लगातार नजर रख रहा है ताकि यात्रा समायोजन और रिफंड का ध्यान रखा जा सके। एक विमानन कंपनी के कार्यकारी ने बताया कि सभी काम सामान्य हो गए हैं। बुकिंग और आरक्षण सहित हमारी सभी सेवाएं ऑनलाइन हैं। सिस्टम बहाल हो गया है और हमारी सेवाओं में कोई व्यवधान नहीं है। 50 हजार से ज्यादा उड़ानें प्रभावित गड़बड़ी की वजह से पूरी दुनिया में 45,648 उड़ानों में देरी हुई, जबकि 5,167 उड़ानें रद्द हुईं। सबसे ज्यादा असर अमेरिका पर पड़ा, जहां 4,000 उड़ानें रद्द हुईं। दुनिया ठप कर देनेवाली क्राउडस्ट्राइक के भरोसे 29,000 कंपनियां दुनिया में अब तक की सबसे बड़ी आईटी सिस्टम नाकामी के लिए जिम्मेदार साइबर सुरक्षा कंपनी क्राउडस्ट्राइक के ग्राहकों में आधी से ज्यादा फॉर्च्यून 500 कंपनियों समेत 29,000 से ज्यादा वैश्विक कंपनियां शामिल हैं। लेकिन, कंपनी की तरफ से विंडोज सिस्टम में किए गए एक दोषपूर्ण सॉफ्टवेयर अपडेट की वजह से दुनियाभर के कंप्यूटर सिस्टम ठप हो गए। यह पूरी समस्या क्राउडस्ट्राइक की ओर से माइक्रोसॉफ्ट एज्यूर के लिए किए गए एक सॉफ्टवेयर अपडेट के कारण हुई। इससे लाखों कंप्यूटर पर ब्लू स्क्रीन ऑफ डेथ (बीएसओडी) आ गई। माइक्रोसॉफ्ट व क्राउडस्ट्राइक दोनों ने स्थिति काबू करने के लिए कड़ी मेहनत की। 8,304 करोड़ डॉलर बाजार मूल्य कैनालिस की रिपोर्ट के मुताबिक क्राउडस्ट्राइक 2023 की दूसरी तिमाही में 18.5 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ एंडपॉइंट सुरक्षा में विश्व की अग्रणी कंपनियों में शामिल है।

पहले लाया घर, फिर की हत्या, मन नहीं भरा तो शव के किए टुकड़े-टुकड़े

नैरोबी, 21 जुलई (एजेंसियां) ।

केन्या की राजधानी नैरोबी से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने अपनी पत्नी समेत 42 महिलाओं की हत्या करने, इनमें से कई के शव को क्षत-विक्षत करने, शरीर के अंगों को बोरिया में भरने और उन्हें एक स्क्रैपयार्ड में फेंकने की बात कबूल की है। जब इसके घर पर तलाशी ली गई तो पुलिस को अन्य चीजों के अलावा चाकू, औद्योगिक रबर के दस्ताने, सेलोटेप के रोल और नायलॉन की बोरियां मिलीं।

वैंपायर और मनोरोगी सीरियल किलर

33 साल के कोलिन्स जुमैसी खलूशा को एक वैंपायर और मनोरोगी सीरियल किलर बताया गया है, जिसका मानव जीवन के प्रति कोई खास लगाव नहीं है। देश में राजनीतिक उथल-पुथल और लिंग आधारित हिंसा की बढ़ती लहर के बीच खलूशा की भयावह हरकतें सामने आई हैं।

कैसे आया सामने मामला

यह डरावना मामला तब सामने आया, जब नैरोबी के मुकुरु झुग्गियों के पास कूड़े के ढेर के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली एक जगह पर नौ महिलाओं के क्षत-विक्षत शव पाए गए। जांच करने पर सामने आया कि एक पास के जर्जर

कमरे में रहने वाला शख्स पीड़ितों को बहला-फुसलाकर घर लाता था, फिर उनकी हत्या करता और जमीन पर दफना देता। मामले की जांच के कुछ दिनों बाद केन्याई पुलिस ने खालूशा को गिरफ्तार कर लिया। अभियोजकों ने बताया कि खालूशा ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। पीड़ितों की हत्या 2022 से लेकर उसकी गिरफ्तारी के बीच तक की गई थी।

खलूशा के घर से जासूसों को कई मोबाइल फोन, पहचान पत्र और नायलॉन की बोरियां मिलीं, जो पीड़ितों के शवों को लपेटने के लिए इस्तेमाल की गई थीं। यह सबूत हत्याओं की एक व्यवस्थित और पूर्वनियोजित श्रृंखला की ओर इशारा करता है, जिसके कारण कुछ लोग उसे केन्याई टेड बंडी कहने लगे हैं।

कटे-फटे अवशेषों से भरी बोरियां मिलीं

दरअसल, 26 साल की हेयर ब्रेडर जोसेफिन ओविनो भी पीड़ितों में शामिल थी। एक सुबह वह अचानक गायब हो गई। इसपर उसकी बहन ने उसे ढूंढना शुरू किया। तलाश करती हुई आखिरकार वह डंपिंग ग्राउंड तक पहुंचीं। उन्होंने स्थानीय लोगों को तलाशने के लिए राजी किया। ढूंढने पर वहां से कटे-फटे अवशेषों से भरी बोरियां मिलीं।

इस पर पुलिस तो जानकारी दी। पुलिस ने शवों को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। एक सरकारी रोगविज्ञानी डॉ जोहानसेन ओडुओर ने बताया कि अधिकांश बोरियों में कटे हुए अंग और धड़ थे। केवल एक शव सही हालत में मिला था। किसी को भी गोली नहीं मारी गई थी। एक का गला घोंटा गया था। डीएनए से अबतक दो शवों की पहचान हो गई है।

मामले का दूसरा पहलू ये

हालांकि अब इस पूरे मामले को लेकर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, जिस जगह लाशें फेंकी गई हैं वो जगह पुलिस स्टेशन के पास ही है। ऐसे में पुलिस की निगरानी और क्षमता के बारे में सवाल उठता है। हालांकि, कुछ लोग इसे चाल बता रहे हैं। दरअसल, कर वृद्धि और सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ देश में पहले से ही विरोध हो रहा है। ऐसे में कुछ का कहना है कि इस मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए खलूशा का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस संदेह को खलूशा के वकील जॉन मैना नेडेगवा ने हवा दी है। उनका दावा है कि उनके मुवक्किल को अधिकारियों द्वारा दुर्व्यवहार कर जबरन अपराध कबूल करने के लिए मजबूर किया गया। पहली बार अदालत में पेशी के दौरान वकील ने पुलिस पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए खालूशा को चिकित्सा सुविधा देने की मांग की। वहीं, अदालत ने खलूशा की हिरासत अवधि बढ़ा दी है, जिससे जांचकर्ताओं को अपना मामला बनाने के लिए और समय मिल जाएगा।

नीरज चोपड़ा की चोट पर आया बड़ा अपडेट, कोच बार्टोनिट्ज ने दी जानकारी

सिडनी, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक में अब ज्यादा समय शेष नहीं रह गया है और भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा से इसमे दमदार प्रदर्शन करने की उम्मीद है। ओलंपिक से ठीक पहले नीरज की चोट से चिंता बढ़ा दी थी, लेकिन अब उनके जर्मन कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज ने इस बारे में बड़ा अपडेट दिया है। बार्टोनिट्ज ने नीरज की फिटनेस को लेकर सभी चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि अब टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी को किसी तरह की परेशानी नहीं है और अब वह कड़ी तैयारियों में जुट गए हैं।

जांघ में दर्द के कारण गोल्डन स्पाइक से हटे थे नीरज – नीरज ने 28 मई को एहतियातन ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से हटने का फैसला किया था क्योंकि उन्हें जांघ में कुछ दर्द महसूस हुआ था। उन्होंने 18 जून को फिनलैंड में पावो नूरमी खेलों में 85.97 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतकर जोरदार वापसी की थी। फिर चोपड़ा ने सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भी नहीं खेलने का फैसला किया और कहा कि यह प्रतियोगिता उनके कैलेंडर का हिस्सा नहीं थी। लेकिन फिटनेस देखी जाए तो उनका सत्र बिल्कुल सही नहीं रहा है। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीतकर इतिहास रचने वाले 26 वर्षीय नीरज 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में शीर्ष पोडियम स्थान के लिए एक बार फिर देश के सर्वश्रेष्ठ दावेदार हैं। पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा छह अगस्त को क्वालीफिकेशन दौर से शुरू होगी जिससे अभी इसे शुरू होने में दो हफ्ते हैं।

चोट की कोई समस्या नहीं – बार्टोनिट्ज करीब पांच साल से नीरज से जुड़े हैं। बार्टोनिट्ज ने कहा कि अब चीजें पटरी पर आ गई हैं। उन्होंने कहा, सब कुछ योजना के अनुसार है। फिलहाल जांघ की चोट की कोई समस्या नहीं है, यह ठीक है। उम्मीद है कि ओलंपिक तक ऐसा ही रहेगा। ओलंपिक में भाला फेंक की स्पर्धा शुरू होने अभी दो सप्ताह का समय बचा है इसलिए ट्रेनिंग का स्तर बढ़ा दिया गया है। वह पूरा थ्रोइंग सत्र कर रहे हैं। हम सुबह में स्प्रिंटिंग, जंपिंग, थ्रोइंग या वेटलिफ्टिंग के सत्र रखते हैं। सुबह और शाम दो सत्र होते हैं जिसमें प्रत्येक दो से ढाई घंटे तक का होता है। बार्टोनिट्ज ने कहा कि नीरज का तरीका टोक्यो ओलंपिक से पहले अपनाए गए तरीके जैसा ही है जिसमें वह टूर्नामेंट के बजाय ट्रेनिंग पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं और वह अपने ग्रोइन पर दबाव कम करने के लिए अपनी ब्लॉकिंग करने वाले पैर को मजबूती देने पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सामान्यत: भाला फेंकना तेजी से भागते हुए अच्छी तरह रुककर भाला फेंकने (ब्लॉकिंग) पर निर्भर करता है। भागते हुए आप जितनी अधिक ऊर्जा से आएंगे, उतना ही बेहतर होगा।

पदक की संभावना पर नहीं की भविष्यवाणी – इस सत्र में शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ियों में से किसी ने भी असाधारण प्रदर्शन नहीं किया है और बार्टोनिट्ज ने हमेशा की तरह कहा कि वह नीरज की पदक की संभावनाओं की भविष्यवाणी नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ओलंपिक में काफी कुछ दांव पर लगा होता है और काफी दबाव होता है जिससे कुछ भी हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

टीम सेलेक्शन को लेकर सवालों से जूझेंगे गंभीर

नई दिल्ली। श्रीलंका दौरे के लिए टीम चुनते समय सेलेक्टर्स की ओर से कई बड़े फैसले किए गए, जिस पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर अपनी अलग-अलग राय रख रहे हैं। इस दौरे के साथ मुख्य कोच गौतम गंभीर के कार्यकाल की शुरुआत होगी। हालांकि, वो भी इस टीम चयन को लेकर सवालों के घेरे में हैं। श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय चयनकर्ताओं ने कुछ हैरान करने वाले फैसले लिए। टीम इंडिया का सेलेक्शन इन दिनों काफी चर्चाओं में है। चाहे हार्दिक पांड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को कप्तान और शुभमन गिल को उपकप्तान बनाने की बात हो या फिर इन फॉर्म अभिषेक शर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ को ड्रॉप करने की, ऐसे कई सवाल हैं जो फैंस समेत कई पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के मन में उठ रहे हैं। अब हर एक सवाल का जवाब गौतम गंभीर ही देंगे, क्योंकि यह बतौर कोच उनका टीम इंडिया के साथ डेब्यू होने से जुड़ा है। गौतम गंभीर भारतीय टीम के नए मुख्य कोच नियुक्त होने के बाद पहली बार मीडिया को संबोधित करने के लिए तैयार हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। इसके बाद टीम श्रीलंका के लिए रवाना होगी। गंभीर का पहला असाइनमेंट श्रीलंका दौरा है जिसमें 27 जुलाई से तीन टी20 और इतने ही वनडे मैच शामिल हैं। टी20 में सूर्यकुमार यादव टीम की अगुवाई करेंगे, जबकि वनडे में रोहित शर्मा कमान संभालेंगे। कप्तानी में फेरबदल हो या खिलाड़ियों की अदला-बदली, इन सभी फैसलों को लेकर फैंस दो पक्षों में बंट चुके हैं। इंटरनेट पर फैंस इस टीम के चयन को लेकर दो पक्षों में बंटे हुए हैं। जबकि कई बड़े क्रिकेट एक्सपर्ट्स का दावा है कि गौतम गंभीर टीम के मुख्य कोच तो बने हैं लेकिन वो आते ही इतने बड़े फैसले अकेले नहीं ले सकते। इसमें मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और वनडे-टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा का भी हाथ है। हालांकि सेलेक्शन कमेटी की मीटिंग की बातें अभी सामने नहीं आई हैं। अब उम्मीद है कि कल की प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन सभी सवालों के जवाब फैंस को मिलेंगे। हार्दिक पांड्या का नाम कप्तानी की रेस से बाहर होने का सबसे बड़ा कारण उनकी चोट और फिटनेस है। गंभीर कप्तान के रूप में लॉन्ग टर्म पर अधिक फोकस कर रहे होंगे। इसलिए शुभमन गिल का नाम अब अन्य दावेदारों से काफी आगे है। गंभीर कार्यकाल की इस पहली बैठक के बाद ही टीम इंडिया की तस्वीर काफी हद कर बदल गई है। इसमें सबसे बड़ा उलटफेर कप्तानी को लेकर हुआ है। एक बात तो साफ है कि अब आने वाले दिनों में टीम में उन्हीं खिलाड़ियों को जगह मिलेगी, जो खुद को साबित करने का माद्दा रखते हों।

गायकवाड़ को बाहर करने पर बद्रीनाथ चयनकर्ताओं पर बरसे

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने इस महीने की शुरुआत में जिम्बाब्वे के खिलाफ

सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद श्रीलंका सीरीज से रुतुराज गायकवाड़ को बाहर किए जाने और रिंकू सिंह को वनडे सीरीज से बाहर किए जाने पर चयनकर्ताओं पर तीखा हमला बोला है। चयनकर्ताओं ने श्रीलंका के आगामी सफेद गेंद दौरे के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की और गायकवाड़ को टी20 या वनडे के लिए नहीं चुना गया, जबकि रिंकू ने टी20 में अपना स्थान बरकरार रखा। गायकवाड़ के बाहर होने के बाद, बद्रीनाथ ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें सुझाव दिया गया कि क्रिकेटरों को भारतीय टीम में स्थान सुरक्षित करने के लिए असाधारण प्रदर्शन से कहीं अधिक की आवश्यकता हो सकती है।

पैरा-शटलर सुकांत कदम का फ्रांसीसी वाणिज्य दूतावास से परिवार के सदस्यों के वीजा अनुरोधों पर पुनर्विचार करने का आग्रह

नई दिल्ली। पेरिस पैरालंपिक से पहले, भारत के स्टार पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम ने मुंबई में फ्रांस

के महावाणिज्य दूतावास द्वारा अस्वीकार किए जाने के बाद फ्रांस से अपने बड़े भाई और चाचा के वीजा अनुरोध को मंजूरी देने का आग्रह किया है। कदम ने उल्लेख किया कि सभी आवश्यक दस्तावेज होने के बावजूद उनके परिचितों के वीजा अनुरोध अस्वीकार कर दिए गए थे। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि शिखर टूर्नामेंट में देश का प्रतिनिधित्व करते समय एथलीटों के लिए परिवार के सदस्यों का समर्थन महत्वपूर्ण है। एक्स, पूर्व में ट्विटर पर कदम की पोस्ट पढ़ी: दिल दहला देने वाली खबर: मेरे बड़े भाई और चाचा के वीजा को श्रफ्रांसबॉम्बे ने अस्वीकार कर दिया, उन्होंने कार्यक्रम के लिए पहले से ही कन्फर्म टिकट बुक कर लिए थे।

महिला एशिया कप

भारत ने यूएई को 78 रनों से हराया

दांबुला, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (66) और ऋचा घोष नाबाद (64) रनों की आतिशी पारियों उसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने रविवार को महिला एशिया कप के पांचवें मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 78 रनों से हराते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की है।

202 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की टीम सात विकेटपर 123 रन ही बना सकी और 78 रन से मुकाबला हार गई। यूएई की ओर से कविशा एगोडेगे ने हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए दो विकेट लिये और 32 गेंदों में 40 रनों की नाबाद पारी भी खेली। इसके अलावा कप्तान ईशा ओझा ने 36 गेंदों में 38 रन बनाये। खुशी शर्मा 10 रन बनाकर आउट हुई। पांच बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने दो विकेट लिये। रेणुका सिंह, तनुजा कंवर, पूजा वस्त्रकार और राधा यादव ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां भारतीय टीम ने यूएई को जीत के लिए 202 रनों का लक्ष्य दिया था। यूएई की कप्तान ईशा ओझा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। बल्लेबाजी करने उतरी शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की जोड़ी ने तेज शुरुआत की। तीसरे ओवर में कविशा एगोडगे ने स्मृति मंधाना (नौ गेंदों में 13 रन) को आउट कर भारत को पहला झटका दिया। पांचवें ओवर में शेफाली वर्मा 18 गेंदों में 37 रनों की तूफानी पारी खेलने के बाद पवेलियन लौट गई। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मोर्चा संभाला। दयालन हेमलता (2) और जेमिमाह रॉड्रिग्स (14) रन बनाकर आउट हुई। हरमनप्रीत कौर और ऋचा घोष ने 75 रनों की आतिशी साझेदारी कर टीम के स्कोर को दो सौ रन के करीब पहुंचा दिया। 20वें ओवर में हरमनप्रीत कौर रनआउट हो गई। उन्होंने 47 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 66 रन बनाये। यह हरमनप्रीत के टी-20 करियर का 12वां अर्धशतक है। उन्होंने यूएई महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला और उस मैच में ही अर्धशतक बनाया।

इसी के साथ वह टी-20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन (3,415) बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। ऋचा घोष ने 29 गेंदों में 12 चौके और एक छक्का लगाते हुए 64 रनों की नाबाद पारी खेली। यह ऋचा का अंतरराष्ट्रीय करियर का यह पहला अर्धशतक है। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 201 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यूएई की ओर से कविशा एगोडगे ने दो विकेट लिये। समायरा धरनीधरका और हीना होतचंदानी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बाईचुंग ने तकनीकी समिति से इस्तीफा देने की बात कही, एआईएफएफ पर पैनल को नजरअंदाज करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के महान फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया ने शनिवार को राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच की नियुक्ति में पैनल को नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति से कहा है कि वह तकनीकी समिति की सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं। इंडियन सुपर लीग की टीम एफसी गोवा के कोच स्पेन के मनोलो मार्केज को एआईएफएफ की कार्यकारी समिति ने भारत का मुख्य कोच नियुक्त किया। वह क्रोएशिया के इगोर स्टिमक की जगह लेंगे, जिन्हें 17 जून को बर्खास्त कर दिया गया था। पूर्व खिलाड़ी के रूप में कार्यकारी समिति के सह चयनित सदस्य भूटिया बैठक में शामिल हुए। उन्होंने दावा किया कि सामान्य तौर पर तकनीकी समिति राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच की सिफारिश करती है। मौजूदा तकनीकी पैनल के अध्यक्ष दिग्गज आईएम विजयन हैं। भूटिया ने पीटीआई से कहा, मैं पहले (2013 से 2017 तक) एआईएफएफ तकनीकी समिति का अध्यक्ष रह चुका हूं और स्टीफन कोंस्टेंटाइन के मामले में कोच नियुक्तियों में शामिल रहा हूं। तकनीकी समिति का काम आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की छंटनी करना और कोच बनने के लिए उपयुक्त व्यक्ति की सिफारिश करना है। लेकिन इस बार स्टिमक के उत्तराधिकारी की नियुक्ति के लिए तकनीकी समिति की एक भी बैठक नहीं हुई। उन्होंने कहा, कितने उम्मीदवारों ने आवेदन किया है, किसे छांटा गया है, इस पर चर्चा करने के लिए तकनीकी समिति की एक भी बैठक नहीं हुई। इस बार ऐसा कुछ नहीं हुआ। पहले भी इस प्रक्रिया का पालन किया गया था, लेकिन इस बार नहीं। भूटिया ने कहा, अगर आप मुख्य कोच की नियुक्ति में तकनीकी समिति को दरकिनार करने जा रहे हैं तो हम इसके लिए क्यों हैं। मैंने कार्यकारी समिति की बैठक में कहा था कि चूंकि तकनीकी समिति शामिल नहीं थी इसलिए तकनीकी समिति का कोई महत्व नहीं था। तो हम किस लिये हैं। मैंने कहा कि मैं तकनीकी समिति की सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। भूटिया ने कहा कि एआईएफएफ के उपाध्यक्ष एनए हारिस के नेतृत्व में एक विशेष समिति स्टिमक के उत्तराधिकारी की तलाश कर रही थी और वह इसके पूरी तरह खिलाफ थे।

पेरिस ओलंपिक से पहले फॉर्म में लौटे राफेल नडाल, नॉर्डिया ओपन के फाइनल में बनाई जगह

बस्ताड (स्वीडन), 21 जुलाई (एजेंसियां)।

नडाल और युवा सनसनी कार्लोस अल्कारेज पेरिस ओलंपिक में जोड़ी बनाकर स्पेन के लिए पेरिस ओलंपिक में उतरेंगे। स्पेनिश टेनिस फेडरेशन इसकी घोषणा की थी। राफेल नडाल नॉर्डिया ओपन में डुजे अजदुकोविच को यहां 4-6, 6-3, 6-4 से हराकर 2022 फ्रेंच ओपन के बाद अपने पहले फाइनल में पहुंच गए। नडाल ने क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में इससे पहले 36वीं रैंकिंग पर काबिज मारियानो नवोन को चार घंटे तक चले मुकाबले में 6-7, 7-5, 7-5 से हराया था।

उन्होंने अजदुकोविच के खिलाफ भी पहले सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। नडाल ने 2005 में 19 वर्ष की उम्र में यहां खिताब जीता था जिसके बाद वह पहली बार यहां खेल रहे हैं। वह पेरिस में रोलां गैरो पर ओलंपिक में खेलने की तैयारी में हैं। उन्होंने पहले दौर में स्वीडन के महान खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग के बेटे लियो बोर्ग को हराया। 38 वर्ष के नडाल ने विंबलडन में भाग नहीं लिया था। वह पिछले डेढ़ साल से कूल्हे और पेट की चोटों से जूझ रहे हैं। ओलंपिक में नडाल-अल्काराज की जोड़ी डबल्स में खेलेगी नडाल और युवा सनसनी कार्लोस अल्कारेज पेरिस ओलंपिक में जोड़ी बनाकर स्पेन के लिए पेरिस ओलंपिक में उतरेंगे। स्पेनिश टेनिस फेडरेशन इसकी घोषणा की थी कि नडाल-अल्काराज ओलंपिक में डबल्स में खेलेंगे। अल्काराज को नडाल का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। नडाल उनके बचपन के हीरो रहे हैं। नडाल न सिर्फ 22 ग्रैंडस्लैम जीत चुके हैं बल्कि 2008 के बीजिंग ओलंपिक में उन्होंने सिंगल्स वर्ग का स्वर्ण और 2016 के रियो ओलंपिक में मार्क लोपेज के साथ मिलकर डबल्स का स्वर्ण जीता था। स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने इस साल पेरिस में ही फ्रेंच ओपन का एकल वर्ग का खिताब जीता था। इसके बाद विंबलडन का खिताब भी अपने नाम किया था। अब वह नडाल के साथ पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पर निशाना साधने की कोशिश करेंगे। दोनों की जोड़ी युगल में खतरनाक साबित हो सकती है।

टेनिस में 28 साल का सूखा खत्म करना चाहेंगे बोपन्ना और सुमित

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

1996 का ओलंपिक ऐतिहासिक रूप से भारतीय टेनिस के लिए यादगार था। तमाम चुनौतियों के बावजूद, 23 साल की उम्र में लिएंडर पेस ने कांस्य पदक जीता, जबकि एटीपी टूर की विश्व रैंकिंग में वे कोई बड़ी ताकत नहीं थे। हालांकि, इसके बाद अब तक ओलंपिक के मंच पर भारत को टेनिस में कोई पदक नहीं मिला।

पेरिस 2024 ओलंपिक का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। ओलंपिक गेम्स 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होंगे। भारत को इस बार खिलाड़ियों से टोक्यो से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। खास तौर, पर भारत टेनिस में एक बार फिर ऐतिहासिक प्रदर्शन की उम्मीद लगाए हुए है।

लिएंडर पेस ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले और एकमात्र भारतीय टेनिस खिलाड़ी थे। 2024 की बात करें तो टेनिस खिलाड़ियों का मुख्य उद्देश्य इस खेल में 28 साल से चले आ रहे पदक के सूखे को खत्म करना होगा। हालांकि, यह राह भारत के लिए इतनी आसान नहीं होगी, क्योंकि इस खेल में यूरोपीय देशों का दबदबा है।

तीन सदस्यीय दल पेरिस ओलंपिक में टेनिस में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना, जिन्होंने 2012 (लंदन) और 2016 (रियो) में दो बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वो एन श्रीराम बालाजी के साथ पुरुष युगल में भाग लेंगे, जबकि टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी सुमित नागल पुरुष एकल में पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

44 वर्षीय बोपन्ना ने पिछले साल नवंबर से युगल रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाए रखते हुए भारत के लिए कोटा हासिल किया। वह पेरिस में भारतीय दल के सबसे उम्रदराज एथलीट भी हैं। सुमित नागल ने पिछले महीने एकल रैंकिंग में 18 पायदान की बढ़त लेते हुए कट-ऑफ में जगह बनाई, जो विश्व रैंकिंग के माध्यम से कोटा हासिल करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में अंतिम स्थान पर हैं।

सुमित के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें लगातार दूसरी बार ओलंपिक एकल प्रतियोगिता में जगह दिलाई। भारतीय खिलाड़ी ने टोक्यो ओलंपिक के शुरुआती दौर में डेनिस इस्तोमिन को हराया, लेकिन दूसरे दौर में वह पूर्व विश्व नंबर 1 दानिल मेदवेदेव से हार गए थे और उन्हें बाहर होना पड़ा था।

कोर्ट पर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले भारतीय खिलाड़ी के पास पेरिस में अपनी छाप छोड़ने का अच्छा मौका है। पेरिस 2024 में पुरुष और महिला एकल स्पर्धाओं में 64-64 खिलाड़ी भाग लेंगे। पेरिस 2024 में पांच अलग-अलग स्पर्धाएं होंगी: पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, महिला युगल, मिश्रित युगल

2024 ओलंपिक टेनिस स्पर्धाओं के सभी ड्रॉ 25 जुलाई को निकाले जाएंगे। 2024 पेरिस ओलंपिक में टेनिस मैच कहां होंगे सभी टेनिस मैच रोलां गैरो में खेले जाएंगे, जो फ्रेंच ओपन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट का घर है। रोलां गैरो में 12 मैच कोर्ट होंगे, जिनमें विश्व प्रसिद्ध कोर्ट फिलिप चैट्रियर और कोर्ट सुज़ैन लेंग्लेन शामिल हैं।

पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए टेनिस कार्यक्रम:

- पुरुष एकल: 27 जुलाई से 4 अगस्त
- पुरुष युगल: 27 जुलाई से 3 अगस्त
- महिला एकल: 27 जुलाई से 3 अगस्त
- महिला युगल: 27 जुलाई से 4 अगस्त
- मिश्रित युगल: 29 जुलाई से 2 अगस्त

आगामी पेरिस ओलंपिक में भारत की ओर से महिला टेनिस स्पर्धा में कोई खिलाड़ी भाग नहीं लेगा, क्योंकि सानिया मिर्जा के संन्यास लेने के बाद महिला टेनिस में भारत को कोई मजबूत क्षमता वाली खिलाड़ी नहीं मिली।

पेस और अमृतराज अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल, यह उपलब्धि पाने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

पेस युगल और मिश्रित युगल में 18 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रहे हैं। उन्हें अमृतराज युवा अकादमी में खेलने के बाद खिलाड़ी वर्ग में चुना गया था। पेस और अमृतराज ने भारत को हॉल ऑफ फेम में प्रतिनिधित्व करने वाला 28वां राष्ट्र बनाया। युगल में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी लिएंडर पेस और टेनिस प्रसारक अभिनेता और खिलाड़ी विजय अमृतराज अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले पहले एशियाई पुरुष खिलाड़ी बन गए। यह दोनों दिग्गज ब्रिटिश टेनिस पत्रकार और लेखक रिचर्ड इवांस के साथ हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए। पेस ने टेनिस को बतौर करियर चुनने से पहले फुटबॉल और हॉकी में भी हाथ आजमाया था और अंतत: ओलंपिक पदक विजेता के रूप में अपने हॉकी-कप्तान पिता का अनुसरण किया। पेस बोले- मेरे लिए सम्मान की बात पेस ने कहा, इस मंच पर सिर्फ खेल के दिग्गजों के साथ ही नहीं, जिंदगी के हर दिन मुझे प्रेरित करने वाले लोगों के साथ होना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। इसलिए नहीं कि आपने सिर्फ ग्रैंडस्लैम जीते हैं, इसलिए नहीं कि आपने हमारे खेल को आकार दिया बल्कि इनमें से हरेक व्यक्ति ने उस दुनिया को आकार दिया जिसमें हम रहते हैं। अमृतराज ने जीते कई खिताब 70 वर्षीय अमृतराज ने 1970 में डेब्यू किया था और 1993 में संन्यास ले लिया था। इस दौरान उन्होंने 15 एटीपी एकल खिताब और 399 मैच जीते और एकल में सर्वश्रेष्ठ 18वीं रैंकिंग भी हासिल की। उन्होंने भारत को 1974 और 1987 में डेविस कप फाइनल में पहुंचाने में मदद की थी।अमृतराज ने कहा, मैं इस अविश्वसनीय और विशिष्ट समूह में शामिल होने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। इस समूह ने इस खेल को गौरव दिलाया है। अभिनय भी कर चुके अमृतराज अपने खेल के दिनों के बाद अमृतराज ने मानवीय कारणों में मदद की। साथ ही भारत में एटीपी और डब्ल्यूटीए कार्यक्रमों का समर्थन किया और जेम्स बॉन्ड और स्टार ट्रेक फिल्म सीरीज में अभिनय किया। अमृतराज ने कहा, यह सिर्फ मेरे, मेरे परिवार, मेरे माता-पिता के लिए ही नहीं, बल्कि मेरे सभी साथी भारतीयों और मेरे देश के लिए जो पूरी दुनिया में रहते हैं, के लिए एक सम्मान है। पेस ने करियर में 18 ग्रैंडस्लैम जीते पेस युगल और मिश्रित युगल में 18 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रहे हैं। उन्हें अमृतराज युवा अकादमी में खेलने के बाद खिलाड़ी वर्ग में चुना गया था। पेस और अमृतराज ने भारत को हॉल ऑफ फेम में प्रतिनिधित्व करने वाला 28वां राष्ट्र बनाया। पेस ने कहा, मैं अपने हर एक देशवासियों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया, जो उतार-चढ़ाव में मेरे साथ खड़े रहे। आप सभी मेरे लिए प्रेरणा थे, समर्थन थे, मेरा मार्गदर्शन करने की ताकत थे जब मुझे खुद पर विश्वास नहीं था।

पेस करियर ग्रैंड स्लैम भी जीत चुके

पेस ने पुरुष और मिश्रित युगल दोनों में करियर ग्रैंड स्लैम जीते। उन्होंने 2012 ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर पुरुषों में और 2016 फ्रेंच ओपन पर कब्जा करके मिश्रित में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने ब्राजील के फर्नांडो मेलिगेनी को 3-6, 6-2, 6-4 से हराकर 1996 अटलांटा ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उनका एकमात्र एटीपी एकल खिताब 1998 में न्यूपोर्ट घास पर उसी स्थान पर आया था जहां उन्हें शामिल किया गया था। पेस ने पिता की कही बातों को किया याद पेस ने कहा, जैसा कि मेरे पिता ने हमेशा मुझसे कहा कि अगर आप खुद पर भरोसा करते हैं, आप कड़ी मेहनत करते हैं, आप सिर्फ पुरस्कार राशि और ट्रॉफी जीतने के लिए ही नहीं बल्कि आप दुनिया को प्रेरित करने के लिए ऐसा करते हैं। सात ओलंपिक में देशवासियों के लिए खेलना, उन सभी डेविस कप में राष्ट्रगान के लिए खड़े होना और यह साबित करना कि हम एशियाई ग्रैंडस्लैम जीत सकते हैं और अपने क्षेत्र में नंबर एक भी बन सकते हैं मेरे लिए सम्मान की बात थी।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

शाओमी ने स्मार्टफोन बाजार में जमाई अपनी धाक, फिर बना नंबर 1, तीसरे नंबर पर सैमसंग

नई दिल्ली,21 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय स्मार्टफोन बाजार में चीन के मोबाइल ब्रांड शाओमी ने पुन: अपनी धाक जमा ली है। छह तिमाहियों बाद इस ब्रांड ने फिर से पहला स्थान हासिल कर लिया है। शाओमी ने जून तिमाही में कोरिया की कंपनी सैमसंग को पीछे छोड़ दिया। सैमसंग अब वीवो के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गई है। शाओमी की शिपमेंट में सालाना आधार पर सबसे ज्यादा 24प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जून तिमाही में शाओमी की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 18प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 15प्रतिशत थी। वीवो दूसरे स्थान पर रहा। चार फीसदी की सालाना ग्रोथ के साथ उसकी बाजार हिस्सेदारी 18प्रतिशत पर बनी रही। तीसरे स्थान पर काबिज सैमसंग की शिपमेंट में 8प्रतिशत की गिरावट आई और उसकी बाजार हिस्सेदारी 17प्रतिशत रही। रियलमी और ओप्पो क्रमश: 12प्रतिशत और 11प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। केनालिस के आंकड़ों के मुताबिक, जून तिमाही में कुल मोबाइल शिपमेंट में सालाना आधार पर मामूली 1प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 36.4 मिलियन यूनिट रही। रिसर्च फर्म का अनुमान है कि आगामी त्योहारी सीजन और पूरे साल के दौरान शिपमेंट में 5प्रतिशत से कुछ अधिक की ग्रोथ हो सकती है। दूसरी तिमाही में शिपमेंट में सपाट ग्रोथ रही। आम चुनाव, कमजोर मौसमी मांग और देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी के कारण ऐसा हुआ।

टॉप पांच में से चार चीनी कंपनियों ने जून तिमाही में संयुक्त रूप से 59प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल की, जो एक साल पहले 55 प्रतिशत थी। बाजार पर नजर रखने वालों के अनुसार, चीनी स्मार्टफोन ब्रांड्स शाओमी , वीवो, ओप्पो, रियलमी, ट्रांसन और मोटोरोला की संयुक्त बाजार हिस्सेदारी जून तिमाही में बढ़कर 75प्रतिशत से अधिक हो गई। पिछले साल सितंबर तिमाही में यह 61प्रतिशत के निचले स्तर पर थी। जानकारों का कहना है कि शाओमी का फिर से टॉप पर आना और दूसरे चीनी ब्रांड्स का मजबूत प्रदर्शन इस प्रमाण है कि उनकी लोकप्रियता बरकरार है। चीन के मोबाइल कंपनियों पर टैक्स की चोरी समेत कई तरह की हेराफेरी के आरोप हैं। ईडी और कई दूसरी एंजेंसियां उनकी जांच कर रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

यात्रियों को पूरा किराया और वाउचर देगा एयर इंडिया, तकनीकी खराबी के बाद रूस में लैंड हुआ था विमान

नई दिल्ली । एयर इंडिया की तरफ से जारी पत्र में उल्लेख किया गया है, सैन फ्रांसिस्को की यात्रा के दौरान आपको हुई असुविधा के लिए कृपया हमारी ईमानदारी से क्षमा-याचना स्वीकार करें। हम पूरी तरह से समझते हैं कि पिछले 24 घंटे कठिन थे और इस दौरान हम आपके धैर्य के लिए कृतज्ञ हैं। आपकी सुरक्षा हमारे लिए हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता रही और हमारे पायलटों ने क्रास्नोयार्स्क अंतर्राष्टीय हवाई अड्डे रूस पर एहतियाती लैंडिंग करने का निर्णय लिया। एयर इंडिया को ऐसे यात्रा अनुभव के लिए पछतावा है एयरलाइन ने यह भी कहा कि उनकी प्राथमिकता यात्रियों को जल्द से जल्द सैन फ्रांसिस्को पहुंचाना था और इसके लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों के सहयोग से राहत उड़ान भेजी। एयर इंडिया की तरफ से पत्र में लिखा गया, हालांकि हम आपके द्वारा झेले गए अनुभव को मिटा नहीं सकते, लेकिन अपने पछतावे को व्यक्त करने के लिए, हम आपकी यात्रा का पूरा किराया वापस कर देंगे और आपको एयर इंडिया पर भविष्य की यात्रा के लिए एक वाउचर प्रदान करेंगे। तकनीकी खराबी के बाद रूस में लैंड हुआ था विमान बता दें कि एयर इंडिया की सैन फ्रांसिस्को जाने वाली फ्लाइट के नई दिल्ली से उड़ान भरने के लगभग 30 घंटे बाद, यह तकनीकी कारणों से रूस के क्रास्नोयार्स्क अंतर्राष्टीय हवाई अड्डे पर डायवर्ट होने के बाद अमेरिकी शहर के हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतरी। नई दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली फ्लाइट को 18 जुलाई को तकनीकी कारणों से रूस के अंतर्राष्टीय हवाई अड्डे पर डायवर्ट किया गया था। एयर इंडिया के पास क्रास्नोयार्स्क में नहीं है स्टाफ वहीं अपने अंतिम अपडेट में, एयर इंडिया ने घोषणा की कि फ्लाइट, जिसे अब अपडेट किया गया है, सैन फ्रांसिस्को में सुरक्षित रूप से पहुंच गई।

हिमाचल प्रदेश में सेब सीजन ने पकड़ी रफ्तार, हिमाचल की मंडी में भारी मात्रा में आने लगे रॉयल और अर्ली किस्म के सेब

शिमला । हिमाचल प्रदेश की मंडी में बागवान भारी मात्रा में सेब व अन्य फल लेकर मंडियों में पहुंच रहे हैं। राजधानी शिमला के ढली स्थित फल मंडी में करसोग और ऊपरी शिमला ठियोग, मतियाना, चौपाल इत्यादि क्षेत्रों से टाइडमेन सेब, सपर, गाला, जेड 1 व रॉयल सहित अर्ली किस्म का सेब पहुंचा। मंडी में फ़सल के अच्छे दाम मिलने से इन दिनों बाग़वानों के चेहरों पर रौनक देखने को मिल रही है। हालांकि महाराष्ट्र सहित देश के कई हिस्सों में बारिश ने मचाई तबाई का असर भी सेब को छोड़कर, अन्य फलों के दामों पर देखने को मिल रहा है। सेब सीजन अभी अपने शुरुआती दौर में है लेकिन जिन फसलों का सीजन अपने अंतिम दौर में उनके भावों में गिरावट आ गई है। हिमाचल के एक बागवान का कहना है कि सेब को तोड़ने में जल्दबाजी ना करें। बल्कि सेब को अच्छी तरह तैयार होने दे। तभी सेब के दाम अच्छे मिलते है। कई बागवान जल्दी के चक्कर में अपना नुकसान करवा देते है।

वैश्विक रुख और आम बजट से तय होगी शेयर बाजार की चाल, रुपए का उतार-चढ़ाव तथा कच्चे तेल का भाव भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे

मुंबई । इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की चाल आम बजट, कंपनियों के तिमाही परिणामों तथा वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी निवेशकों की गतिविधियां, डॉलर के मुकाबले रुपये का उतार-चढ़ाव तथा ब्रेंट कच्चे तेल के भाव भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि बाजार के लिए अगला सबसे महत्वपूर्ण कारक 23 जुलाई को पेश होने वाला आम बजट है। बजट में वृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियों के जारी रहने की उम्मीद है। कई अन्य कारक भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगे। इनमें कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजे, घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़े और व्यापक रूप से वैश्विक बाजार का रुख शामिल है। उन्होंने कहा कि विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों (एफआईआई और डीआईआई) की गतिविधियां और कच्चे तेल की कीमतें बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। इस सप्ताह कई बड़ी कंपनियों जैसे बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, लार्सन एंड टुब्रो, डीएलएफ, टेक महिंद्रा और नेस्ले अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। एक बाजार विश्लेषक ने कहा कि बाजार की दिशा आगामी बजट से तय होगी। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही तिमाही नतीजों का सत्र रफ्तार पकड़ने जा रह है, जिससे बाजार में कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। सभी की नजरें एचडीएफसी बैंक के शेयर पर रहेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

संसद सत्र में...

इसलिए संसद में हंगामा होता है और सत्र ठीक से नहीं चल पाता। एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने सर्वदलीय बैठक को लेकर कहा कि ये औपचारिकताएं हैं, हर सत्र से पहले ऐसी बैठकें बुलाई जाती हैं। बजट सत्र पर सभी दलों ने अपने सुझाव दिए हैं। कई दलों ने अपने-अपने राज्यों के मुद्दे उठाए हैं। मैंने जो सुझाव दिया है वो ये है कि सत्र बिना किसी रुकावट के सुचारु रूप से चलना चाहिए, जो कि अब एक परंपरा बन गई है कि व्यवधान पैदा किया जाता है और अराजकता फैलाई जाती है। सभी मामलों पर चर्चा और बहस होनी चाहिए, लेकिन शांतिपूर्ण तरीके से। डिप्टी स्पीकर के पद को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। मुझे लगता है कि सरकार को इस मुद्दे पर एक अलग बैठक बुलानी चाहिए जिसमें सरकार और विपक्ष एक साथ बैठकर चर्चा करें।

बैठक में चिराग पासवान और कांग्रेस से प्रमोद तिवारी और गौरव गोगोई भी शामिल हुए। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बताया कि सर्वदलीय बैठक में वाईएसआरसीपी ने आंध्र प्रदेश राज्य को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की है। कांग्रेस नेता ने बताया कि टीडीपी नेता इस मामले पर चुप रहे। सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने विपक्ष के लिए लोकसभा उपाध्यक्ष पद की मांग की और साथ ही नीट का मुद्दा भी उठाया। जयराम रमेश ने दावा किया कि जदयू ने भी बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। सत्तारूढ़ एनडीए में एक प्रमुख सहयोगी जेडीयू ने हाल ही में बिहार के लिए विशेष श्रेणी का दर्जा या पैकेज की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था। राजद सांसद ने संसद में विपक्षी सांसदों को भी बोलने की मंजूरी देने की अपील की। बीजू जनता दल ने भी राज्य को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग रखी। बीजद ने सरकार को याद दिलाया कि भाजपा ने 2014 के घोषणा पत्र में ओड़ीशा को विशेष राज्य का दर्जा देने का ऐलान किया था।सर्वदलीय बैठक में विपक्षी सदस्यों की बातचीत से यह स्पष्ट हुआ कि संसद के कल से शुरू हो रहे सत्र में कई मुद्दे उठेंगे और उन पर जमकर हंगामा होना तय है। सत्र में उठने वाले मसलों में नीट यूजी पेपर लीक मामला शामिल होगा। हालांकि इस केस की जांच सीबीआई कर रही है और सीबीआई अब तक 12 गिरफ्तारियां कर चुकी है। 7 राज्यों की पुलिस ने भी 45 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एनटीए ने दोबारा रिजल्ट घोषित किया है। लेकिन विपक्ष, पिछले सत्र की तरह इस बार भी इस मुद्दे पर हंगामा कर सकता है। अग्निवीर का मुद्दा भी संसद में विपक्षी शोर का सबब बन सकता है और इस मसले पर विपक्ष सरकार को घेर सकता है। सरकार के सहयोगी दल जेडीयू के प्रवक्ता केसी त्यागी ने भी अग्निवीर पर बदलाव की मांग की है। सरकार ने 12 जुलाई 2024 को अग्निवीरों के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की भर्ती में 10 फीसदी सीटें आरक्षित करने का फैसला किया। हरियाणा और उत्तराखंड में भी अग्निवीरों को राज्य की सरकारी नौकरियों में 10 फीसदी आरक्षण देने का ऐलान किया गया है।

जम्मू-कश्मीर में तेज हुए आतंकवादी हमलों का मसला भी सदन में उठेगा। 2021 के बाद से अकेले जम्मू में 22 आतंकी घटनाएं हो चुकी हैं। इन 3 साल में 47 जवान शहीद हुए और 23 नागरिकों की मौत हुई। सरकार बनने के बाद से जून और जुलाई में जम्मू कश्मीर के राजौरी, डोडा, रियासी और कठुआ में 7 आतंकी हमले हो चुके हैं। इनमें 11 जवान भी शहीद हुए हैं। विपक्ष के पास यह एक बड़ा मुद्दा होगा। राहुल गांधी का अकेला एजेंडा मणिपुर फिर सदन को बाधित कर सकता है।

आज की सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने नीट-यूजी का मुद्दा उठाया। साथ ही ईडी, सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ मार्ग पर खाद्य पदार्थों की दुकानों पर नाम पट्टिका का मुद्दा उठाया। सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस के जयराम रमेश और के सुरेश, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, राजद के अभय कुशवाहा, जदयू के संजय झा, आपा के संजय सिंह, सपा नेता रामगोपाल यादव और राकांपा के प्रफुल्ल पटेल आदि नेता बैठक में मौजूद थे।

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि सबसे बड़ा मुद्दा यह है कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बैसाखियों पर टिकी है और संविधान, उसके मूल्यों और परंपराओं की हत्या कर रही है। जिस तरह संवैधानिक एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है, बेरोजगारी और महंगाई सरकार की नीतियों के कारण बढ़ रही है, जिस तरह से जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील इलाकों में सेना और सुरक्षाबलों पर हमले हो रहे हैं और यह सरकार इन सबको कायरता के साथ तरह देख रही है, जिस तरह से इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के बलिदान का अनादर किया जा रहा है, ऐसे कई मुद्दे हैं जो लोगों से जुड़े हैं। हम इन सभी मुद्दों को उठाएंगे।

सीपीआई-एम सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि संसद को ठीक से काम करना चाहिए और बहस और चर्चा होनी चाहिए, जो पिछले 10 वर्षों से नहीं हो रही है। हम चाहते हैं कि सरकार जमीनी हकीकत को समझे। बेरोजगारी दर अपने चरम पर है, लोग भूख से मर रहे हैं। राज्यों की शक्ति पर हमला हुआ है। बीजद ने ओड़ीशा राज्य के लिए कोयला रॉयल्टी में संशोधन का मसला उठाया। केंद्र से मिलने वाले धन के विलंबित हस्तांतरण और इस दिशा में काम करने की आवश्यकता का मुद्दा भी उठाया गया।

बैठक के बाद बीजद सांसद डॉ. सस्मित पात्रा ने कहा, बीजू जनता दल (बीजेडी) की ओर से हमने सर्वदलीय बैठक में कई मांगें रखी हैं। ओड़ीशा दो दशकों से भी अधिक समय से विशेष राज्य का दर्जा पाने से वंचित है। बिहार और आंध्र प्रदेश के राजनीतिक दलों ने भी अपने-अपने राज्यों के लिए विशेष राज्य का दर्जा मांगा है। बीजद ने ओड़ीशा के लिए विशेष राज्य का दर्जा मांगा है। दूसरा मुद्दा ओड़ीशा राज्य के लिए कोयला रॉयल्टी में संशोधन न किया जाना है। हमने केंद्र से मिलने वाले धन के घटते हस्तांतरण और इस दिशा में काम करने की आवश्यकता का मुद्दा भी उठाया। साथ ही ओड़ीशा के राज्यपाल के बेटे के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ओड़ीशा राज्य में कानून का पालन नहीं किया जा रहा है। गौरतलब है कि ओड़ीशा के राज्यपाल रघुवर दास के बेटे पर राजभवन के कर्मचारी से मारपीट का आरोप है।संसद में सर्वदलीय बैठक के बाद वाईएसआरसीपी सांसद विजय साई रेड्डी ने कहा, सर्वदलीय बैठक में वाईएसआरसीपी ने आठ मुद्दे उठाए हैं। हमने आंध्र प्रदेश के लिए विशेष श्रेणी का दर्जा मांगा है। राज्य को मिलने वाले करों में भी वृद्धि करने की मांग की गई है। हम विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के निजीकरण का विरोध कर रहे हैं। दक्षिण तटीय रेलवे जोन के लिए भूमि आवंटित की जानी चाहिए। ऑनलाइन जुए को रोकने के लिए उचित कानून बनाया जाना चाहिए। वाईएसआरसीपी सांसद ने आंध्र प्रदेश में कानून व्यवस्था के बिगड़ने के आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार से राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। वाईएसआरसीपी ने कहा कि टीडीपी राज्य के मुद्दे नहीं उठा रही है और उसने समझौता कर लिया है।समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ मार्ग पर खाद्य पदार्थों की दुकानों पर नाम पट्टिका का मुद्दा उठाया। आप सांसद संजय सिंह ने कहा, ईडी और सीबीआई का खुलेआम दुरुपयोग हो रहा है, केजरीवाल को जेल में रखा गया है। मैंने ये पूरा मामला उठाया, हमारे दो मंत्रियों को गिरफ्तार करके जेल में रखा गया है, मैंने वो मुद्दा भी उठाया। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के दौरान नाम पट्टिका लगाने का मामला भारत के संविधान के खिलाफ है। ये इस देश के दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों के खिलाफ है।

संसद की ...

यह खर्चा सांसदों को मिलने वाली सैलरी, अलाउंस, संसद सचिवालय पर होने वाले खर्च, सचिवालय स्टाफ की सैलरी और सांसदों की सुविधाओं पर खर्च होता है। यानी जब-जब हंगामे के कारण संसद स्थगित होती है तो यह नुकसान आम जनता का होता है, क्योंकि जनता टैक्स के रूप में लाखों रुपए देती है।

संसद का मानसून सत्र 22 जुलाई से शुरू हो रहा है। यह 12 अगस्त तक चलेगा। लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में तीसरी बार सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री मोदी का यह पहला बजट है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को सदन में बजट पेश करेंगी जिसके बाद दोनों सदनों में चर्चा होगी।

सरकारी कर्मचारी...

केंद्र सरकार ने यह आदेश ऐसे समय में जारी किया है, जब कथित तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा में कुछ तनातनी की खबरें आती रही हैं। कुछ लोगों का मानना है कि भाजपा के असहयोगात्मक रुख के कारण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने लोकसभा चुनाव में पर्याप्त सहयोग नहीं किया, जिसके कारण भाजपा को बहुमत से दूर रह जाना पड़ा। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी कुछ दिन पूर्व ही ऐसी टिप्पणी की थी, जिसे केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना के रूप में देखा गया था। लोकसभा चुनाव में अपेक्षित सफलता न हासिल करने पर राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के नेता इंद्रेश कुमार ने भी जनता के द्वारा अहंकारी लोगों को सबक सिखा दिए जाने की बात कही गई थी। उनकी यह टिप्पणी भी केंद्र सरकार के खिलाफ मानी गई थी। हालांकि बाद में उन्होंने भी अपने बयान से पल्ला झाड़ लिया था। जिस तरह का इस समय माहौल चल रहा है, लोकसभा चुनावों में मजबूत होकर उभरा विपक्ष इस आदेश को लेकर केंद्र पर हमलावर रुख अपना सकता है। सोमवार 22 जुलाई से ही संसद का सत्र आगे बढ़ाया जाएगा, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा वर्तमान वित्त वर्ष के लिए बजट भी पेश किया जाने वाला है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी राजीव तुली ने कहा कि केंद्र सरकार का यह निर्णय स्वागत योग्य है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश के निर्माण में लगा हुआ संगठन है। यह पूरे देश में हर एक जगह पर काम करता है और समाज के किसी भी वर्ग से किसी प्रकार के भेदभाव के बिना इसमें सब के शामिल होने और राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य करने की आजादी रहती है। संगठन समाज के सभी वर्गों को केवल भारतीय होने की दृष्टि से देखता है और सब की भलाई के लिए एक समान रूप से कार्यरत रहता है। ऐसे संगठन पर गलत मानसिकता से पूर्व की कांग्रेस सरकारों द्वारा लगाया गया प्रतिबंध बिल्कुल गलत था। यह जनभावनाओं का भी अपमान था। लोगों ने इसे अपने स्तर पर पहले ही अस्वीकार कर दिया था, अब गृह मंत्रालय ने इस तरह का आदेश देकर उन लोगों की मनोभावनाओं का सम्मान किया है, जो सरकारी सेवाओं में रहते हुए भी आरएसएस के साथ जुड़कर राष्ट्र निर्माण की अपनी इच्छा पूरी करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि अब ऐसे लोगों के लिए द्वार खुल गया है।

पांचजन्य के पूर्व संपादक एवं पूर्व सांसद तरुण विजय ने कहा कि पूरी दुनिया में आरएसएस एक राष्ट्र निर्माण करने वाले संगठन के रूप में देखा जाता है। केवल राजनीतिक विद्वेष के कारण पूर्व की कांग्रेस सरकारों ने समय-समय पर आरएसएस पर इस तरह के प्रतिबंध लगाए, जिससे लोगों को आरएसएस में शामिल होने से रोका जा सके। लेकिन इतिहास बताता है कि कांग्रेसी सरकारों की यह सोच कभी कामयाब नहीं हो पाई। लोग सरकारी नौकरी में रहकर भी आरएसएस से जुड़े और देश के लिए काम करते रहे। उन्होंने कहा कि आरएसएस लगातार आगे बढ़ता रहा और देश के साथ-साथ दुनिया के कोने-कोने में फैल गया।

तरुण विजय ने कहा कि कांग्रेसी सरकारों के आदेश की इससे बड़ी आलोचना और क्या हो सकती है कि जनता ने आरएसएस के दो कार्यकर्ताओं को देश का प्रधानमंत्री (अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी) बनाया। इसे आरएसएस की बड़ी सफलता मानी जाती है, लेकिन इसके बाद भी यह आदेश अब तक आधिकारिक रूप से बना हुआ था। इसे खारिज करके केंद्र सरकार ने स्वयं अपना भी मान बढ़ाया है। उन्होंने इस आदेश का स्वागत किया।

कई बार ...

भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ 27 सितंबर 1925 को विजयदशमी के दिन आरएसएस की स्थापना की गई थी। लेकिन आजादी मिले एक साल भी नहीं गुजरा था कि उसे प्रतिबंध का सामना करना पड़ा। 30 जनवरी, 1948 को महात्मा गांधी की हत्या के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। गांधी की हत्या को संघ से जोड़कर देखा गया था। 18 महीने तक संघ पर प्रतिबंध लगा रहा। 11 जुलाई 1949 को तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के हस्तक्षेप पर संघ से प्रतिबंध हटा लिया गया।

संघ को दूसरी बार प्रतिबंध का समाना आपातकाल के दौरान करना पड़ा। 1975 में इंदिरा गांधी ने जब आपातकाल लगाया तो आरएसएस के लोगों ने इसका काफी विरोध किया था। इसके चलते बड़ी तादाद में स्वयंसेवकों को जेल भेज दिया गया था। आरएसएस पर 2 साल तक पाबंदी लगी रही। आपातकाल के बाद जब चुनाव की घोषणा हुई तो जनसंघ का जनता पार्टी में विलय हो गया। 1977 में जनता पार्टी की सत्ता में आई तो संघ पर लगा प्रतिबंध हटा दिया गया।

संघ पर तीसरी बार प्रतिबंध 1992 में लगा। इस पर आरएसएस की पाबंदी की वजह अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहाने में भूमिका थी। इस बार 6 महीने के लिए उसे प्रतिबंध झेलना पड़ा। आरएसएस का दावा है कि उसके एक करोड़ से ज्यादा प्रशिक्षित सदस्य हैं। संघ परिवार में 80 से ज्यादा समविचारी या आनुषांगिक संगठन हैं। दुनिया के करीब 40 देशों में संघ सक्रिय है। मौजूदा समय में संघ की 56 हजार 569 दैनिक शाखाएं लगती हैं। करीब 13 हजार 847 साप्ताहिक मंडली और 9 हजार मासिक शाखाएं भी हैं। संघ में सदस्यों का पंजीकरण नहीं होता। ऐसे में शाखाओं में उपस्थिति के आधार पर अनुमान है कि फिलहाल 50 लाख से ज्यादा स्वयंसेवक नियमित रूप से शाखाओं में आते हैं। देश की हर तहसील और करीब 55 हजार गांवों में संघ की शाखाएं लग रही हैं।

जनसंख्या का बदलाव...

मजूमदार ने कहा कि अगर बायोलॉजिकल तरीके से आबादी बढ़ती तो बच्चे पैदा होते, बड़े होते और देश के नागरिक बनते। इस तरह से अगर डेमोग्राफी में परिवर्तन हुआ होता तो चिंता की बात नहीं रहती। लेकिन, बाहर से लाकर बसाए गए लोग चिंता के विषय हैं। उन्होंने कहा कि योजनाबद्ध तरीके से डेमोग्राफी चेंज हुई है। इसकी योजना देश के बाहर कहीं से हो रही है। सुकांत मजूमदार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में आजादी के पहले और आजादी के बाद भी तीन जिले मुस्लिम बहुल थे। अब नौ जिले मुस्लिम बहुल हो गए हैं। उन्होंने कहा, ये कहां से हो रहा है? कैसे हो रहा है? इतनी जनसंख्या कैसे बढ़ रही है? प्राकृतिक तरीके से इस तरह से जनसंख्या नहीं बढ़ सकती है। उन्होंने कहा, आप डेटा देख लीजिए, डेटा तो साइंस है, आपको उसको अपनाना पड़ेगा, मतलब डेमोग्राफी चेंज हुई है और पूरी योजनाबद्ध तरीके से हुई है। और इसकी प्लानिंग यदि देश के बाहर से कहीं से हो रही है और भविष्य में यदि ऐसा कुछ निकला तो मैं आश्चर्य नहीं करूंगा।

दरअसल, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने रांची में एक सभी को संबोधित करते हुए कहा था कि असम में डेमोग्राफी बदलाव चिंताजनक है। उन्होंने कहा था कि यह विषय उनके लिए राजनीतिक नहीं, बल्कि जीवन और मरण का विषय है। सीएम सरमा ने कहा था कि अगर ऐसा ही रहा तो असम साल 2041 तक मुस्लिम राज्य बन जाएगा। रांची में हिमंत ने कहा था, असम की आबादी का हमने विश्लेषण किया तो पाया कि साल 1951 के राज्य में मुस्लिम आबादी 12 प्रतिशत थी, जो आज बढ़कर 40 फीसदी पर पहुंच गई है। हिमंत बिस्व सरमा ने झारखंड में भीषण तेजी से बढ़ रहे जनसंख्या असंतुलन को लेकर भी गहरी चिंता जताई थी और कहा था कि बांग्लादेशी घुसपैठिए तेजी से बढ़े हैं और वे आदिवासी युवतियों को फंसा कर लव जेहाद और लैंड जेहाद कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि आजादी के बाद से असम और बंगाल की जनसंख्या में भारी बदलाव हुआ है। इन दोनों राज्यों में मुस्लिमों की जनसंख्या अचानक बहुत बढ़ गई है। यह बदलाव खास तौर पर 1961 से 1991 के बीच हुआ। साल 1961 से 2011 के बीच में असमिया लोगों की जनसंख्या में बायोलॉजिकल तरीके से गिरावट दर्ज की गई जबकि राज्य की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है।

लव जेहाद और...

कि वे ऐसी सरकार चुनें जो घुसपैठ रोक सके। अगर घुसपैठ नहीं रुकी तो आदिवासियों की जमीन और जंगल दोनों खतरे में पड़ जाएंगे। घुसपैठ का मुद्दा आदिवासियों के लिए एक बड़ा सवाल है। कांग्रेस, हेमंत सोरेन और उनके मंत्री जिन्हें अभी गिरफ्तार किया गया है, ने झारखंड में घुसपैठ करके आदिवासियों के खिलाफ लव जेहाद, जमीन जेहाद और जंगल जेहाद को अंजाम दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ के लिए राज्य के सीएम हेमंत सोरेन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि वे खुद को आदिवासी सीएम बताते हैं, लेकिन आदिवासियों की चिंता करने के बदले लैंड और लव जेहाद के जरिए उनकी जमीन लूटने वाले घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे हैं। झारखंड में आदिवासियों की संख्या लगातार घट रही है। यह अत्यंत चिंता की बात है।

गृहमंत्री अमित शाह ने जनसभा में कहा, मोदी जी के नेतृत्व में आज देश का चहुंमुखी विकास हो रहा है, लेकिन हेमंत सोरेन सरकार की नाकामी के कारण झारखंड इस विकास यात्रा में पीछे छूट गया है। झारखंड की जनता ने इस बार प्रदेश में बदलाव का कमल खिलाने का संकल्प लिया है। आने वाले चुनाव में भाजपा के कार्यकर्ता मोदी जी के कार्यों से जन-जन को अवगत कराकर प्रदेश में परिवारवाद, भ्रष्टाचार व जातिवाद मुक्त सरकार बनाने वाले हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ भी अहम बैठक की। इस बैठक में उन्होंने सभी से चुनाव में जुट जाने के लिए कहा। अमित शाह ने झारखंड प्रदेश कोर ग्रुप की बैठक में पदाधिकारियों के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि झारखंड को हेमंत सोरेन की सरकार ने केवल ठगने का काम किया है। भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं ने यह ठान लिया है कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनाकर प्रदेशवासियों को उनका अधिकार दिलाएंगे और झारखंड को देश में नंबर 1 राज्य बनाएंगे।

भाजपा के इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, सह प्रभारी और असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्व सरमा, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, झारखंड भाजपा के प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी समेत कई बड़े नेता शामिल हुए। केंद्रीय गृहमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए कहा कि विस्तृत सम्मेलन में झारखंड के हर बूथ से कार्यकर्ता आए हैं। मैं आप सभी का मनपूर्वक अभिनंदन करता हूं, आपकी ताकत से ही झारखंड में भाजपा 9 सीटें जीती है।

कांग्रेस और जेएमएम पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा, झारखंड हमेशा से नक्सलवाद से पीड़ित राज्य था, लेकिन मोदी जी ने बिहार और झारखंड से नक्सलवाद को समाप्त किया है। इंडी अलायंस वाले कहते हैं कि हमने विकास किया है। हेमंत सोरेन जी, केंद्र में 10 साल कांग्रेस ने शासन किया और 10 साल भाजपा ने, आप हिसाब लेकर आइए, मैं तो भाजपा का हिसाब लेकर आया हूं। मैं झारखंड को आज बताने आया हूं कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की अगुवाई वाली सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। कांग्रेस के एक सांसद के घर से 300 करोड़ रुपए मिलते हैं। एक मंत्री के पीए के घर से 30 करोड़ मिलते हैं। कांग्रेस पार्टी जवाब दे कि यह पैसा किसका है? कांग्रेस ऐसे भ्रष्टाचारियों को लेकर चलती है और जेएमएम भी उनके साथ है।

नेमप्लेट लगाने...

नेमप्लेट लगाने का आदेश सबसे पहले मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्रा मार्गों पर पड़ने वाली दुकानों, भोजनालयों और ठेलों के लिए जारी किया गया था। बाद मे विरोध होने लगा तो राज्य सरकार ने इसे पूरे प्रदेश में लागू कर दिया। 22 जुलाई से शुरू हो रही कांवड़ यात्रा से पहले वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर के दुकानदारों को भी नेमप्लेट लगाने के लिए कहा गया है। उत्तराखंड के हरिद्वार और मध्य प्रदेश के उज्जैन में भी यह नियम लागू कर दिया गया है। इतना ही नहीं, बिहार के बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर परिसर में स्थित दुकानदारों ने स्वेच्छा से अपनी दुकानों के आगे नाम प्लेट लगा लिया है। उनका कहना है कि इससे उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं है। कई दुकानदारों का कहना है कि वे ऐसा पिछले 20 वर्षों से करते आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार के इस निर्देश का विपक्ष दल विरोध कर रहे हैं। वे यूपी सरकार के इस आदेश को सांप्रदायिक बता रहे है और भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगा रहे हैं। वहीं, भाजपा का कहना है कि हिंदुओं को भी अपनी आस्था की शुद्धता बनाए रखने का वैसे ही पूरा हक है, जैसे अन्य धर्मों के लोगों को है। कई विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं। जबकि इस आदेश को पूरे देश में लागू करने की मांग उठ रही है।

साक्षात देवलोक है उज्जैन

जब सृष्टि में कुछ भी नहीं था तब भी महाकाल विद्यमान थे। स्कंद पुराण के अवंती खण्ड में महाकाल की कथा विस्तार से दी गई है।

पुरा त्वेकार्णवे प्राप्ते नष्टे स्थावरजंगमे।
नाग्निर्न वायुरादित्यो न भूमिर्न दिशो नमः।।
न नक्षत्राणि न ज्योतिर्न धौर्नेन्दुग्रहास्तथा।
न देवासुरगन्धर्वाः पिशाचोरगराक्षसाः।।
सरांसि नैव गिरयो नापगा नाब्धयस्तथा।
सर्वमेव तवोभूतं न प्राज्ञायत किञ्चन।।
तकैको हि महाकालो लोणनुग्रहकारणात्।
तस्थौ स्थानान्यशेषाणि काष्ठास्वालोकयन्प्रभु।।

प्रलय के समय स्थावर जंगम जगत में जब कुछ भी नहीं था। न अग्नि थी, न वायु था, न सूर्य, न पृथ्वी, न दिशाएँ, न क्षत्र, न प्रकाश, न आकाश, न चन्द्र और न ग्रह ही थे। देव, असुर, गंधर्व, पिशाच, नाग तथा राक्षसगण भी नहीं थे। सरोवर, पर्वत, नदी एवं समुद्र भी नहीं थे। सब ओर घोर अंधकार था। ऐसे समय में लोकानुग्रह के कारण केवल महाकाल ही विद्यमान थे, जो सभी दिशाओं को देख रहे थे।

ब्रह्मा जी द्वारा की गई तपस्या एवं आराधना से प्रसन्न होकर उन्होंने महाकाल वन में निवास करना स्वीकार किया। शिवपुराण के अनुसार बारह ज्योर्तिलिंगों में तृतीय श्री महाकाल उज्जयिनी में विराजित हैं। एक बार दूषण नामक असुर जो वेद एवं ब्राह्मणों का घोर विरोधी था, के अत्याचार से सभी संतप्त हो उठे। एक भक्त ब्राह्मण द्वारा की गई तपस्या से प्रसन्न होकर शिवजी प्रकट हुए एवं उन्होंने अपनी हंकार से असुर को भस्म कर दिया। भक्तों एवं देवताओं के आग्रह पर भक्त वत्सल भगवान शिवजी महाकाल ज्योतिर्लिंग स्वरूप में यहीं स्थापित हो गए।

एक जगह विवरण आता है कि एक गोपी ने भक्ति भाव से महाकाल ज्योतिर्लिंग पर मंदिर का निर्माण कराया था। इस गोपी की आठवीं पीढ़ी में नंद हुए, जिनके आँगन में भगवान श्रीकृष्ण ने लीला रची।

महाभारत, मत्स्य पुराण, देवी भागवत, अग्नि पुराण, वराह पुराण, भागवत पुराण, विष्णु पुराण, ब्रह्मवैवर्त पुराण, लिंग पुराण, हरिवंश पुराण आदि में भी उज्जयिनी स्थित महाकाल की महिमा गायी गई है।

काल का अर्थ समय और मृत्यु दोनों लियाजाता है। भूतभावन भगवान महाकाल समय और मृत्यु दोनों के अधिपति के रूप में पूजित हैं। ब्रह्माण्ड के तीन लोकों में तीन शिवलिंगों को पूज्य माना गया है, उनमें भूलोग पृथ्वी पर महाकाल की प्रधानता है।

आकाशे तारकं लिंगं, पाताले हाटकेश्वरम्।
भूलोके च महाकालो लिंगत्रय नमास्तुते।।

अर्थात आकाश में तारक लिंग, पाताल में हाटकेश्वर एवं भूलोक में महाकाल के रूप में विराजित हैं लिंगत्रय, आपको नमस्कार है।

बारह ज्योतिर्लिंगों में महाकाल का विशेष महत्व है। स्कन्द पुराण के अनुसार महाकाल वन संचित पाप नष्ट होने से क्षेत्र, मातृदेवियों का स्थान होने से पीठ, मृत्यु के उपरान्त पुनः जन्म न होने से गुह्य तथा भूतों का प्रिय स्थान होने से श्मसान कहलाता है। यह पांच वैशिष्ट्य केवल यहीं पाए जाते हैं। इसलिए यहां की गई साधना एवं उपासना विशेष फलदायी कही गई है। इसी वैशिष्ट्य के फलस्वरूप उज्जयिनी में शैव मत के अलावा वैष्णव, शाक्त, तांत्रिक, मांत्रिक, बौद्ध, जैन आदि सभी सम्प्रदायों के साधन स्थल विकसित हुए और यह वैभवशाली नगर दिव्य नगर भी कहलाया।

प्राप्त संदर्भों का अवलोकन करें तो ई.पू. छठी सदी में उज्जयिनी के राजा चन्डप्रद्योत द्वारा मंदिर की व्यवस्था के लिए अपने पुत्र को नियुक्त करने संबंधी जानकारी मिलती है। 11वीं-12वीं सदी में महाकाल मंदिर का पुनर्निर्माण हुआ। इस समय उदयादित्य एवं नरवर्मा यहां के शासक थे। सन् 1325 में सुल्तान इल्तुतमिश ने मंदिर को नुकसान पहुंचाया। लेकिन महाकाल के धार्मिक महत्व को कम न कर सका। वर्तमान मंदिर मराठा कालीन है। इसे मराठा शासक राणोजी शिन्दे के दीवान रामचंद्र बाबा शैणवी द्वारा बनवाया गया। बारह ज्योतिर्लिंगों में सबसे विस्तृत परिसर कदाचित महाकाल मंदिर की है जिसमें 40 से अधिक ऐसे मंदिर हैं जो पुराण काल से लगकर 300-400 वर्ष पहले तक के हैं। पाठकों एवं श्रद्धालुओं के लिए मंदिर परिसर में स्थित प्रमुख देवस्थानों की संक्षिप्त जानकारी देना उपयोगी होगा।

मुख्य मंदिर तीन भागों में है...

गर्भ गृह- गर्भगृह में भूतभावन भगवान महाकाल स्वयं विराजित हैं। तीन आलों में देवी पार्वती, श्री गणेश एवं श्री कार्तिकेय की रजत प्रतिमाएं विराजित हैं। गर्भ गृह में ही दो अखंड दीप प्रज्वलित हैं। कहा जाता है कि औरंगजेब ने इन दीपों को अखंड प्रज्वलित रखने के लिए राज्य की ओर से घी दिए जाने की सनद लिखी थी। महाकाल ज्योतिर्लिंग के सामने उनके प्रमुख गण नंदी की विशाल रजत प्रतिमा स्थापित है।

ओंकारेश्वर महादेव- प्रथम तल पर ओंकारेश्वर महादेव विराजेत हैं। इन्हें ओंकारेश्वर ज्योर्तिलिंग का प्रतिरूप माना जाता है।

नागचन्द्रेश्वर महादेव- मंदिर के तृतीय तल पर नागचंद्रेश्वर महादेव विराजे हैं। यहां पर शिव-पार्वती की परमारकालीन सुन्दर प्रतिमा स्थापित है जिसके ऊपर नागफन छत्र के रूप में फैला हुआ है। इस मंदिर के दर्शन वर्ष में एक बार केवल नागपंचमी को ही होते हैं।

साक्षी गोपाल- कहते हैं कि भूतभावन भगवान महाकाल तो अखंड समाधि में रहते हैं। ऐसे में साक्षी गोपाल ही महाकाल के दर्शनार्थियों को साक्षी देते हैं। अतः महाकाल दर्शन के उपरांत श्रद्धालुओं को साक्षी गोपाल के दर्शन अवश्य करना चाहिए।

सिद्धदास हनुमान मंदिर- मंदिर परिसर में उत्तर दिशा में स्थित इस प्राचीन मंदिर में समर्थ गुरु रामदास जी ने हनुमान जी की मूर्ति स्थापित की थी, ऐसा कहा जाता है। मंदिर को संकट मोचक सिद्धदास हनुमान मंदिर भी कहा जाता है।

ऋषि-सिद्धि विनायक मंदिर - मंदिर में विराजित प्रतिमाएं अत्यंत प्राचीन हैं। यह मंदिर ओंकारेश्वर मंदिर के सामने विशाल वट वृक्ष के नीचे स्थित है।

लक्ष्मी नृसिंह मंदिर- महाकाल मंदिर के गलियारे में स्थित इस मंदिर में नृसिंह दरबार स्थापित है। भगवान नृसिंह के साथ-साथ देवी लक्ष्मी एवं प्रहलाद की प्रतिमाएं भी मंदिर में स्थापित हैं। स्कंद पुराण की कथा के अनुसार हिरण्यकश्यप के वध के पश्चात भगवान नृसिंह को क्रोध इसी स्थान पर शांत हुआ था।

श्री राम दरबार- प्रसिद्ध संत श्री ब्रह्मचैतन्य गोंदवलेकर जी ने परिसर के गलियारे में इस मंदिर की स्थापना की थी। मंदिर में राम दरबार की सुंदर प्रतिमाएं विराजित हैं।

अवंतिका देवी - श्री राम मंदिर के पीछे अवंतिका देवी का मंदिर है। अवंतिका देवी को उज्जयिनी की अधिष्ठात्री देवी माना जाता है। इसी कारण उज्जयिनी का एक नाम अवंतिकापुरी भी है।

चंद्रादित्येश्वर- महाकाल वन में स्थित 84 महादेवों में इनकी गणना होती है। इसी मंदिर में आद्य शंकराचार्य जी की प्रतिमा भी स्थापित है।

अन्नपूर्णा देवी- इस मंदिर में देवी अन्नपूर्णा के साथ-साथ गोरे भैरव तथा काले भैरव भी स्थापित हैं। गुप्त नवरात्र में यहां विशेष पूजन होती है।

वाच्छायन गणपति- चाँदी द्वार के पास वाच्छायन गणपति विराजित हैं, जिनकी आराधना से मनोवांछित इच्छाओं की पूर्ति होती है।

स्वप्नेश्वर महादेव- 84 महादेवों में वर्णित स्वप्नेश्वर महादेव सिद्धदास हनुमान मंदिर के सामने स्थापित हैं। इनके दर्शन से दुःस्वप्नों के कुप्रभावों से मुक्ति मिलती है।

त्रिविशिष्टपेश्वर महादेव- 84 महादेवों में वर्णित त्रिविष्टपेश्वर महादेव मंदिर महाकाल मंदिर के पीछे स्थित है।

बृहस्पतेश्वर महादेव- स्वप्नेश्वर महादेव के समीप बृहस्पति (गुरु) शिवलिंग के रूप में विराजित हैं।

भद्रकाली मंदिर- ओंकारेश्वर मंदिर के उत्तरी कक्ष में माँ भद्रकाली का सुन्दर स्वरूप मंदिर में स्थापित है।

नवगृह मंदिर- महाकाल मंदिर के निर्गम द्वार के समीप नवगृह मंदिर स्थित है। मंदिर में नौ गृह शिवलिंग के रूप में स्थापित है।

नीलकंठेश्वर महादेव- महाकाल मंदिर के पीछे नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर है। संसार के ताप से मुक्ति के लिए इनकी पूजा की जाती है।

स्वर्णजालेश्वर मंदिर- 84 महादेवों में वर्णित स्वर्णजालेश्वर की पूजन-अर्चना से समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

शनि मंदिर- कोटि तीर्थ कुण्ड के समीप प्राचीन शनि मंदिर स्थित है।

अनादिकल्पेश्वर महादेव- अनादिकल्पेश्वर की गणना 84 महादेवों में की जाती है।

एक कथा के अनुसार ब्रह्मा और विष्णु दोनों सृष्टि निर्माण का श्रेय लेना चाहते थे। उन्हें महाकाल वन में स्थित अनादिकल्पेश्वर महादेव का आदि एवं अंत खोजने की आज्ञा हुई। ब्रह्मा जी आकाश में एवं विष्णु भगवान पाताल लोक में आदि एवं अंत खोजने के लिए निकले। पाताल लोक में अंत न पाकर विष्णु भगवान वापस आ गए। ब्रह्मा जी को भी आकाश में अंत नहीं मिला, लेकिन उन्होंने अंत मिलने संबंधी झूठ बोला तथा गाय एवं केवड़ा के फूल से झूठी गवाही भी दिलाई। झूठी गवाही से महादेव कुपित हुए एवं उन्होंने ब्रह्माजी तथा गाय को श्राप दिया। साथ ही केवड़े के फूल को अपनी पूजा में निषिद्ध कर दिया।

श्री बाल विजय मस्त हनुमान- अनादिकल्पेश्वर मंदिर के सामने यह एक चैतन्य मंदिर है जहां बाल हनुमान की सुन्दर प्रतिमा स्थापित है।

वृद्धकालेश्वर महाकाल- वृद्धकालेश्वर महाकाल के बारे में कहा जाता है कि वर्तमान ज्योतिर्लिंग से पूर्व वृद्धकालेश्वर ही पूजे जाते थे, पर इस तथ्य को निश्चयात्मक रूप से नहीं कहा जा सकता।

सप्तऋषि मंदिर- मंदिर परिसर में पीछे सप्तऋषि मंदिर स्थित है जहां पर मानव जाति के आदि पुरुषों के रूप में मान्य सप्तऋषि विराजित हैं। ऋषि पंचमी के दिन महिलाएं एवं रक्षाबंधन के दिन ब्राह्मण अपने पूर्वजों के रूप में सप्तऋषियों का पूजन करते हैं।

कोटितीर्थ कुण्ड- मंदिर परिसर में स्थित कोटितीर्थ कुण्ड का जल अत्यंत पवित्र माना जाता है। कोटि तीर्थ कुण्ड में भारत भूमि की सभी पवित्र नदियों एवं सरोवरों के जल का वास माना गया है। इसी कुण्ड के जल से नित्य महाकाल का अभिषेक होता है। महाभारत आदि प्राचीन ग्रंथों में कोटितीर्थ कुंड का उल्लेख मिलता है।

कोटेश्वर महादेव- कोटेश्वर महादेव कोटितीर्थ कुण्ड के अधिष्ठाता हैं।

नागवंध- यह परमारकालीन (11 शताब्दी) शिलालेख है जो महाकाल मंदिर के पीछे स्थित है। इस शिलालेख में भूतभावन भगवान महाकाल की प्रशस्ति की गई है।

इसके अलावा विट्ठल पंडरीनाथ मंदिर, मंगलनाथ मंदिर, प्रवेश द्वार के गणेश, ऋषि-सिद्धि विनायक मंदिर, मारुतिनंदन मंदिर, दक्षिणी मराठों का मंदिर, गोविंदेश्वर महादेव, सूर्यमुखी हनुमान, लक्ष्मी प्रदाता मोढ़ गणेश मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर, ओंकारेश्वर महादेव मंदिर आदि भी परिसर में स्थित हैं। मंदिर परिसर में ही भस्म तैयार करने का कक्ष है, जहां महाकाल की भस्म आरती हेतु गाय के गोबर के कंडों से भस्म तैयार की जाती है।

महाकाल मंदिर परिसर शैव, शाक्त एवं वैष्णव परंपराओं का भव्य समन्वय स्थल है, जहां नवगृह एवं सप्तऋषि भी अपनी दिव्यता के साथ उपस्थित हैं। दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग होने से तांत्रिक परंपरा का महत्वपूर्ण स्थान तो यह है ही। कहा जा सकता है कि धर्मावलंबियों के लिए महाकाल मंदिर परिसर साक्षात देवलोक हैं।

-अरविन्द श्रीधर - विनायक फीचर्स

सावन में करे शिव आराधना,दूर होगें सारे कष्ट!

हजारों सालों से विज्ञान 'शिव' के अस्तित्व को समझने का प्रयास कर रहा है। जब भौतिकता का मोह खत्म हो जाए और ऐसी स्थिति आए कि ज्ञानेंद्रियां भी बेकाम हो जाएं, उस स्थिति में शून्य आकार लेता है, और जब शून्य भी अस्तित्वहीन हो जाए तो वहां शिव का प्राकट्य होता है। शिव यानी शून्य से परे। जब कोई व्यक्ति भौतिक जीवन को त्याग कर सच्चे मन से मनन करे तो शिव की प्राप्ति होती है। उन्हीं एकाकार और अलौकिक शिव देवों के देव महादेव का प्रिय महीना सावन का है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ। अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू धर्म में सावन मास का विशेष महत्व है। सावन में भगवान शिव की अर-ाधना की जाती है। सावन के सभी सोमवार का अपना महत्व होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार पांचवा महीना सावन कहलाता है। इस दौरान कुल 4 सोमवार पड़ेंगे। मान्यता है कि सावन मास में भोलेनाथ की अराधना करने से सुख-शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। कुंवारी कन्याएं इस दौरान सुयोग्य वर की प्राप्ति के लिए सावन में पूजा-अर्चना करती हैं।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि सावन का महीना और चारों और हरियाली। भारतीय वातावरण में इससे अच्छा कोई और मौसम नहीं बताया गया है। जुलाई में आने वाले इस मौसम में, ना बहुत अधिक गर्मी होती है और ना ही बहुत ज्यादा सर्दी। वातावरण को अगर एक बार को भूला भी दिया जाए, किन्तु अपने आध्यात्मिक पहलू के कारण सावन के महीने का हिन्दू धर्म में विशेष महत्त्व बताया गया है। सावन का महीना पूरी तरह से भगवान शिव को समर्पित रहता है। इस माह में विधि पूर्वक शिवजी की आराधना करने से, मनुष्य को शुभ फल भी प्राप्त होते हैं। इस माह में भगवान शिव के 'रुद्राभिषेक' का विशेष महत्त्व है। इसलिए इस माह में खासतौर पर सोमवार के दिन 'रुद्राभिषेक' करने से शिव भगवान की कृपा प्राप्त की जा सकती है। अभिषेक कराने के बाद बेलपत्र, शमीपत्र, कुशा तथा दूब आदि से शिवजी को प्रसन्न करते हैं और अंत में भांग, धतूरा तथा श्रीफल भोलेनाथ को भोग के रूप में समर्पित किया जाता है।

सावन में 5 सोमवार

सावन में 5 सोमवार व्रत रहेंगे। इसके अलावा कई विशेष शुभ योग भी आएंगे। ऐसी मान्यता है कि इस माह में किए गए सोमवार के व्रत का फल बहुत जल्दी मिलता है।

सावन सोमवार की तिथियां

22 जुलाई सोमवार- श्रावण पहला सोमवार
29 जुलाई सोमवार- श्रावण दूसरा सोमवार
05 अगस्त सोमवार- श्रावण तीसरा सोमवार
12 अगस्त सोमवार- श्रावण चौथा सोमवार
19 अगस्त सोमवार - श्रावण पांचवा सोमवार

शिव को मिली थी जल से शीतलता

जब शिव विष को धारण कर रहे थे उस समय माता पार्वती ने उनके गले को दबाए रखा, जिससे विष का प्रभाव केवल गले में हुआ और शेष शरीर इसके प्रभाव से अछूता रहा। विष के प्रभाव से महादेव का कंठ नीला हो गया। इसलिए उनको 'नीलकंठ' कहा जाता है। विष के प्रभाव से महादेव को असहनीय गर्मी को सहन करना पड़ा। कैलाशपति को विष की गर्मी से छुटकारा दिलवाने के लिए इंद्र ने वर्षा करवाई थी। शिव ने सावन के महीने में विषपान किया था। इसलिए इस महीने उत्तम वृष्टि के योग बनते हैं और शिव की गर्मी को शांत करने के लिए भक्त शिवलिंग पर शीतल जल चढ़ाते हैं।

पूजा-विधि

सावन महीने में सुबह जल्दी उठकर नहाएं और साफ कपड़े पहनें। इसके बाद ऊं नमः शिवाय मंत्र बोलते हुए गंगा जल से भगवान शिव का अभिषेक करें। शिवलिंग पर जल-दूध चढ़ाएं। फिर फूल, बिल्वपत्र, धतूरा और अन्य चीजें चढ़ाकर आरती करें। इसके बाद नैवैद्य लगाएं। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि भगवान को सिर्फ सात्विक चीजों का ही भोग लगाया जाता है। पूजा-आरती के बाद शिव मंत्र का जाप भी करना चाहिए।

सावन मास का महत्व

सावन मास भगवान शिव को समर्पित है। मान्यता है कि इन दिनों में भक्तिभाव से शिव आराधना करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। पौराणिक कथा के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान जब कालकूट नाम का जहर निकला तो देव और दानव दोनों उससे भयभीत हो गए और कोई भी उसको लेने के लिए तैयार नहीं था। इसके साथ इस विष से चारों और हाहाकार मच गया था। दसों दिशाएं इस विष से जलने लगी थी। देव, दानव, ऋषि-मुनि सभी इसकी गरमी से जलने लगे। इसलिए सभी महादेव के पास गए और उनसे इस सृष्टि को बचाने की प्रार्थना की। भोलेनाथ विष को ग्रहण करने के लिए तैयार हो गए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

घर में छोटा सा ही शिवलिंग रखना चाहिए

देवी-देवताओं की खंडित मूर्तियां घर में नहीं रखनी चाहिए, लेकिन शिवलिंग रख सकते हैं, क्योंकि शिवलिंग को निराकार स्वरूप माना गया है। इस कारण इसे खंडित नहीं माना जाता है। टूटा शिवलिंग भी पूजनीय होता है। ध्यान रखें घर में ज्यादा बड़ा शिवलिंग नहीं रखना चाहिए। घर में छोटा शिवलिंग रखना शुभ रहता है। हमारे अंगूठे के पहले पोर से बड़े आकार का शिवलिंग घर में रखने से बचना चाहिए। शिवजी के साथ ही गणेशजी, माता पार्वती, नंदी की भी मूर्तियां जरूर रखें। पूजा की शुरुआत गणेश पूजन से करना चाहिए।

इन बातों का रखें ख्याल

शास्त्रों के अनुसार सावन माह में भक्तों को बैंगन खाने से परहेज करना चाहिए क्योंकि कई लोग इस सब्जी को अशुद्ध मानते हैं। इसके अलावा इस दौरान व्रत रखने वाले लोगों को दूध का सेवन भी नहीं करना चाहिए। इसके पीछे धार्मिक मान्यता ये है कि दूध से भोले बाबा का अभिषेक किया जाता है इसलिए इसका सेवन वर्जित है। इस महीने में भक्तों को मास-मदिरा तथा प्याज-लहसुन के सेवन से भी परहेज करना चाहिए।

सावन सोमवार से प्रसन्न हो जाते हैं शिव भगवान

सावन महीने के प्रत्येक सोमवार को शिव की पूजा करनी चाहिए। इस दिन व्रत रखने और भगवान शिव के ध्यान से विशेष लाभ प्राप्त किया जा सकता है। यह व्रत भगवान शिव की प्रसन्नता के लिए किये जाते हैं। व्रत में भगवान शिव का पूजन करके एक समय ही भोजन किया जाता है। साथ ही साथ गले में गौरी-शंकर रूद्राक्ष धारण करना भी शुभ रहता है। भोले बाबा सभी देवो में सबसे सरल और भोले माने गए हैं। इन्हें हिंदू धर्म में बड़ी श्रद्धा के साथ पूजा जाता है। माना जाता है कि सावन में शिव जी का व्रत रखने से कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर और कुवारें लड़कों को मनचाही वधु की प्राप्ति होती है। यदि आपने भी भोले बाबा को प्रसन्न करने के लिये सावन सोमवार का व्रत रखा है तो बताए गए शुभ मुहूर्त में जल चढ़ाएं पूरा श्रावण मास जप,तप और ध्यान के लिए उत्तम होता है, लेकिन इसमें सोमवार का विशेष महत्व है। सोमवार का दिन चन्द्र ग्रह का दिन होता है और चन्द्रमा के नियंत्रक भगवान शिव हैं। अतः इस दिन पूजा करने से न केवल चन्द्रमा बल्कि भगवान शिव की कृपा भी मिल जाती है। कोई भी व्यक्ति जिसको स्वास्थ्य की समस्या हो, विवाह की मुश्किल हो या दरिद्रता छाई हो।अगर सावन के हर सोमवार को विधि पूर्वक भगवान शिव की आराधना करता है तो तमाम समस्याओं से मुक्ति पा जाता है। सोमवार और शिव जी के सम्बन्ध के कारण ही मां पार्वती ने सोलह सोमवार का उपवास रखा था।सावन का सोमवार विवाह और संतान की समस्याओं के लिए अचूक माना जाता है। भगवान शिव की पूजा के लिए और खास तौर से वैवाहिक जीवन के लिए सोमवार की पूजा की जाती है। अगर कुंडली में विवाह का योग न हो या विवाह होने में अडचने आ रही हों तो संकल्प लेकर सावन के सोमवार का व्रत किया जाना चाहिए।

सिंपल सूट पहन सादगी भरे अंदाज में दिखी निकिता दत्ता

कबीर सिंह फेम निकिता दत्ता आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तहलका मचा देता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोज शेयर की हैं, जिसमें उनकी कातिल अदाएं देखकर फैंस लट्टू हो गए हैं और साथ ही उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।एक्ट्रेस निकिता दत्ता बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस में से एक हैं।

उन्होंने फिल्म कबीर सिंह से लोगों के बीच अपनी अच्छी खासी पहचान बनाई है।अब हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनके सादगी भरे अंदाज ने फैंस के बीच महफिल लूट ली है।निकिता दत्ता ने अपनी लेटेस्ट फोटोज को क्लिक करवाते हुए येलो कलर का शरारा सूट पहना हुआ है, जोकि उन पर काफी ज्यादा जंच रहा है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें शेयर करती हैं तो उनका हर एक लुक इंटरनेट पर बवाल मचा देता है।

खुले बाल को स्टाइल कर के, कानों में इयररिंग्स पहन कर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस निकिता दत्ता कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देते फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं।एक्ट्रेस निकिता दत्ता इन दिनों भले ही फिल्मों में नहीं दिखाई दे रही हो लेकिन आए दिन अपनी फोटोज शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं।निकिता दत्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनक फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

नाग अश्विन ने प्रिंस और नरेश अगस्त्य की काली का टीजर जारी किया

युवा नायक प्रिंस और नरेश अगस्त्य अभिनीत फिल्म काली का टीजर ब्लॉकबस्टर निर्देशक नाग अश्विन द्वारा जारी किया गया है। प्रसिद्ध कहानीकार के. राघवेंद्र रेड्डी के मार्गदर्शन में रुद्र क्रिएशन द्वारा निर्मित और शिवा सेशु द्वारा निर्देशित काली एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है जिसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिल्म वर्तमान में पोस्ट-प्रोडक्शन के दौर से गुजर रही है और जल्द ही एक भव्य नाट्य रिलीज़ के लिए तैयार है।नाग अश्विन ने टीजर की प्रशंसा करते हुए इसे दिलचस्प और प्रभावशाली बताया और निर्देशक शिवा सेशु द्वारा तेलुगु दर्शकों के लिए एक नई अवधारणा पेश करने पर प्रकाश डाला। उन्होंने काली की पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएँ दीं।फिल्म के प्रस्तुतकर्ता के. राघवेंद्र रेड्डी ने टीजर रिलीज करने पर अपनी खुशी जाहिर की और इस बात पर जोर दिया कि काली एक दिलचस्प मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है जो काली के चरित्र पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है और जल्द ही दर्शकों के सामने फिल्म लाने का वादा किया। निर्माता लीला गौतम वर्मा ने नाग अश्विन को उनके व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद टीजर लॉन्च करने के लिए समय निकालने के लिए धन्यवाद दिया। लेखक और निर्देशक शिवा सेशु ने काली को पौराणिक कथाओं और मनोवैज्ञानिक थ्रिलर शैलियों के तत्वों को मिलाकर एक नई कहानी वाली फिल्म बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि काली दर्शकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करेगी और उन्होंने एक भव्य नाट्य विमोचन की योजना की घोषणा की। काली के टीजर लॉन्च कार्यक्रम में क्रिएटिव प्रोड्यूसर राधाकृष्ण तथिनेनी, धरणी कुमार टीआर, कार्यकारी निर्माता फणींद्र और अन्य लोग शामिल हुए। काली के टीजर में, शिवराम (प्रिंस द्वारा अभिनीत) स्वार्थी दुनिया से मोहभंग के कारण आत्महत्या के बारे में सोचता है। हालांकि, जैसे ही वह खुद को फांसी लगाने की तैयारी करता है, एक अजनबी (नरेश अगस्त्य) उसके दरवाजे पर आता है और शिवराम के जीवन के बारे में अंतरंग विवरण बताता है। शिवराम इस बात से हैरान रह जाता है कि अजनबी उसके बारे में इतना कुछ कैसे जानता है, खासकर उन घटनाओं के बारे में जो केवल उसे और उसकी पत्नी को ही पता हैं। टीजर दिलचस्प सवालों के साथ समाप्त होता है: शिवराम, जो पहले खुशहाल शादीशुदा था, ने आत्महत्या के बारे में क्यों सोचा? यह अजनबी कौन है, और वह शिवराम के बारे में सब कुछ कैसे जानता है? इसके अलावा, ऐसा क्यों लगता है कि उसके पास शिवराम जैसा दिखने वाला शव है?कलाकारों में प्रिंस, नरेश अगस्त्य, नेहा कृष्णन, गौतमराजू, गुंडू सुदर्शन, केदार शंकर, मणि चंदना, मधुमणि, आदि शामिल हैं।

पहली बार तुलसी हमारी बड़ी सयानी में मां की भूमिका निभा रहीं हैं अपर्णा दीक्षित

एक्ट्रेस अपर्णा दीक्षित पहली बार पर्दे पर टीवी शो तुलसी हमारी बड़ी सयानी में मां का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि वह इसी तरह की परिपक्व प्रेम कहानी की तलाश में थीं।अपर्णा ने कहा कि वह इस शो में पहले निभाई गई भूमिका से काफी अलग नजर आएंगी। प्यार की लुका छुपी और वो तो है अलबेला जैसे शो में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर एक्ट्रेस ने कहा, मैं पहली बार स्क्रीन पर मां का किरदार निभा रही हूं। यह एक ऐसा शो है, जिसकी शुरुआत से ही मैं इसमें मां की भूमिका निभा रही हूं। मैंने यह फैसला इसलिए किया क्योंकि इसकी कहानी आशावादी और सम्मोहक है।उन्होंने कहा, मैंने खुद से कहा कि मैं यह शो करूंगी, क्योंकि इसमें एक अलग तरह का फ्लेवर है। अब तक मैंने जिन टीवी शो में काम किया है, उनमें से ज्यादातर प्रेम कहानियां थीं। यह भी एक प्रेम कहानी है, लेकिन यह एक बहुत ही गहरी और परिपक्व कहानी है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे बुरा समय और भाग्य आपस में जुड़ते हैं। आगे कहा, बुरे समय में साथी अक्सर हार मान लेते हैं लेकिन इस कहानी में खूबसूरती से दिखाया गया है कि कैसे एक पति अपनी पत्नी का ऐसे समय पर समर्थन करना जारी रखता है। वह उसके साथ खड़ा रहता है, उसे ठीक होने में मदद करता है और उसे अपनी बेटी से फिर से मिलाता है। यह एक ऐसे पति की कहानी है जो अपने संघर्षों के बावजूद अपनी पत्नी का उसके सबसे बुरे समय में साथ देता है।चरित्र को निभाते समय सामने आई चुनौतियों के बारे में अपर्णा ने कहा, मैं कुछ अलग करना चाहती थी और यह कहानी बिल्कुल वैसी ही है। यह जटिल भावनाओं के साथ मां-बेटी के रिश्ते को दिखाती है। मुझे लगता है कि लोग इसे पसंद करेंगे क्योंकि यह भावनात्मक और संवेदनशील दोनों तरह का शो है।उन्होंने कहा, एक मां और उसके बच्चे के बीच का रिश्ता बेहद संवेदनशील और मार्मिक होता है। एक भावुक व्यक्ति के रूप में इस किरदार को निभाना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। मैं इस भूमिका को लेकर बहुत खुश हूं। मैंने पहले कभी टीवी पर एक मां की भूमिका नहीं निभाई।एक्ट्रेस ने कहा, मैंने पहले भी कई तरह की प्रेम कहानियों में काम किया है। लेकिन यह भूमिका मेरे लिए बहुत नई और चुनौतीपूर्ण है, जिसमें एक मां और बेटी के बीच के खूबसूरत रिश्ते को दिखाया गया है।तुलसी हमारी बड़ी सयानी दंगल टीवी पर प्रसारित होता है।

सूर्या कल होगी रिलीज

सूर्या इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म कंगुवा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म में सूर्या के साथ बॉबी देओल और दिशा पाटनी मुख्य भूमिकाओं में हैं। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का टीजर जारी किया, जिसे देखकर प्रशंसकों का उत्साह चरम पर पहुंच गया। वहीं, अब इसके पहले गाने फायर सॉन्ग की रिलीज पर बड़ा अपडेट सामने आया है। निर्माता ने इसे बेहद खास दिन पर रिलीज करने की अपनी योजना का खुलासा कर दिया है। निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर यह घोषणा की कि तमिल काल के एक्शन तमाशा कंगुवा का पहला एकल 23 जुलाई, 2024 को रिलीज होगा। इस गाने का शीर्षक फायर सॉन्ग है। गाने का एक दिलचस्प पोस्टर साझा करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा है, अपनी आत्माओं को प्रज्वलित करें और एक शानदार उत्सव के लिए खुद को तैयार करें। कंगुवा का फायर सॉन्ग 23 जुलाई को रिलीज होने के लिए तैयार है।जारी किए गए पोस्टर में सूर्या को कंगुवा के रूप में दिखाया गया है। वह एक जलते हुए प्रवेश द्वार के सामने खड़े नजर आ रहे हैं। नए अपडेट ने उन प्रशंसकों के बीच काफी उत्साह पैदा कर दिया है जो फिल्म पर नए अपडेट का इंतजार कर रहे थे। बेसब्री से निर्माताओं ने फायर सॉन्ग को रिलीज करने के लिए 23 जुलाई का दिन चुना है। जानकारी हो कि उसी दिन सूर्या का जन्मदिन भी होता है। कंगुवा पहले अप्रैल 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। हालांकि, लोकसभा चुनाव के कारण इसकी रिलीज डेट को आगे खिसका दिया गया। निर्माता अब 10 अक्तूबर को 3डी और आईमैक्स फॉर्मेट में इसकी भव्य रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। कंगुवा का निर्देशन सिरुथाई शिवा ने किया है। इस फिल्म में सूर्या कंगुवा उर्फ कंगा की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं बॉबी देओल फिल्म में उधिरन के रूप में नजर आएंगे। यह फिल्म 10 भाषाओं में रिलीज होने वाली है। कंगुवा एक महत्वाकांक्षी फैंटसी एक्शन फिल्म है, जिसे कथित तौर पर 300 करोड़ रुपये से अधिक के भारी बजट में तैयार किया गया है। वहीं, कंगुवा की रिलीज से पहले ही ज्ञानवेल राजा ने प्रशंसकों को बड़ा तोहफा दे दिया है। उन्होंने बताया कि कंगुवा का सीक्वल बनेगा और इसका निर्माण जल्द ही शुरू होगा। उनके अनुसार, कंगुवा के दूसरे भाग का प्रोडक्शन साल 2026 में शुरू होगा। फिलहाल, कंगुवा पार्ट 2 के बारे में बहुत कम जानकारी है। प्रोजेक्ट को लीक से बचाने के लिए निर्माता अतिरिक्त सतर्क रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। कोई पौधा लगाएँ। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए मिला न मानें। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम-संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमज़ोर हैं और उनसे आपकी कमज़ोरी और बढ़ेगी। भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मज़बूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आज हर कोई आपसे दोस्ती करना चाहता है और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में ख़ुशी महसूस करेंगे। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभावना है। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं दूसरों के मामलों में दख़ल देने से आज बचें। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख-कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। अगर आज आप किसी को सलाह देते हैं, तो ख़ुद लेने के लिए भी तैयार रहें। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। अपने प्रिय के साथ सैर-सपाटे पर जाते समय ज़िंदगी को पूरी शिद्दत से जिएँ। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख़्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। जीवनसाथी के साथ ख़रीदारी मज़ेदार रहेगी। इससे आप दोनों के बीच की समझ में भी इज़ाफ़ा होगा। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। अपने क़रीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें उदास कर सकती हैं। कोई पौधा लगाएँ। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएं, जो अनुभवी हों। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस-पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफ़े में बदल सकते हैं। नये यार-दोस्त आज का दिन ख़ास बनाएंगे। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। कुछ लोगों को व्यापारिक और शैक्षिक लाभ मिलेगा। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। जीवनसाथी की ख़राब सेहत का असर आपके काम-काज पर भी पड़ सकता है ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए गम्भीर तौर पर प्रयास करें। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक़्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। जितना आपने सोचा है, आपके दोस्त उससे ज़्यादा मददगार साबित होंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। दोस्तों की परेशानियों और तनाव के चलते आप अच्छा महसूस नहीं करेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। शादीशुदा ज़िन्दगी के नज़रिए से यह थोड़ा मुश्किल वक़्त है।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 22 जुलाई 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा दोपहर 01:13 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 10:21 तक
योग : प्रीति सायं 05:57 तक
करण : कौलव दोपहर 01:13 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- अशून्य शयन व्रत आरंभ , चातुर्मास व्रती को श्रावण में हरी सब्जी खाना वर्जित है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम सैनी ने सिकंदरपुर में किया एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ

सिरसा, 21 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि पर्यावरण की शुद्धता के लिए यह जरूरी है कि हम सभी को एक-एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। श्री सैनी ने रविवार को राधा स्वामी सतसंग (व्यास) सिकंदरपुर में गुरु पूर्णिमा के दिन आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण से बचाव के उद्देश्य से पौधारोपण अभियान का शुभारंभ करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री के साथ राधा स्वामी सत्संग (व्यास) सिकंदरपुर के सेवादारों ने एक साथ 20 हजार पौधे लगाकर वातावरण प्रदूषण रोकने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बड़ा हर्ष का विषय है कि राधा स्वामी सत्संग व्यास का मानवता की भलाई के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यक्रमों में भाग ले रहा है, सेवादारों का यह प्रयास सराहनीय है।

श्री सैनी ने कहा कि मानवता की सेवा के साथ-साथ हमें पर्यावरण शुद्धता की ओर भी ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि कृषि के लिए जमीन को उपजाऊ रखने में पेड-पौधों और वनों का बड़ा योगदान होता है। इसलिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाकर वनों का विकास करना होगा और पेड़-पौधों की रक्षा करनी होगी। जितने ज्यादा पेड़-पौधे होंगे, उतना ही हमारा पर्यावरण स्वच्छ होगा। आज तापमान में लगातार बढ़ौतरी हो रही है। इसका एक कारण पेड़ों की कटाई ज्यादा होना है।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण में असंतुलन चिंता का विषय है। उन्होंने पौधारोपण अभियान एक महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए कहा कि पर्यावरण शुद्ध होगा तो व्यक्ति स्वस्थ होगा। जब व्यक्ति स्वस्थ होगा तो वह राष्ट्र की प्रगति में अपना योगदान दे पायेगा। श्री सैनी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार प्रदेश में 50 हजार वन मित्र बनाएगी।वन मित्र गड्ढे खोदकर पेड़ लगाने के साथ-साथ उसका संरक्षण भी करेंगे। इस कार्य के लिए उन्हें प्रति पेड़ के हिसाब से सरकार द्वारा 20 रुपये दिए जाएंगे। इसी तरह 'एक पेड़ मां के नाम' योजना के तहत लगये गये पौधे के रखरखाव के लिए भी वन मित्रों को 10 रुपये प्रति पेड़ दिये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि गत पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में एक पेड़ मां के नाम से एक अनूठे अभियान की शुरूआत की थी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि जितना सम्मान हम अपनी जन्म देने वाली मां को देते हैं, उतना ही सम्मान हमें हमारा पालन पोषण करने वाली धरती मां को भी देना होगा। अपनी मां के नाम पौधा लगाने से मां का तो सम्मान होगा ही, साथ ही धरती मां की भी रक्षा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार भी प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश

को हरा-भरा बनाकर प्रदूषण मुक्त करने के लिए कृत संकल्प है। इसी के तहत एक पेड़ मां के नाम योजना का हरियाणा में भी अभियान चलाया जा रहा है।

श्री सैनी ने कहा कि वर्तमान दौर में दुनिया में पर्यावरण प्रदूषण चिंता का विषय है। इस वर्ष हरियाणा में भी कई जिलों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस रहा, जो चिंता का विषय है। उन्होंने अपील की है कि हर परिवार कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाए।

इसके साथ-साथ यह संकल्प भी लें कि अपने बच्चे के जन्म दिवस पर, विवाह की वर्षगांठ के अवसर पर या किसी भी खुशी के अवसर पर पेड़ लगाकर अपनी खुशी को यादगार बनाकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री ने बताया कि हर साल प्रदेश सरकार हर घर हरियाली, पौधगिरी जैसे आयोजन करके नागरिकों की भागीदारी से पौधारोपण अभियान चलाती है। इस वर्ष लगभग डेढ़ करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

इसमें आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। पेड़ पौधों के ग्रोथ पर नजर रखी जाएगी ताकि हरियाणा में वन क्षेत्र को बढ़ाया जा सके। इस मौके पर प्रदेश के परिवहन मंत्री असीम गोयल ने पौधारोपण अभियान को सामाजिक आंदोलन बताते हुए कहा कि डेरा ने जिस प्रकार से मानवता की भलाई के लिए अनेक काम कर रहा है। उनमें पर्यावरण संरक्षण के लिये पौधारोपण अभियान भी शामिल है। उन्होंने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हम गुरु जी के आशीर्वाद से एक साथ इस अभियान का हिस्सा बन रहे है। गुरु जी के विचारों से हमे प्रेरणा मिलती है और हम भलाई के लिए काम कर रहे है। परिवहन मंत्री ने लोगों से आह्वान किया कि वे एक पेड़ मां के नाम योजना के तहत वे कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएं और प्रदेश को हरा-भरा बनाने व प्रदूषण मुक्त करने की सरकार की मुहिम में अपना अहम योगदान दें, ताकि आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्या का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री के साथ ऊर्जा मंत्री चौ. रणजीत सिंह, परिवहन मंत्री असीम गोयल, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व सांसद डा. अशोक तंवर, उपायुक्त आर.के. सिंह, एसपी डबवाली दीप्ति गर्ग ने भी पौधारोपण किया।

इस अवसर पर ओडिशा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल, महामंत्री सुरेंद्र पूनिया,ऊर्जा मंत्री रणजीत सिंह,पूर्व सांसद डा. अशोक तंवर, पूर्व विधायक बलकोर सिंह, उपायुक्त आर.के. सिंह, एसपी डबवाली दीप्ति गर्ग, राधा स्वामी सत्संग घर के जॉनल सेक्रेट्री सरदार गुरमिंद्र सिंह, क्षेत्रीय सचिव धर्मेंद्र गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में साध संगत मौजूद रही।

सुरेंद्र पंवार की गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित : रणदीप सुरजेवाला

सोनीपत, 21 जुलाई (एजेंसियां)। ईडी ने शनिवार को यमुनानगर और राज्य के कुछ अन्य क्षेत्रों में अवैध खनन से जुड़े धन शोधन मामले में सोनीपत के कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार को गिरफ्तार कर लिया। पंवार की गिरफ्तारी को लेकर राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि सुरेंद्र पंवार की गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है। पंवार एक समाजसेवी विधायक हैं। उन्होंने सोनीपत में लोगों की सेवा की है। इसी आधार पर कांग्रेस पार्टी के विधायक बने हैं।

रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि पंवार को इस प्रकार से गिरफ्तार करना गलत है। ये भाजपा सरकार की बौखलाहट को दिखाता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। इनके पास न बहुमत है न विधायक हैं। ये सरकार आखिरी पायदान पर खड़ी है। भाजपा सरकार सत्ता से जा रही है, तभी वह इस तरह के हथकंडे अपना रही है। जनवरी में ईडी ने सोनीपत में पंवार और उनके सहयोगियों से जुड़े परिसरों, करनाल में भाजपा नेता मनोज वाधवा के आवासों और यमुनानगर जिले में इनेलो विधायक दिलबाग सिंह और उनके सहयोगियों के आवासों की तलाशी ली थी। बाद में सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया।

हुड्डा हजारों एकड़ भूमि घोटाला का हिसाब दें : अभय

सिरसा, 21 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव व ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा दूसरों से हिसाब मांगने की बजाय प्रदेश की जनता को स्वयं इस बात का हिसाब दें कि 72 हजार एकड़ भूमि को बिल्डर्स को कौड़ियों के भाव बेचकर जुटाया गया धन कहां है?

श्री चौटाला रविवार को अपने चार दिवसीय जनसंपर्क अभियान के तहत ऐलनाबाद हलके के नाथूसरी कलां, तरकांवाली, गिगोरानी, जसानिया, कुम्हारिया, खेड़ी, गुसाईआना, राजपुरा साहनी, रामपुरा ढिल्लों व हंजीरा आदि गावों में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। गांव जोगीवाला में मनरेगा मजदूर श्री चौटाला से मिले ओर एक ज्ञापन देकर उन्हें काम न देकर अन्य कृषि उपकरणों से कार्य करवाने का गांव के सरपंच व प्रशासन पर आरोप लगाए। मजदूरों ने उन्हें बकाया राशि न मिलने की भी बात कही।

श्री चौटाला ने अपने संबोधन में आरोप लगाया कि भूपेंद्र हुड्डा ने स्पेशल इकॉनामिक जोन के नाम पर किसानों से 72 हजार एकड़ भूमि कम दामों पर खरीदकर बड़े बिल्डर्स को सौंप दी थी जो बहुत बड़ा घोटाला है। इनेलो ने इस मामले में 400 पेजों की चार्जशीट बनाकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेतृत्व व राज्यपाल को सौंपी थी, मगर आज तक उसकी कोई जांच नहीं करवाई गई। इनेलो नेता ने कहा कि श्री हुड्डा ने जिन किसानों की जमीन हासिल की थी, उन्हें आश्वस्त किया गया था कि उनके बच्चों को स्पेशल इकॉनामिक जोन में बनने वाली औद्योगिक इकाइयों में नौकरियां दी जाएंगी मगर आज तक उन जोन का कोई अता पता नहीं है। श्री चौटाला ने कहा कि सबका साथ सबका विकास का नारा देने वाली भाजपा ने ऐलनाबाद से सदैव राजनीतिक द्वेष किया है और यही कारण है कि आज हलके के अधिकांश गांवों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति नहीं है जिससे आमजन के साथ-साथ मवेशियों को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। क्षेत्र में स्कूली भवन जर्जर हैं और वहां पर्याप्त संख्या में शिक्षक भी नहीं हैं, ऐसे में बच्चों की शिक्षा का आंकलन आसानी से किया जा सकता है। क्षेत्र की सड़कें भी पूर्णत: जीर्ण शीर्ण हैं जिन्हें निर्मित करवाने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जा सका है। उन्होंने कहा कि इन सब विपरीत परिस्थितियों को बदलने के लिए जरूरी है कि वे आगामी विधानसभा चुनावों में इनेलो-बसपा गठबंधन को मजबूत करें। इस अवसर पर उनके साथ इनेलो जिलाध्यक्ष कश्मीर सिंह करीवाला,बसपा नेता रविंद्र सिंह,राजेंद्र झोरड़,राजेंद्र बरासरी,महेंद्र बाना,रविल सींवर,जगतपाल कासनियां व देवेंद्र कृपालपट्टी सहित अनेक पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

दूषित पानी पीने से तीन लोगों की मौत, 10 बीमार

उदयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में उदयपुर जिले की गिर्वा तहसील में आदिवासी बहुल पोपल्टी गांव में दूषित पानी पीने से तीन लोगों की मौत एवं 10 से अधिक के बीमार होने का मामला सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पोपल्टी गांव में नाले में बनाई गई खुले कुंड में से लोग पीने के पानी का उपयोग करते है। अभी मानसून की बारिश के बाद नाले का पानी खुले कुंड में घुस गया जिससे यह पानी दुषित हो गया था। क्षेत्र में पेयजल की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीण इसी कुंड के पानी का उपयोग कर रह थे। बताया गया है कि इसके कारण से पिछले तीन दिनों में दो बच्चों एवं एक महिला की उल्टी दस्त से मौत हो गयी तथा 11 लोगों को समीप के नाई सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर उपचार किया जा रहा है। इसमें गंभीर रूप से बीमार दो लोगों को शनिवार को उदयपुर के एम बी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा शंकर लाल बामनिया ने बताया कि सूचना पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव का दौरा घर.घर सर्वे किया गया। चिकित्सा विभाग की टीम ने सभी को दवाईयां सुलभ कराई तथा लोगों के स्वास्थ्य की अन्य तरह की जांच की जा रही है।

पिकअप व बस भिंडत में एक की मौत, 11 घायल

श्रीगंगानगर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-62 पर लूणकरणसर शहर में रविवार दोपहर पिकअप एवं रोडवेज बस की भिड़ंत हो गई, जिसमें पिकअप चालक की मौके पर ही मौत हो गई तथा बस के 11 यात्री घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लूणकरणसर के इंडेन गैस गोदाम के पास हुई घटना में मृतक की पहचान विशाल बोहरा निवासी सुजानगढ़ जिला चूरू के रूप में हुई है। घटना में गंभीर रूप से घायल एक महिला को लूणकरणसर के सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद बीकानेर रेफर कर दिया गया।

हादसे का पता चलते ही मौके पर पहुंची टाइगर फोर्स की एंबुलेंस में लगे कटर से आधे घंटे तक अथक प्रयास कर पिकअप की बॉडी को काटा तथा ट्रैक्टर से टोचन कर पिकअप में फंसे चालक के शव को बाहर निकाला। बस में सवार यात्रियों में 11 घायल हुए, जिसमें छ महिला, तीन पुरुष एवं दो बच्चे शामिल हैं।

मालगाडी के तीन पहिए पटरी से उतरे, रेल यातायात प्रभावित

अलवर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर शहर के मथुरा ट्रैक पर अलवर से रेवाड़ी जाने वाली खाली मालगाड़ी के तीन पहिए गत रात्रि को मथुरा ट्रैक पर पटरी से उतर गए। जिससे मथुरा अलवर ट्रैक पर चलने वाली गाड़ियां प्रभावित हुईं।

जयपुर के एडीआरएम मनीष गोयल ने बताया कि यह घटना रात करीब ढाई बजे की है। युद्ध स्तर पर राहत कार्य किए गए। 6 हाइड्रोलिक मशीन जेसीबी और क्रेन की सहायता से ट्रेक को दुरुस्त किया गया। इसमें करीब ढ़ाई सो कर्मचारी राहत कार्य में जुटे रहे तथा आज सुबह साढे दस बजे ट्रेक दुरस्त कर दिया गया। अब टेन आवाजाही के लिए ट्रेक बिल्कुल ठीक है। उन्होंने बताया कि अलवर स्टेशन पर अलवर से मथुरा और मथुरा से बाया अलवर जयपुर जाने वाली ट्रेनों को सबसे पहले निकाला गया। ये दोनो ट्रेन अलवर स्टेशन पर काफी देर खड़ी रही। ट्रेक को दुरुस्त करने में करीब चार घंटे का समय लगा। इस हादसे में पटरी, और ट्रेन के पहिए डेमेज हुए हैं। ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। फिर भी उसका आंकलन किया जा रहा है। श्री गोयल ने बताया कि इस घटना के जांच के आदेश दिए गए हैं कि आखिर में यह मालगाड़ी पटरी से कैसे उतरी। इसके लिए एक कमेटी गठित की गई है जो कमेटी यहां का इस मामले की जांच करेगी।

उपसरपंच सहित एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

भीलवाड़ा, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में उपसरपंच सहित एक ही परिवार के तीन सदस्यों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मरने वालों में पति, पत्नी और नौजवान बेटा शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि बड़लियास में बड़े मंदिर के पास सोनियों की गली में रहने वाले और बड़लियास के उप सरपंच सत्यनारायण सोनी की शनिवार को मौत हो गई थी। मृतक के भाई सुरेश सोनी, जो इन्हीं के साथ रहता था, उसने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि सत्यनारायण सोनी खेत पर मक्का की फसल की खुदाई कर रहे थे, तभी उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। बड़लियास अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। सत्यनारायण के शव का परिजनों ने दाह-संस्कार भी करवा दिया।

इसके बाद दोपहर में पुलिस को सूचना मिली कि सत्यनारायण सोनी की वार्डपंच पत्नी ममता और बेटे आशुतोष 19 की तबीयत बिगड़ गई, जो जिला अस्पताल में भर्ती है। दोनों का आईसीयू में उपचार किया जा रहा था। इस बीच, शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे पुनः सूचना मिली कि ममता और आशुतोष ने भी दम तोड़ दिया। सूचना पर थाना प्रभारी प्रजापत जिला अस्पताल पहुंचे, जहां मां-बेटे के शवों का भी पोस्टमार्टम करवाया। इस दौरान मृतक सत्यनारायण के भतीजे सुनील सोनी ने जिला अस्पताल में पुलिस को रिपोर्ट दी कि सत्यनारायण की मौत से उनकी पत्नी ममता व बेटे आशुतोष को सदमा लगा, जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां इन दोनों ने भी दम तोड़ दिया। पुलिस ने इन रिपोर्टस के आधार पर जांच शुरु कर दी है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

डिप्टी सीएम ने अशोक धाम मंदिर में परिवार के साथ किया रुद्राभिषेक

श्रावणी मेले का उद्घाटन भी किया

मुंगेर (एजेंसियां)।

बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा लखीसराय के सुप्रसिद्ध इंद्रधनेश्वर महादेव अशोक धाम मंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने अपने परिवार के साथ रुद्राभिषेक किया। इस मौके पर सूर्यगढ़ा विधायक प्रहलाद यादव, डीएम रजनीकांत, एसपी पंकज कुमार समेत जिले के तमाम अधिकारी मौजूद रहे। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कल से शुरू होने वाले श्रावणी मेले का भी विधिवत उद्घाटन किया।

इस मौके पर विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि सावन मास पावन मास है। आज पूजा-अर्चना कर देशवासियों और बिहार वासियों की कुशल कामना की है।

महादेव बिहार को अग्रसर विकास की ओर ले आएं और बिहार में सुख-शांति कायम रहे। वहीं, सूर्यगढ़ा विधायक प्रहलाद यादव ने जिला वासियों को सावन मास की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रसिद्ध अशोक धाम मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है। इसलिए जिला प्रशासन श्रद्धालुओं कोई दिक्कत न हो, इसको लेकर पूरी तैयारी करने की अपील की है।

वहीं, श्री इंद्रधनेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. कुमार अमित, संयोजक डॉ. प्रवीण कुमार सिन्हा ने बताया कि नगर परिषद लखीसराय वार्ड-1 रजौना चौकी में अवस्थित ज्योतिर्मय शिवलिंग इंद्रधनेश्वर महादेव पर श्रावण के पावन मास में लाखों श्रद्धालुओं द्वारा जलाभिषेक किया जाता है। इस अवसर पर जिला प्रशासन के साथ-साथ मंदिर प्रशासन का भी श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर प्रतिवर्ष विशेष दायित्व होता है। इस वर्ष भी ट्रस्ट और जिला प्रशासन श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखते हुए अपनी व्यवस्था को निरंतर रखने का प्रयास कर रहे हैं। इस साल बिहार सरकार के उप मुख्यमंत्री व स्थानीय विधायक विजय कुमार सिन्हा अशोकधाम श्रावणी महोत्सव के सफल आयोजन के लिए भरपूर सहयोग दे रहे हैं। वह निरंतर रूप से जिला प्रशासन के संपर्क में हैं।

उन्होंने बताया कि सावन माह का प्रथम दिन ही सोमवार होने के कारण अधिक भीड़-भाड़ को लेकर इस बार 21 जुलाई आषाढ़ पूर्णिमा को उद्घाटन उपमु ख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा किया गया है। उन्होंने बताया कि इस बार भी दक्षिण दरवाजे से श्रद्धालुओं को प्रवेश कराते हुए मंदिर परिसर में बने बैरिकेडिंग के रास्ते कतार लगाकर गर्भगृह में प्रवेश कराया जाएगा, जो जगह पूरी तरह से छायादार होगी और जगह-जगह पंखे लगे रहेंगे। वहीं, मंदिर परिसर में दो जगहों पर बड़ी एलईडी टीवी लगाई जा रही है। उसमें चलते-चलते लोग जलार्पण को भी देख सकेंगे।

वहीं, उन्होंने बताया कि सुरक्षा के ख्याल से मंदिर परिसर में 30 सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए, जिनसे मंदिर परिसर में निगरानी रखी जाएगी। वहीं, श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए कड़ी निगाह भी रखी जाएगी। इसके लिए जगह-जगह दंडाधिकारी के साथ पुलिस भी तैनात कर दी गई है। गौरतलब है कि सावन महीने में विशेषकर सोमवार को लाखों की संख्या में श्रद्धालु अशोक धाम पहुंचकर बाबा श्री इंद्रधनेश्वर महादेव मंदिर स्थित शिवलिंग पर जलाभिषेक और पूजा-अर्चना करते हैं।

पहली सोमवारी को जलाभिषेक के लिए तैयारी पूरी

बाबा गरीबनाथ मंदिर में श्रद्धालु करेंगे जलाभिषेक

पटना (एजेंसियां)।

बाबा गरीब नाथ मंदिर में आज रात 12 बजे से कांवरिया और श्रद्धालु जलाभिषेक करेंगे। इसको लेकर प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली गई है। जिला प्रशासन ने तैयारी का जायजा भी लिया। इस संबंध में मुजफ्फरपुर डीएम सुब्रत सेन ने कहा कि सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और आज रात से जलाभिषेक शुरू कर दिया जायेगा। इसको लेकर मंदिर के पास में घेरा लगाया गया है और इसी के माध्यम से भक्त जलाभिषेक करेंगे।

बाबा गरीब नाथ मंदिर में आने वाले श्रद्धालु को किसी भी तरह से कोई परेशानी नहीं हो, इस पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। जिले के सीमा में प्रवेश करते ही अलग-अलग कैंप लगाया गया है। इसके साथ ही शहर के अंदर प्रवेश करते ही विशेष इंतजाम किये गये हैं। नगर निगम की टीम और अन्य विभाग के द्वारा भी साफ सफाई के लिए 40 से अधिक कर्मी को लगाया गया है। सड़को की साफ-सफाई के साथ पानी का प्रबंध कराया गया है ताकि किसी भी प्रकार से भक्तों को दिक्कत नहीं होइसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। मंदिर के पास कंट्रोल रूम और स्वास्थ्य विभाग का भी कैंप बनाया गया है, जहां लगे रहेंगे ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में अविलंब रिस्पॉन्ड किया जा सके।

पूरे मंदिर परिसर में सीसीटीवी लगाया गया है ताकि भीड़ पर नजर रखी जा सके। इसके साथ-साथ ही मंदिर में कोई भी असमाजिक तत्वों उपद्रवी नही आए इसको लेकर के पुलिस और इडअझ के जवानों को भी लगाया गया है। इसके साथ ही छउउ कैडेट और स्कॉट गाइड के जवान भी तैनात रहेंगे। मंदिर सेवा दल के स्वयं सेवक सदस्य रहेंगे। इसके साथ ही पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं।

पटना में महिला की निर्मम हत्या

बच्चों के साथ सो रही थी, अपराधियों ने गला काटकर मार डाला

पटना (एजेंसियां)।

पटना के धनरूआ थाना के देवकुली गांव में अपराधियों ने घर में सो रही एक महिला की गला काटकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि घर में महिला अपने दो छोटे-छोटे बच्चों के साथ सो रही थी, जबकि उसके पति कितनी जरूरी काम से बाहर गए थे। घटना की सूचना उनके पति को रविवार की सुबह मिली। सूचना मिलने के बाद मृतका के पति ने इसकी सूचना धनरूआ थाने को दी।

सूचना मिलते ही धनरूआ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

इस घटना को लेकर मसौढ़ी पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी कन्हैया सिंह ने बताया कि देवकुली गांव की सोनी कुमारी 24 वर्ष को किसी अज्ञात अपराधी द्वारा गला काटकर हत्या

कर दी। उन्होंने बताया कि सोनी देवी के पति संजीव चौधरी ने हत्या का आरोप अपने पिता और भाई पर लगाया है। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर एफएसएल टीम और डॉग स्कायड की मदद से अपराधियों की पहचान करने में जुट गई है।

धनरूआ निवासी संजीव चौधरी स्कॉर्पियो गाड़ी भाड़ा पर चालव-ाने का काम करते हैं। इसके साथ ही संजीव चौधरी के पिता भी गाड़ी के ड्राइवर हैं। दोनों पिता और पुत्र के बीच इसी बात को लेकर बराबर विवाद हुआ करता था। संजीव चौधरी ने आरोप लगाया है कि उनके पिता द्वारा कई बार पत्नी की हत्या कर देने का भी धमकी दिया गया था। संजीव चौधरी ने बताया कि शनिवार की रात वह अपनी गाड़ी से किसी जरूरी काम के लिए पटना चले गए थे। जब रविवार की अहले सुबह वह अपने घर लौटे तो देखा कि उनकी पत्नी की हत्या कर दी गई है। उन्होंने आशंका जताई है कि उनके पिता और भाई ने मिलकर उनकी पत्नी की निर्मम तरीके से हत्या कर डाली है।

श्रावणी मेला में पहली बार कांवरियों के लिए टेंट सिटी

पटना (एजेंसियां)।

22 जुलाई से श्रावणी मेला शुरू हो रहा है। श्रद्धालुओं को कोई परेशान न हो, इसके लिए पर्यटन विभाग तैयारी कर रही है। पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि श्रावणी मेला 2024 में श्रद्धालुओं को सभी प्रकार की उत्तम व्यवस्था मिलेगी। सुल्तानगंज के बाबा अजगैबीनाथ से गंगा जल लेकर बाबा वैद्यनाथ धाम, देवघर में जलाभिषेक की पवित्र यात्रा से मेरे बचपन की स्मृतियां जुड़ी हुई है, मैं उन कमियों को व्यक्तिगत रूप से स्वयं भी जानता हूं, जिसे दूर करने की आवश्यकता है।

श्रावणी मेला को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन विभाग ने तीन माह पूर्व संयुक्त सचिव रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में हर 25 किमी की दूरी पर कमियों को चिह्नित करने हेतु कुल चार टीमों का गठन किया था ताकि गत वर्ष के अनुभवों को देखते हुए इस वर्ष कांवरियों को ज्यादा गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं प्रदान की जा सके। टीम ने जो रिपोर्ट दी है, उसके अनुसार कांवरियों के आवासन के लिए अधिक व्यवस्था, कांवर स्टैंड की संख्या में वृद्धि, टेंट सिटी में साफ-सफाई की बेहतरीन व्यवस्था, टेंट सिटी में रोज चादर बदलने और परिसर को प्लास्टिक आदि से मुक्त रखने आदि की सलाह दी गयी थी। इसके अनुरुप इस बार विभिन्न सुधार किए गए हैं। इसके बाद इस

वर्ष श्रावणी मेला और भी आकर्षक होगा।

पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा के अनुसार, श्रावणी मेला, 2024 के अवसर पर कांवरियों के विश्राम और आवासन हेतु भागलपुर के सुल्तानगंज और धोबई में पहली बार 200-200 बेड की टेंट सिटी बनायी गयी है। वहीं बांका के अबरखा में 600 बेड और मुंगेर के खैरा में 200 बेड यानी कुल 1200 बेड की टेंट सिटी का निर्माण कराया गया है। सभी स्थानों पर प्रबंधक की नियुक्ति की गयी है, जिससे आवासीय सुविधा का बेहतर प्रबंधन हो सके। सभी टेंट सिटी में सुरक्षाकर्मियों की नियुक्ति, स्वच्छता संबंधी सुविधाएं, जिसमें प्रत्येक दिन हर प्रयोग के बाद चादर-बेडशीट को बदलने का प्रावधान किया गया है, चिकित्सा सुविधाएं, स्वच्छ महिला-पुरुष शौचालय, पेयजल, पंखे की उप-लब्धता एवं अबाधित विद्युत आपूर्ति हेतु साइलेंटर जेनरेटर की व्यवस्था रहेगी।

पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने पूरा परिसर तंबाकू व प्लास्टिक मुक्त रखने की अपील श्रद्धालुओं से की है। उन्होंने बताया कि कांवरिया पथ पर सभी स्थायी पर्यटकीय संरचनाओं को न केवल श्रावणी मेला बल्कि सालों भर आवासन, कैफेटेरिया, सोलर लाइट से युक्त रखा जाएगा। श्रद्धाल-ुओं की सुविधा हेतु 24 घंटे पटना के पर्यटन निगम मुख्यालय में कॉल सेंटर टॉल फ्री नंबर 18003097677 का संचालन किया जाएगा। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम परिसर में कुल तीन शिफ्ट में विभागीय कर्मी श्रद्धालुओं की सुविधाओं का ख्याल रखते हुए उनके सवालों का समाधान करेंगे।

कांवरियों/ श्रद्धालुओं को मेला से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाओं यथा आवासन, चिकित्सा व्यवस्था, पुलिस, महत्वपूर्ण दूरभाष संख्या आदि को संकलित कर बिहार पर्यटन मोबाइल एप एवं विभागीय वेबसाइट में समाहित किया गया है। बिहार पर्यटन मोबाइल एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। पर्यटन सचिव अभय कुमार सिंह ने बताया कि सभी टेंट सिटी में कांवरियों को बिहार के लोक संस्कृति से परिचय कराने एवं मनोरंजन हेतु प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कराया जायेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति हेतु स्टेज, लाइट एंड साउंड आदि का निर्माण बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के माध्यम से कराया गया है।

कांवरिया पथ पर कुल 200 नए कांवर स्टैंड का निर्माण कराया गया है। डाक बम के लिए पंजीकरण काउंटर की स्थापना की गयी है। सुरक्षा हेतु विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी का अधिष्ठापन किया गया है। कांवरिया पथ पर जगह-जगह पर पानी का टैंकर एवं सक्शन पंप की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है। उन्होंने बताया कि काँवरिया पथ पर 12 अस्थायी पर्यटक सूचना केन्द्रों का निर्माण किया गया है, जहां प्रशिक्षित पर्यटक गाईडों की प्रतिनियुक्ति की जा रही है। यह कांवरियों को सूचना, सुविधा एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

संपर्क क्रांति एक्सप्रेस की बोगी में अग्निशमन उपकरण लीक होने से हड़कंप

ट्रेन से कूदने लगे यात्री

पटना (एजेंसियां)।

समस्तीपुर जंक्शन के पास अचानक संपर्क क्रांति एक्सप्रेस की जनरल बोगी में रखा चार अग्निशमन यंत्र (फायर फाइटर) अचानक लीक होने लगा। लीक होते ही हड़कंप मच गया। ट्रेन में बैठे यात्री अचानक कूदने लगे। हालांकि, सूचना मिलते ही लोको पायलट ने ट्रेन रोक दी। इसके बाद आरपीएफ और जीआरपी के जवानों ने स्थिति को नियंत्रित किया और लीक हो रहे फायर फाइटर को बंद किया। घटना की

सूचना मिलते ही मैकेनिकल विभाग समेत रेलवे के अधिकारी स्टेशन पहुंचे और मामले की जांच की सब ठीक-ठाक रहने के बाद ट्रेन को 10:30 बजे मुजफ्फरपुर के लिए रवाना किया गया। ट्रेन दरभंगा से नई दिल्ली जा रही थी।

फायर फाइटर लीक की घटना से लोगों को लगा कि आग लग गई है इसलिए वह इधर-उधर भागने लगे।

दरभंगा से नई दिल्ली जाने वाली 02565 बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस समस्तीपुर जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर एक पर आकर रुकी थी।

ट्रेन में इंजन जोड़े जाने के बाद इसे मुजफ्फरपुर के लिए रवाना किया गया। ट्रेन जैसे ही प्लेटफार्म से खुली की इंजन से तीसरे जेनरल बोगी में रखा फायरफाइटर अचानक लीक होने लगा। इस घटना को अगलगी समझ यात्री ट्रेन से कूदने लगे।

हालांकि स्पीड कम होने के कारण किसी को चोट नहीं लगी थी। ट्रेन रुकने के बाद मामले की जांच करवाई गई तो पता चला कि अग्निशमन यंत्र पर ही एक यात्री बैठ गए थे। इस कारण वह लीक हुआ।

डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने कहा कि दरभंगा से नई दिल्ली जा रही बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के इंजन से सटे तीसरे बोगी में अत्यधिक भीड़ थी। यात्री अग्निशमन यंत्र पर बैठ गए। दबने से उसकी गैस लीक होने लगी। इसके बाद अफरातफरी का माहौल व्याप्त हो गया। इसमें कोई हताहत नहीं हुए हैं। कोई ब्लास्ट नहीं हुआ है। रेलवे अधिकारियों की टीम को मौके पर भेजा गया था ट्रेन कुछ देर रुकी फिर उसे मुजफ्फरपुर के लिए रवाना कर दिया गया।

नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म करने का आरोपी सीवान से गिरफ्तार

सीवान (एजेंसियां)।

नाबालिग छात्रा शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के फरार आरोपी छात्र को छत्तीसगढ़ पुलिस ने सीवान से गिरफ्तार कर लिया। लेकिन छत्तीसगढ़ लौटने के दौरान सीवान में पुलिस जीप पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में पुलिस टीम समेत सभी लोग बाल-बाल बच गए। बताया जा रहा है कि दुष्कर्म का आरोपी बी फार्मा का छात्र है। मामला पॉक्सो एक्ट का है।

जानकारी के मुताबिक, सीवान जिले के दरौली थाना क्षेत्र के गौरी गांव निवासी बृजेश शर्मा का बेटा रोहन शर्मा (19) छत्तीसगढ़ के भिलाई थाना क्षेत्र के दुर्ग में बी फार्मा की पढ़ाई कर रहा था। वहां वह तालपुरी क्षेत्र में किराए का कमरा लेकर रह रहा था। इसी दौरान रोहन ने उसके साथ पढ़ने वाली एक छात्रा को प्यार के जाल में फंसाकर शादी का वादा किया। फिर नाबालिग छात्रा से लगातार दुष्कर्म करता रहा। इस सिलसिले में जब छात्रा गर्भवती हो गई तो रोहन वहां से फरार हो गया और अपने घर दरौली गांव जाकर छिप गया।

इसके बाद पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर मोबाइल लोकेशन के आधार पर रोहन शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। जब सीवान से पुलिस रोहन शर्मा को लेकर लौट रही थी, तभी पुलिस जीप अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में मौजूद एएसआई को चोटें आईं, लेकिन प्राथमिक उपचार के बाद फिर पुलिस आर-ोपी को लेकर दुर्ग के लिए निकल गई।

बताया जा रहा है कि मामले की शिकायत मिलने के बाद दुर्ग आईजी गोपाल वर्मा ने इस मामले को संज्ञान में लिया। फिर दुर्ग एसपी जितेंद्र शर्मा को एक टीम गठित कर सीवान भेजा। जहां आरोपी पकड़ा गया। वहीं, पुलिस टीम में शामिल एएसआई राजेश मणि ने बताया कि 376 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ है।

सिंहेश्वर में राजकीय श्रावणी मेले का हुआ उद्घाटन, विदेश से भी जलाभिषेक करने पहुंचते हैं श्रद्धालु

मधेपुरा (एजेंसियां)।

मधेपुरा के सिंहेश्वर स्थान में राजकीय श्रावणी मेले का रविवार को डीएम विजय प्रकाश मीणा, जिला परिषद अध्यक्ष मंजू देवी और एसपी संदीप सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काट कर उद्घाटन किया।

डीएम विजय प्रकाश मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि सिंहेश्वर के पूरे क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र घोषित करने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। पुराने हो चुके धर्मशाला को तोड़कर नए धर्मशाला का निर्माण करवाया जाएगा। सिंहेश्वर महोत्सव तक और अधिक विकास होगा।

डीएम ने कहा कि कमियां निकालने के बजाय साथ में आकर सिंहेश्वर स्थान के विकास में सहयोग करें। उन्होंने कहा

कि इस बार श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बेहतर व्यवस्था की गई है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग की गई है। श्रद्धालुओं के लिए शौचालय, पानी और स्नानघर आदि की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि यहां सुल्तानगंज, भागलपुर और नेपाल आदि जगहों से श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए आएंगे। इसके लिए रास्ते में नौ-10 जगह को चिह्नित कर पंडाल की व्यवस्था की गई है। जहां शौचालय, पानी और लाइट आदि की व्यवस्था रहेगी। जहां श्रद्धालु रुक कर विश्राम कर सकेंगे।

वहीं, एसपी संदीप सिंह ने कहा कि श्रावणी मेला को देखते सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया है। मंदिर परिसर में नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। इससे पूर्व शनिवार को डीआईजी मनोज कुमार भी राजकीय श्रावणी मेले की तैयारी का जायजा लेने सिंहेश्वर पहुंचे। एसपी संदीप सिंह एवं एसडीएम सह मंदिर न्यास समिति सचिव संतोष कुमार के साथ उन्होंने घूमकर पूरे मंदिर परिसर का जायजा लिया। दोनों पदाधिकारियों ने डीआईजी को श्रद्धालुओं के आने जाने वाले मार्ग की जानकारी दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com